हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

Koylanchal samvad news

रांची, सोमवार, 6 अप्रैल, 2026 वर्ष : 13 अंक : 310 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

मोदी बोले- केरलम में एलडीएफ जाएगी, एनडीए आएगीः पहले भी यहां आया... | नारी शक्ति वंदन अधिनियमः प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण... | झारखंड समेत 6 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट...

प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान की स्मृति में मसीही विश्वासियों ने पूर्वजों को याद किया

रांची : मसीही विश्वासियों ने आज रविवार को श्रद्धा और आस्था के साथ ईस्टर पर्व मनाया. प्रभु मसीह क्रूस पर चढ़ाए जाने के आज तीसरे दिन पुनर्जीवित हुए. इसी पुनरुत्थान की स्मृति में मसीही समुदाय के लोग सीएनआई चर्च के कांटाटोली स्थित कब्रिस्तान और जीईएल चर्च के कब्रिस्तान में जुटे. उन्होंने अपने पूर्वजों की कब्रों पर फूल अर्पित कर विनती प्रार्थना की. परिवार के दिवंगत सदस्यों को याद करते हुए विश्वासियों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की.

सुबह तीन बजे से आराधना

सुबह तीन बजे आराधना की पहली घंटी बजी. इसके बाद 3:30 बजे दूसरी घंटी बजी. दूसरी घंटी बजते ही स्मरण पत्थर के पास से कब्रिस्तान तक एक भव्य

प्रोसेशन निकाली गई. इसके बाद आराधना शुरू हुई जिसका संचालन रेव्ह अनूप जॉली भेंगरा ने किया जबकि उपदेश बिशप सीमांत तिर्की ने दिया.

माना जाता है कि जिस प्रकार यीशु मसीह मृतकों में से जी उठे, उसी प्रकार एक दिन सभी मृतकों का पुनरुत्थान होगा. उनके पुनः आगमन पर मृत आत्माओं को पुनर्जीवन मिलेगा और उन्हें स्वर्ग में स्थान प्राप्त होगा.

बिशप सीमांत तिर्की का संदेश

इस मौके पर बिशप सीमांत तिर्की ने संदेश भी दिया. बिशप सीमांत तिर्की ने अपने संदेश में बिशप सीमांत तिर्की ने मृतकों में से यीशु के जी उठने की घटना का महत्व बताया. उन्होंने कहा कि होशे नबी के वचन को उद्धृत किया जिसमें कहा गया है कि हे मृत्यु तेरी जय कहां रही? हे मृत्यु तेरा डंक कहां रहा. ईस्टर संडे जिस दिन यह भविष्यवाणी पूरी हुई यह हमारे विश्वास की सबसे बड़ी आशा और विजय का दिन है. यह दिन हमें याद दिलाता है कि प्रभु यीशु मसीह ने मृत्यु पर जय पाई और पुनरुत्थान के द्वारा हमें नया जीवन दिया.

असम में सीएम हेमंत सोरेन ने चुनाव प्रचार में लिया हिस्सा

असम के आदिवासियों को मिलना चाहिए संवैधानिक अधिकारः हेमंत सोरेन

रांचीः झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए असम के आदिवासियों का मुद्दा उठाया. एक्स पर पोस्ट जरिए इसे राष्ट्रीय स्तर का अन्याय बताया. उन्होंने कहा कि असम के चाय बागानों में पीढ़ियों से रह रहे आदिवासी समाज को आज तक अनुसूचित जनजाति का संवैधानिक दर्जा नहीं मिला है, जो बेहद गंभीर विषय है.

हेमंत सोरेन ने कहा कि अंग्रेजों के समय इन लोगों को उनके घरों से दूर लाकर असम में बसाया गया और उन्होंने अपने खून-पसीने से वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया. इसके बावजूद आज तक उन्हें उनके अस्तित्व की मान्यता नहीं दी गई. उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन इस समाज की स्थिति नहीं बदली.

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आखिर क्यों इतने बड़े समाज को अब तक उसके संवैधानिक अधिकार से वंचित रखा गया है. उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल राजनीति का नहीं, बल्कि न्याय, सम्मान और पहचान का सवाल है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के आदिवासी समाज को अब और इंतजार नहीं कराया जाना चाहिए. उन्हें उनका पूरा संवैधानिक अधिकार और सम्मान मिलना ही चाहिए. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब तक न्याय अधूरा है, तब तक लोकतंत्र भी अधूरा रहेगा.

हम मजदूरों के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैंः हेमंत सोरेन

जेएमएम और जय भारत पार्टी के उम्मीदवार तिहारू गौड़ के लिए चुनाव प्रचार में उन्होंने कहा कि हमारे आदिवासी न्याय के लिए लड़ रहे हैं. हम आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों के हक के लिए लड़ाई शुरू कर रहे हैं. लेकिन बीजेपी इन लोगों पर जुल्म और शोषण कर रही है. खासकर हमारे चाय मजदूरों को लंबे समय से 500 रुपये की मजदूरी दी जा रही है. इसलिए, हम अपने मजदूरों के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं और भविष्य में किसी भी सरकार को ये अधिकार देने होंगे.

उन्होंने कहा कि हमारे वर्कर इतनी मेहनत करते हैं, लेकिन वे चाय वर्कर को सिर्फ Rs 250/300 देते हैं. वर्कर को इस पैसे से क्या मिलेगा? अब वे पांच साल बाद चुनाव से ठीक पहले महिलाओं को 9,000 रुपये दे रहे हैं. मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि यह पैसा हर साल क्यों नहीं दिया जाता है.

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि आज मुझे असम में घरों में जाने का मौका मिला. मुझे आपकी तकलीफ सुनने का मौका मिला. मैं एक चाय वर्कर के घर गया और उनकी तकलीफ देखी. वे बिना बिजली के एक छोटे से कमरे में रह रहे हैं. जब से 2016 में बीजेपी सरकार आई है, हर किसी को हर चीज के लिए लाइन में लगना पड़ता है. बीजेपी के मुंह में राम का नाम है लेकिन वह पीछे से चुपके से वार करती है.

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 37वां दिन

ट्रम्प की ईरान को धमकीः होर्मुज खोलो, नहीं तो नरक बना दूंगा, पावर प्लांट व पुलों पर हमला करेंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को बास्टर्ड कहते हुए होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलने पर बड़ा हमला करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो वो उसे नरक बना देंगे। इसके साथ ही उन्होंने ईरान में पावर प्लांट और पुलों पर हमला करने की बात कही। ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान में मंगलवार को पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा यानी हमला होगा। ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोले दे, नहीं तो नरक जैसे हालात में पहुंच जाएगा।

अमेरिका ने इससे पहले गुरुवार को ईरान की राजधानी तेहरान को कराज शहर से जोड़ने वाले B1 हाईवे ब्रिज पर हमला किया था। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता है। करीब 1050 मीटर लंबे और 136 मीटर ऊंचे इस पुल को बनाने में लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3,800 करोड़) खर्च हुए थे।

ईरान बोला- दो अमेरिकी हेलिकॉप्टर और दो ट्रांसपोर्ट विमान गिराए

ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान 2 हेलिकॉप्टर और 2 ट्रांसपोर्ट विमान मार गिराए। इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मुताबिक यह कार्रवाई इस्फहान के दक्षिणी

इलाके में की गई, जब अमेरिकी सेना अपने पायलट को रेस्क्यू करने की कोशिश कर रही थी। आईआरजीसी का कहना है कि इस ऑपरेशन के दौरान उसने 2 C-130 ट्रांसपोर्ट विमान और 2 ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर को तबाह कर दिया, जिससे अमेरिकी रेस्क्यू मिशन नाकाम हो गया। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन सफल रहा और पायलट को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान से एक बचाए गए अमेरिकी एयरमैन और कमांडो को निकालने वाले दो ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए थे। इसके बाद अमेरिका को तीन नए विमान भेजने पड़े। रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में अमेरिकी सेना ने उन फंसे हुए ट्रांसपोर्ट विमानों को उड़ा दिया, ताकि उनकी तकनीक ईरान के हाथ न लगे।

ईरान ने ट्रम्प का 48 घंटे का अल्टीमेटम ठुकराया

ईरान ने ट्रम्प के 48 घंटे में होर्मुज खोलने के अल्टीमेटम को ठुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है। ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने या समझौता करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि समय खत्म हो रहा है और ऐसा नहीं होने पर ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया जाएगा।

राहुल दुबे गिरोह के 7 सदस्य गिरफ्तार, हथियार व कार जब्त

रामगढ़ः जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में कुख्यात राहुल दुबे गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार करके एक बड़ी आपराधिक साजिश को नाकाम कर दिया है. यह कार्रवाई एसपी अजय कुमार के निर्देश पर पतरातू अनुमंडल क्षेत्र में चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान की गई. पुलिस ने एक देसी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, एक कार, एक लैपटॉप और आठ मोबाइल फोन भी जब्त किए.

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तुषार सिंह, मिथुन कुमार और अमन अंसारी के तौर पर हुई है. तलाशी के दौरान तुषार के पास से एक लोडेड देसी रिवॉल्वर और दो जिंदा कारतूस मिले. पूछताछ

में आरोपियों ने ओवरब्रिज साइट पर हुई पिछली फायरिंग की घटना में शामिल होने की बात मानी और बताया कि वे इस घटना को दोहराने की योजना बना रहे थे.

आरोपियों की जानकारी के बाद, पुलिस ने और छापेमारी की और चार अन्य अपराधियों कुणाल सिंह उर्फ शिवम, बादल सिंह उर्फ कुणाल, सुमित पांडे और सनी बेदिया को गिरफ्तार किया. पुलिस ने एक देसी पिस्तौल, चार जिंदा कारतूस, एक कार, एक लैपटॉप और आठ मोबाइल फोन भी जब्त किए. रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 29 मार्च को एमजीसीपीएल ओवरब्रिज निर्माण स्थल पर हुई फायरिंग की घटना के पीछे राहुल दुबे गैंग का हाथ था. कंपनी ने लेवी दिए बिना काम फिर से शुरू कर दिया, जिसके बाद गैंग के सदस्य एक और फायरिंग की घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे. उन्होंने कहा कि खुफिया जानकारी मिली थी कि गैंग के कुछ सदस्य मोटरसाइकिल और कारों पर पतरातू इलाके में घूम रहे हैं और साइट की रेकी कर रहे हैं. सूचना मिलने पर पतरातू अनुमंडल में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया. एक संदिग्ध कार और एक बाइक को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन बाइक सवार दो लोग भागने में कामयाब रहे, जबकि कार का ड्राइवर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले लोहे के गार्डर से टकरा गया. तीन आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया.

राज्य के सभी सिविल कोर्ट आज से सुबह सात से 12 बजे तक चलेंगे

रांचीः सिविल कोर्ट रांची सहित राज्य के सभी जिला न्यायालयों में छह अप्रैल से मार्निंग कोर्ट चलेगी। यह निर्णय झारखंड हाई कोर्ट के निर्देश के आलोक में लिया गया है। आदेश के अनुसार, छह अप्रैल से 27 जून तक सभी अदालतों में सुबह की पाली में कामकाज होगा। नई व्यवस्था के तहत कोर्ट की कार्यवाही सुबह सात बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चलेगी। जबकि सुबह 9:30 बजे आधे घंटे का लंच का समय रहेगा। आदेश रांची न्यायालय के अंतर्गत आने वाले सभी न्यायालयों और कार्यालयों पर लागू होगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों, बार एसोसिएशन और अन्य संस्थानों को सूचना भेज दी गई है, ताकि निर्धारित तिथि से व्यवस्था सुचारु रूप से लागू हो सके। साल 2025 को छोड़ हर साल की तरह इस बार भी मॉर्निंग कोर्ट शुरू होने से वकीलों, न्यायिक कर्मियों और वादकारियों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

झारखंड में तेजस्वी यादव की हुंकार!

बोले...आरजेडी को नजरअंदाज करना मुश्किल, कार्यकर्ताओं को दिया टास्क

रांचीः बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव इन दिनों झारखंड के संगठनात्मक दौरे पर हैं, जहां वे विभिन्न जिलों में रहकर पार्टी के कार्यों का जायजा ले रहे हैं. इसी क्रम में रविवार को रांची प्रवास के दौरान उन्होंने राज्यभर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद किया. तेजस्वी ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं में नया जोश भरते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि झारखंड की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल को नजरअंदाज करना अब किसी के लिए भी संभव नहीं है. उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केवल गठबंधन की सीमाओं में न बंधें, बल्कि राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की मुस्तैदी के साथ तैयारी में जुट जाएं.

2024 के प्रदर्शन को बताया पार्टी की असली ताकत

तेजस्वी यादव ने बीते विधानसभा चुनाव (नवंबर 2024) के परिणामों का उदाहरण देते हुए पार्टी की बढ़ती ताकत को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि राजद ने इंडिया गठबंधन के तहत सीमित सीटों (7 सीटों) पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 4 पर शानदार जीत दर्ज की. उन्होंने कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाया कि यदि पार्टी और अधिक सीटों पर लड़ती, तो परिणाम और भी अधिक चौंकाने वाले होते. आगामी परिसीमन का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि झारखंड में लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या में वृद्धि तय है, इसलिए राजद को अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए अभी से जमीनी स्तर पर कार्य करना होगा.

कार्यकर्ताओं को सफलता का मंत्र देते हुए तेजस्वी ने अपील की कि हर समर्पित सदस्य प्रतिदिन कम से कम एक घंटा पार्टी के कार्यों के लिए समर्पित करें. उन्होंने 'बूथ जीतो, चुनाव जीतो' के सिद्धांत पर जोर देते हुए कहा कि राजद जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में आदिवासी और मूलवासी समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है. उन्होंने घोषणा की कि आने वाले समय में पार्टी राज्य के हर प्रमंडल में बड़ी रैलियां आयोजित करेगी. तेजस्वी ने जोर देकर कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य राजद को फिर से 'राष्ट्रीय पार्टी' का दर्जा दिलाना है और झारखंड इस मिशन में मील का पत्थर साबित होगा.

अपने संबोधन में तेजस्वी यादव ने भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि राजद लालू प्रसाद यादव की उस अटूट विचारधारा पर आधारित पार्टी है, जिसे सांप्रदायिक ताकतें कभी कमजोर नहीं कर सकतीं. उन्होंने शिबू सोरेन (दिशोम गुरु) के प्रति अपना गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि राजद झारखंड के विकास और सामाजिक न्याय की लड़ाई में सहयोगी दलों के साथ खड़ी है.

पीएम मोदी बोले- टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुकाः ये खास मजहब के लोग, बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे

नई दिल्ली/कोलकाताः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चुनावी सभा में कहा कि टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और अब जनता बदलाव चाहती है। चुनाव के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा- 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था। उसके बाद हिंदुओं का नरसंहार किया गया था। टीएमसी उसी की याद दिलाना चाहती है। ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। राज्य में भ्रष्टाचार, घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार ने जनता को भय और असुरक्षा के माहौल में धकेल दिया है।

नरेंद्र मोदी की स्पीच की दो बड़ी बातें

- एक ओर टीएमसी के करप्शन का भय है तो दूसरी तरफ विकास को रफ्तार देने वाली भाजपा का भरोसा है। एक और टीएमसी के घुसपैठ कराने का भय है तो दूसरी ओर घुसपैठियों को भगाने वाली भाजपा पर भरोसा है।
- तृणमूल कांग्रेस की सरकार में बंगाल की डेमोग्राफी में भयंकर बदलाव आया है। इन घुसपैठियों को टीएमसी का समर्थन है। हमारी सरकार उन्हें चुन-चुनकर बाहर कर रही है।

राहुल की असम में रैली, दो बड़ी बातें

- असम के हिमंत भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं, वे सिर्फ नफरत फैलाते हैं। कांग्रेस के सत्ता में आने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हिमंत को माफी मांगने पर भी नहीं बख्शा जाएगा।
- वे इस तरह इसलिए बात करते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' उन्हें जेल में डालने वाले हैं। तब उन्हें असम की जनता और कांग्रेस नेताओं से माफी मांगनी पड़ेगी। कांग्रेस की विचारधारा जुबीन गर्ग जैसी है, जिन्होंने असम के लोगों को एकजुट करने का काम किया।

पीएम मोदी बोले- ये लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तुष्टिकरण के इस खेल में बंगाल की महान पहचान को बदला जा रहा है। अभी टीएमसी ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है, लेकिन उसका नाम उन्होंने बांग्ला भाषा में नहीं रखा, बल्कि उसे इश्तेहार कहा जा रहा है। सोचिए कि कैसे पश्चिम बंगाल की पहचान को बदल रहे हैं। आप जानते हैं कि इश्तेहार का इस्तेमाल बंगाल में किसलिए हुआ था। 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था। उसके बाद हिंदुओं का नरसंहार किया गया था। टीएमसी हमें उसी की याद दिलाना चाहती है। आपको भूलना नहीं है कि यहां निर्मम सरकार में खुलेआम धमकी दी जा रही है। ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार का चुनाव आपके बच्चों का भविष्य तय करने वाला है। इसलिए आप बच्चों के भविष्य के लिए वोट दीजिए। आप अपना वोट अपने परिवार के लिए दीजिए। बीजेपी को वोट देकर परिवर्तन पर मुहर लगाइए।

संक्षिप्त खबरें...

महुआ चुनने गई महिला की संदिग्ध मौत, पेड़ से लटका मिला शव

पलामूः जिले के मनातू थाना क्षेत्र अंतर्गत दुमरी पंचायत के चिड़ियबुड़ टोला, उरवा गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है. मृतका की पहचान मनोज परहिया की पत्नी पूनम देवी (उम्र लगभग 31 वर्ष) के रूप में हुई है. घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार को करीब 12 बजे पूनम देवी अपने घर से लगभग 300 मीटर दूर जंगल में महुआ चुनने के लिए गई थीं. काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की. इसी दौरान गांव के किनारे एक पेड़ से उसका शव लटका हुआ मिला. यह दृश्य देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया. घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई. पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है और सभी पहलुओं की छानबीन में जुटी हुई है.

नशीला पदार्थ खिलाकर ट्रक लूटने वाले गिरोह का खुलासा, बिहार निवासी आरोपी लातेहार में गिरफ्तार

चतराः चतरा पुलिस को ट्रक चोरी और चालकों को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है. 29 मार्च को दर्ज चतरा सदर थाना कांड संख्या 91/26 के अनुसंधान के क्रम में पुलिस को सफलता मिली है. पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर लातेहार जिले के चतरा बार्डर पर स्थित बालूमाथ थाना क्षेत्र से अंतरराज्यीय गिरोह के एक सदस्य को चतरा की सदर थाना पुलिस नें धर दबोचा है. एसपी नें बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीम का गठन कर छापेमारी की गई थी. इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को चोरी के ट्रक के साथ गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के भागलपुर जिला अंतर्गत हबीबपुर निवासी आदित्य राज उर्फ आदित्य कुमार उर्फ राजीव रंजन उर्फ मनन चौधरी उर्फ मो शाहबाज के रूप में हुई है. पूछताछ में आरोपी ने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर ट्रक चालकों को नशीला पदार्थ खिलाकर वाहन चोरी करने की बात स्वीकार की है. एसपी नें बताया कि पुलिस ने आरोपी के पास से 42 नशीली गोलियां, ट्रक का जीपीएस निकालने के उपकरण, प्लास, पेचकस एवं 17 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं. उन्होंने बताया कि आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह गिरोह में शामिल अपने अन्य सहयोगियों एखलाक खान, राजेश यादव और टुनु यादव के साथ मिलकर पूर्व में भी बिहार और पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी घटनाओं को अंजाम दे चुका है. चोरी किए गए ट्रकों को पश्चिम बंगाल के पन्नागढ़ में बेच दिया जाता था. एसपी ने कहा, कि यह एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह है, जिसकी गतिविधियों की गहन जांच की जा रही है. फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अनजान व्यक्तियों से सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें.

दो युवकों की डैम में डूबने से मौत, एक ने फांसी लगायी

लातेहारः लातेहार जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र मे दो युवकों की मौत डैम में डूबने से हो गयी. जानकारी के अनुसार विशाल परहिया(18), पिता उपेंद्र परहिया (छिपादोहर) व मनोज परहिया (32) (बरवाडीह) सरहुल पर्व मनाने छिपादोहर थाना क्षेत्र के कुचला गांव में गये थे.
इसी दौरान वे पास के डैम में नहाने चले गये थे, नहाने के क्रम में वे गहरे पानी में चले गये और निकल नहीं पाये. जब काफी देर तक दोनो नहीं निकले तो ग्रामीणों ने उनकी पानी में तलाश शुरू की, काफी मशक्कत से विशाल परहिया का शव ग्रामीणो ने बरामद किया. इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना छिपादोहर पुलिस को दी. छिपादोहर थाना प्रभारी यकीन अंसारी पुलिस बल के साथ डैम साईट पहुंचे. आज रविवार सुबह ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने फिर सर्च अभियान चलाया. इस दौरान मनोज परहिया का शव भी बरामद कर लिया गया. पुलिस दोनो शव को बरामद कर सदर अस्पकताल लातेहार में पोस्टलमार्टम के लिए भेजा.
इधर सदर थाना क्षेत्र के हेठ पोचरा ग्राम में 40 वर्षीय इकबाल अंसारी पिता नईम अंसारी ने फांसी लगा कर आत्म हत्यार कर ली. उसका शव रविवार को महुआ के पेड़ में झूलता पाया गया. आत्म हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जें में ले कर पोस्टामार्टम के लिए भेजा. पुलिस जांच में जुट गयी है.

हाड़ी जाति समाज सुधार समिति की बैठक संपन्न

धनबादः न्यू टाउन हॉल में हाड़ी जाति समाज सुधार समिति सामाजिक संस्था की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई । जिसमें समिति की विस्तार एवं मुख्य विषयों पर विचार विमर्श किया गया और आगामी 14 अप्रैल बाबा साहब की जयंती पर गोधर सिमरियाटांड़ में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया । बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष, किशोर हाड़ी, कार्यकारी अध्यक्ष, कार्तिक हाड़ी, महासचिव बूचू हाड़ी, कोषाध्यक्ष , विजय हाड़ी, जिला युवा अध्यक्ष बिनोद हाड़ी, उपाध्यक्ष, मनोज हाड़ी, सचिव, दिनेश हाड़ी, संगठन सचिव भरत हाड़ी, प्रवक्ता सुधीर हाड़ी, सह सचिव राजू हाड़ी सूचना मंत्री विकाश हाड़ी आदि मौजूद थे ।

राजा देवी की गले से चेन छीनकर अपराधी हुए फरार

धनबादः धनबाद में चैन छिनतई की घटना कोई आम बात नहीं। रविवार को प्रातः 9 बजे धनबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ठाकुर कुल्ही निवासी परमानंद प्रसाद की 65 वर्षीय पत्नी राजा देवी सब्जी लेकर अपने घर को लौट रही थी ।रास्ते में ही घात लगाए दो युवक ने गले का चेन जपटकर चलते बने। श्रीमती राजा देवी किसी को बुला पाती तब तक अपराधी फरार होने में सफल हो गए। इसकी सूचना धनबाद थाना को फोन पर दी गई। थाना प्रभारी द्वारा पुलिस दल को घटना स्थल पर भेजकर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। चेन की कीमत लगभग डेढ़ लाख बताया गया। ज्ञात हो कि धनबाद में लगातार बढ़ती चेन छिनतई की घटनाओं से नागरिकों में काफी आक्रोश है ।धनबाद में पिछले कुछ हफ्तों से महिलाओं के साथ हो रही चेन छिनतई की बढ़ती घटनाओं ने महिलाओं के बीच भय का माहौल पैदा हो गया है। शहर के रिहायशी इलाकों जैसे सरायढेला, हीरापुर, धैया, बैंकमोड़,धनसार,कोयलाभवन,जैसे कई क्षेत्रों में दिनदहाड़े बाइक सवार अपराधियों द्वारा महिलाओं को निशाना बनाए जाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अपराधी हेलमेट पहनकर आते हैं और सूने रास्तों के अलावा व्यस्त बाज़ारों में भी महिलाओं के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो जाते हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग किया है की मुख्य चौराहों और कॉलोनियों की गलियों में पुलिस पीसीआर और मोटरसाइकिल गश्ती बढ़ाई जाए। इस घटना को लेकर स्थानीय पुलिस विभाग ने आश्वासन दिया है कि संदिग्धों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। पुलिस ने लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना को देने की सलाह दी।

आंगनबाड़ी केंद्र में टीकाकरण के बाद तीन माह की बच्ची की मौत का मामला आया सामने

मृतक की मां नें थाना में आवेदन देकर लगाई इंसाफ की गुहार

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के।अंतर्गत ग्राम झुरझुरी यादव टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में टीकाकरण के बाद एक तीन माह की बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद मृतक की मां आरती देवी पति राजेश यादव ने बरकट्ठा थाना में आवेदन देकर इंसाफ की गुहार लगाई है। जिसमें बताया है कि उनकी तीन माह की पुत्री रिद्धि कुमारी को शनिवार की दोपहर करीब 2 बजे आंगनबाड़ी केंद्र पर एएनएम पूनम कुमारी के द्वारा टीका लगाने के लिए बुलाया गया था।वहां बच्ची को एक साथ छह वैक्सीन लगाए गए।परिजनों का आरोप है कि टीकाकरण के बाद रात करीब 11 बजे बच्ची की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह पूरी तरह सुस्त हो गई। जिसके बाद आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा ले जाया गया।जहां से चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया। बाद में बच्ची को अनुमंडलीय अस्पताल बरही ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही बरकट्ठा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।वहीं इस संबंध में एएनएम पूनम कुमारी का कहना है कि बच्ची को अस्पताल से प्राप्त वैक्सीन ही दी गई थी और उसी समय अन्य दो बच्चों को भी टीका लगाया गया था जो पूरी तरह स्वस्थ हैं।फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और परिजनों ने पूरे मामले में निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है।घटना की सूचना मिलने पर मुखिया सुमन कुमार, उपमुखिया प्रतिनिधि कुंवर यादव, रामेश्वर महतो समेत अन्य गणमान्य लोगों ने पीड़ित परिवार से मिलकर जानकारी प्राप्त किया।

13 अप्रैल को हजारीबाग यूथ विंग का रक्तदान शिविर, युवाओं में उत्साह चरम पर

युद्ध स्तर पर चल रहा संपर्क अभियान, रक्तदाताओं को मिलेगा हेलमेट व प्रमाण पत्र

हजारीबाग। हज़ारीबाग यूथ विंग द्वारा 13 अप्रैल को लक्ष्मी सिनेमा हॉल सभागार में आयोजित होने वाली भव्य रक्तदान शिविर को लेकर शहर में माहौल पूरी तरह से तैयार होता नजर आ रहा है। संस्था की ओर से चलाया जा रहा जागरूकता अभियान अब युद्ध स्तर पर पहुंच गया है, जिसके कारण युवाओं में रक्तदान को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। रविवार को अभियान के तहत शहर के विभिन्न डिफेंस अकादमियों में विशेष संपर्क अभियान चलाया गया। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन एवं अध्यक्ष करण जायसवाल के निर्देश पर सदस्य विवेक तिवारी ने युवाओं के बीच पहुंचकर उन्हें रक्तदान के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि रक्तदान न सिर्फ किसी जरूरतमंद को नया जीवन देता है, बल्कि यह स्वयं रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। इस दौरान कमांडो फिजिकल अकादमी विवेक कुमार तिवारी, वारियर डिफेंस अकादमी प्रेम कुमार मिल्खा डिफेंस अकादमी प्रीतम कुमार, हजारीबाग डिफेंस अकादमी राहुल कुमार, चैंपियन डिफेंस अकादमी मुकेश कुमार, विकास डिफेंस अकादमी विकास कुमार एवं फिजिकल डिफेंस अकादमी पंकज कुमार में जाकर युवाओं को निमंत्रण पत्र सौंपे गए और अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई। सभी युवाओं को बताया गया कि रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रोत्साहन स्वरूप एक-एक हेलमेट के साथ-साथ प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। इस पहल ने युवाओं के उत्साह को और बढ़ा दिया है। संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि संस्था का लक्ष्य इस शिविर को ऐतिहासिक बनाना है। युवाओं का जिस तरह से समर्थन मिल रहा है, उससे यह साफ है कि यह आयोजन एक नई मिसाल कायम करेगा।

ईस्ट जोन पिकलबॉल टूर्नामेंट आयोजन समिति एवं दायित्वों की कि गई घोषणा

धनबादः झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बी सुधीर ने जानकारी दी की रांची के इंडोर स्टेडियम खेल गांव में में 10 से 12 अप्रैल होने वाली ईस्ट जोन पिकलबॉल टूर्नामेंट के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। इस आयोजन की औपचारिक घोषणा ईस्ट जॉन पिकल बॉल टूर्नामेंट के आयोजक प्रभात कुमार के द्वारा की गई है। सभी सदस्यों को उनके अनुभव एवं क्षमता के अनुसार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। जिसमें आयोजन समिति में गौरव कुमार समन्वय एवं सम्पूर्ण संचालन सुमित कुमार बजाज प्रशासनिक कार्य एवं टीम समन्वय,संजय पांडे वित्तीय एवं प्रबंधन सहयोग,मनोज तिवारी ग्राउंड एवं संचालन सहयोग।तकनीकी समिति में अपूर्व कुमार मैच शेड्यूल एवं नियम निर्धारण,गौरव कुमार रेफरी एवं तकनीकी पर्यवेक्षण,राहुल कुमार मैच ड्रॉ, नियम एवं तकनीकी संचालन,रेफरी और स्कोरिंग सिस्टम की देखरेख। टूर्नामेंट कमेटी में गौरव कुमार टूर्नामेंट संचालन, भरत शाह कोर्ट मैनेजमेंट,मनोज तिवारी मैच संचालन।वित्त समिति में संजय पांडे बजट एवं खर्च प्रबंधन,बी. सुधीर फंड एवं स्पॉन्सर मैनेजमेंट। मीडिया और पब्लिसिटी कमेटी में बी. सुधीर मीडिया समन्वय,गौरव कुमार प्रचार रणनीति,संजय पांडे प्रेस एवं पब्लिक रिलेशन।अतिथि सत्कार समिति में दिलीप खालको अतिथि एवं खिलाड़ियों की व्यवस्था प्रमुख बी. सुधीर आवास एवं भोजन समन्वय,रुपेश कुमार ग्राउंड सपोर्ट एवं स्वागत का प्रभार दिया गया है।

आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर 12 अप्रैल को शिवाजी मैदान में जुटेगा हिंदू समाज

मेदिनीनगर : मेदिनीनगर स्थित शिवाजी मैदान में 12 अप्रैल को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. हिंदू समाज की एकता, परंपराओं के संरक्षण व समरसता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हिंदू सम्मेलन किया जा रहा है.
इस आयोजन को लेकर विष्णु मंदिर में आज रविवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. इस अवसर पर जानकारी दी गयी कि आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा.
सम्मेलन समिति के संयोजक सुरेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि यह आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर आपसी सहयोग और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण प्रयास है.
सम्मेलन में भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारंपरिक कला एवं विरासत का प्रदर्शन किया जाएगा. कहा कि समाज के प्रबुद्ध एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों के प्रेरणादायक विचार सम्मेलन के मुख्य आकर्षण होंगे. उपाध्यक्ष आशीष भारद्वाज ने कहा कि सम्मेलन में विशेष रूप से युवाओं को अपनी जड़ों, संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने पर जोर दिया जाएगा.
समिति के अन्य उपाध्यक्ष सोनू नामधारी ने कहा कि हिंदू सम्मेलन का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर कार्यक्रम को सफल बनाया जायेगा.सचिव कुमार गौरव ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य सकल हिंदू समाज को एकजुट करना है.
प्रेस कॉन्फ्रेंस में समिति के सह संयोजक सतीश तिवारी, विकास सिंह, रौशन चौरसिया, सचिव कुमार गौरव, प्रचार प्रमुख रोहित पाठक, श्वेत रंजन, कोषाध्यक्ष विकास तिवारी, शुभम प्रसाद, पंकज जयसवाल, अनामिका सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे.

धनबाद में सड़क हादसाः ट्रैक्टर ने 5 लोगों को रौंदा, 2 की हालत गंभीर

धनबाद : जिले के टुंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर मोड़ के पास रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया. जिसमें 5 लोग घायल हो गए. इनमें से दो की हालत गंभीर है. जानकारी के अनुसार, सभी लोग फतेहपुर मोड़ पर स्थित एक दुकान के बाहर बैठे हुए थे. इसी दौरान तेज रफ्तार अनियंत्रित बालू लदा ट्रैक्टर अचानक बैठे लोगों की ओर बढ़ गया और अपनी चपेट में ले लिया. घटना इतनी जल्दी हुआ कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला. हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. डॉक्टरों के मुताबिक, दो लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है, जबकि अन्य तीन घायलों का इलाज जारी है. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए. गुस्साए ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए, साहिबगंज गोविंदपुर मुख्य सड़क को जाम कर दिया. प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध बालू ढुलाई और तेज रफ्तार वाहनों की वजह से लगातार हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है.
स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अवैध खनन और बेलगाम वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके.

पांकी में लूट का विरोध करने पर अधेड़ को गोली मारी, हालत नाजुक

पलामूः पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के जोबला गांव में शनिवार देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई. अज्ञात लुटेरों ने लूटपाट के दौरान विरोध करने पर एक 50 वर्षीय अधेड़ को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया. घायल की पहचान जोबला गांव निवासी पांडु सिंह के पुत्र बैजनाथ सिंह (उम्र करीब 50 वर्ष) के रूप में हुई है. घटना के बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया,
स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया. फिलहाल वहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है.
जानकारी के अनुसार, बैजनाथ सिंह अपनी पत्नी के साथ घर के बाहर बैठे थे. इसी दौरान चार नकाबपोश अपराधी वहां पहुंचे और लूटपाट करने लगे. विरोध करने पर अपराधियों ने गोली चला दी, जो उनकी जांघ में लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए.
घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. सूचना मिलते ही अस्पताल पुलिस चौकी और पांकी थाना पुलिस सक्रिय हो गई है. पुलिस आसपास के इलाकों में छापेमारी कर आरोपियों की तलाश में जुटी है.
बताते चलें कि दो सप्ताह पूर्व पांकी थाना क्षेत्र के केरकी गांव में भी महुआ चुनने के दौरान एक अधेड़ की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी. इस लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है और लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है.

सड़क दुघर्टना में खलासी की हुई मौत को लेकर मामला दर्ज

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के गोरहर थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुघर्टना में खलासी की मौत को लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है। जानकारी हो कि पिछले दो-तीन अप्रैल की मध्यरात्रि को गोरहर पुल के समीप जीटी रोड़ पर दो वाहनों की भिड़ंत हो गई थी।हादसे में ट्रक नंबर जेएच 10 सीके 3360 के खलासी ग्राम बनोखर टोला रौधी विगहा थाना मदनपुर औरंगाबाद बिहार निवासी अमृत कुमार उर्फ गोलू 20 वर्ष पिता जगन भुइयां की मौके पर ही दबकर मौत हो गई थी।इस बाबत मृतक के पिता जगन भुइयां ने गोरहर थाना में कांड संख्या 13/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें उन्होंने बताया है कि मेरा पुत्र अमृत कुमार उक्त ट्रक का खलासी धनबाद से कोयला लोड़ कर दिल्ली जाने के क्रम में गोरहर पुल के पास विपरीत दिशा से अज्ञात वाहन का रौशनी पड़ने के कारण आगे जा रही ट्रक को चालक ने पीछे से टक्कर मार दिया।जिसमें मेरे पुत्र अमृत कुमार की मृत्यु घटना स्थल पर हो गई।मामले में उन्होंने ट्रक नंबर जेएच 10 सीके 3360 के चालक तेजी व लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण पुत्र की मृत्यु हो जाने को लेकर कानुनी कार्रवाई की मांग किया है।

एनआईटी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सफलता पूर्वक संपन्न

जमशेदपुर । नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जमशेदपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित 'सतत बदलावों के लिए इंजीनियरिंग में नवाचार' (InnovEST-2026) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया , जो एक अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रभावशाली शैक्षणिक कार्यक्रम के अंत का प्रतीक था। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग पेशेवरों और छात्रों के लिए सतत विकास हेतु नवीन समाधानों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक गतिशील मंच साबित हुआ।
इस सत्र की शोभा कई गणमान्य व्यक्तियों ने बढ़ाई, जिनमें निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधार, उप निदेशक प्रो. आर. वी. शर्मा, डीन (शैक्षणिक) प्रो. एम. के. सिन्हा, रजिस्ट्रार प्रो. एस. के. सारंगी और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. परमानंद कुमार शामिल थे। उनकी उपस्थिति ने शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और सतत तकनीकी प्रगति को प्रोत्साहित करने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। अपने समापन संबोधन में, निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधार ने सततता से संबंधित ज्वलंत वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में इंजीनियरिंग नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने अंतर्विषयक सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और युवा शोधकर्ताओं तथा छात्रों को व्यावहारिक, विस्तार योग्य और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।
उप निदेशक प्रो. आर. वी. शर्मा ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और इस सम्मेलन को ज्ञान के आदान-प्रदान तथा सहयोग के लिए एक प्रभावी मंच बताया। डीन (शैक्षणिक) प्रो. एम. के. सिन्हा ने शोध प्रस्तुतियों और तकनीकी चर्चाओं की गुणवत्ता की भूरि-भूरि प्रशंसा की, और प्रतिभागियों से सतत इंजीनियरिंग के उभरते क्षेत्रों में अपना योगदान जारी रखने का आग्रह किया। रजिस्ट्रार प्रो. एस. के. सारंगी ने कार्यक्रम के सुचारू आयोजन और समन्वय की सराहना की। सभा को संबोधित करते हुए, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. परमानंद कुमार ने सम्मेलन के सफल आयोजन पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने शोधकर्ताओं और छात्रों के बीच नवाचार, सहयोग और ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देने में ऐसे शैक्षणिक मंचों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने देश भर से आए प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी की भी सराहना की और सतत तथा उन्नत इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में शोध को बढ़ावा देने के प्रति विभाग की निरंतर प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस सम्मेलन में देश भर से संकाय सदस्यों, छात्रों और प्रतिनिधियों ने ऑफलाइन और ऑनलाइन, दोनों ही माध्यमों से सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रस्तुतियों और चर्चाओं की विविध श्रृंखला ने आज के विश्व में सतत इंजीनियरिंग पद्धतियों और नवीन तकनीकी समाधानों के बढ़ते महत्व को परिलक्षित किया। InnovEST-2026 का सफल आयोजन आयोजन सचिवों के समर्पित प्रयासों से संभव हो पाया। इनमें डॉ. आर. के. गौड़ा, डॉ. ए. के. पटेल, डॉ. एस. के. झा, डॉ. ए. के. रे, डॉ. एस. के. एस. सुधांशु और डॉ. अभिषेक शर्मा शामिल थे, जिनकी बारीकी से की गई योजना और समन्वित प्रयासों ने सभी सत्रों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया। समापन सत्र में मुख्य वक्ताओं और सत्र अध्यक्षों के बहुमूल्य योगदान को भी सराहा गया, जिनकी अंतर्दृष्टियों ने अकादमिक चर्चा को काफी समृद्ध किया। उनकी विशेषज्ञता ने सतत इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मौजूदा रुझानों और भविष्य की दिशाओं पर सार्थक दृष्टिकोण प्रदान किए। कुल मिलाकर, InnovEST-2026 एक महत्वपूर्ण अकादमिक पहल के रूप में उभरा, जिसने नवाचार, सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया। सम्मेलन का समापन इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के माध्यम से सतत परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता के एक सशक्त संदेश के साथ हुआ, जिसने प्रतिभागियों को एक अधिक सतत और सुदृढ़ भविष्य के निर्माण में प्रभावी ढंग से योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल में पारदर्शी व दक्ष कार्यसंस्कृति की ओर कदम

संवाददाता रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) में संगठनात्मक कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग तथा उत्खनन विभाग के लिए तैयार मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) का विधिवत विमोचन किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (तकनीकी एवं संचालन) चंद्रशेखर तिवारी, निदेशक (योजना एवं परियोजना) अनूप हंजुरा तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार सहित विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से एसओपी का विमोचन किया। नई एसओपी संबंधित विभागों के कार्य निष्पादन के लिए स्पष्ट, मानकीकृत और व्यवस्थित दिशा-निर्देश प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य कार्यप्रणाली में एकरूपता, प्रक्रियाओं में पारदर्शिता तथा संचालन दक्षता को बढ़ाना है। एसओपी के प्रभावी क्रियान्वयन से निर्णय प्रक्रिया अधिक सुसंगत और समयबद्ध होगी, जिससे कार्य गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है। बैठक में एसओपी के कड़ाई से अनुपालन पर जोर दिया गया। यह पहल संसाधनों के बेहतर उपयोग, जवाबदेही बढ़ाने और संगठन की समग्र कार्यक्षमता सुदृढ़ करने में सहायक होगी। सीसीएल सतत विकास और उत्कृष्ट प्रदर्शन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ऐसे कदमों से आगे बढ़ा रहा है।

रांची में दिखा लंबा सांप, रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा गया

रांची: राजधानी रांची में एसएसपी आवास की बाउंड्री से सटे एक पेड़ पर लंबे सांप के दिखने से कुछ देर के लिए हलचल मच गई। सूचना मिलते ही वन विभाग हरकत में आया और तत्परता दिखाते हुए सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। पेड़ पर सांप देखे जाने की सूचना रांची के डीएफओ श्रीकांत तक पहुंची। उन्होंने तुरंत स्नेक कैचर रमेश कुमार महतो को मौके पर भेजा। सूचना मिलते ही रमेश महतो घटनास्थल पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक पेड़ से सांप को नीचे उतारकर सुरक्षित कब्जे में ले लिया। स्नेक कैचर रमेश महतो ने ईटीवी भारत को बताया कि यह सांप रैट स्नेक कहा जाता है, जो इंसानों के लिए बिल्कुल भी खतरनाक नहीं होता. उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस तरह के सांप दिखने पर घबराने की बजाय वन विभाग को सूचित करें. रैट स्नेक आमतौर पर लंबाई में काफी बड़े होते हैं और पेड़ों पर आसानी से चढ़ सकते हैं. ये विषैले नहीं होते और पर्यावरण के लिए बेहद उपयोगी माने जाते हैं. इनका मुख्य भोजन चूहे होते हैं, जिससे खेती और घरों में चूहों की समस्या कम होती है. मार्च से जून के बीच इनकी गतिविधियां बढ़ जाती हैं. इस दौरान ये पक्षियों के घोंसलों तक पहुंचकर अंडे और बच्चों को भी खा जाते हैं. रमेश महतो ने बताया कि मेटिंग सीजन के कारण इन दिनों रैट स्नेक ज्यादा सक्रिय और भूखे रहते हैं. इसी वजह से वे पेड़ों और आबादी वाले इलाकों में भी नजर आ सकते हैं. रेस्क्यू के बाद सांप को पिठौरिया के पास जंगल क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ दिया गया है. ताकि वह अपने प्राकृतिक आवास में रह सके.

विराट हिंदू सम्मेलन 15 को कांके में, तैयारियां शुरू

रांची : कांके में 15 अप्रैल को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता विवेक प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि यह कार्यक्रम हिंदू समाज में जनजागरण और एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन के माध्यम से लोगों को पंच परिवर्तन के संकल्प से जोड़ा जाएगा। इसमें स्वदेशी अपनाना, नागरिक कर्तव्यों का पालन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और परिवार सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर विशेष बल दिया जाएगा। सम्मेलन में संत-महात्माओं की ओर से धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को लेकर मार्गदर्शन किया जाएगा। साथ ही नशा मुक्ति, गो संरक्षण, मतांतरण, पारंपरिक हिंदू व्यवसायों पर बढ़ते कब्जे से सचेत करना और सामाजिक कुरीतियों पर भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कांके, बुढ़मू और ओरमांझी प्रखंडों में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। राम भक्तों की टोली गांव-गांव जाकर लोगों को सम्मेलन से जोड़ेगी।

अपना गांव-अपना राज आज भी आंदोलन का प्रेरणास्रोत है : देवेन्द्र

संवाददाता रांची: चुआड़ विद्रोह के महानायक वीर शहीद रघुनाथ महतो जी का 248 वॉं शहादत वर्षगांठ पर शहादत स्थल लोटा किता में शहीद रघुनाथ महतो के शहीद वेदी पर जेएलकेएम केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष श्री देवेन्द्र नाथ महतो माल्यार्पण किया , मौके पर शहीद स्मारक समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, मौके देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि शहीद रघुनाथ महतो अंग्रेजी हुकूमत के जुर्म के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका और अपना गांव, अपना राज, दूर भगाओ अंग्रेज राज का ऐतिहासिक नारा दिया जो आज भी आंदोलन और स्वशासन का प्रेरणास्रोत है। साथ ही उन्होंने सरकार से मांग किया कि शहीद रघुनाथ को शहीद का दर्जा देते हुए शहादत स्थल लोटा को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विकसित किया जाय तथा उनके अमर वीर गाथा को विद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाय।

गैस सिलेंडर कालाबाजारी का भंडारण करते दोषियों पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

रांची में गैस रिफिलिंग गिरोह का भंडाफोड़, बिरयानी की दुकान से 9 सिलेंडर हुई बरामद

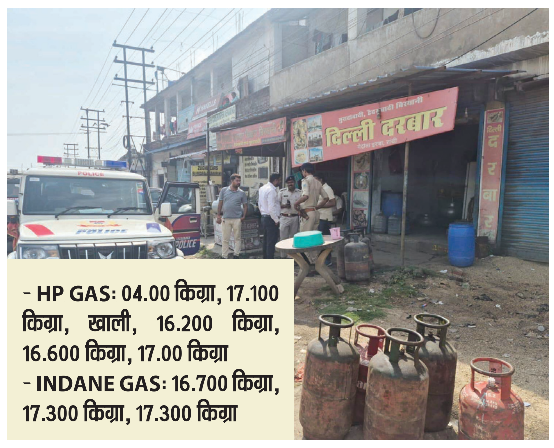

- HP GAS: 04.00 किग्रा, 17.100 किग्रा, खाली, 16.200 किग्रा, 16.600 किग्रा, 17.00 किग्रा
- INDANE GAS: 16.700 किग्रा, 17.300 किग्रा, 17.300 किग्रा

संवाददाता रांची: झारखंड की राजधानी रांची के ओरमांझी क्षेत्र में अवैध गैस सिलेंडर रिफिलिंग और कालाबाजारी के खिलाफ जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए एक संगठित गिरोह का खुलासा किया है। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर जिला स्तरीय टीम ने ईरबा स्थित एक बिरयानी दुकान में छापेमारी की और वहां से एलपीजी सिलेंडर बरामद की।

ओरमांझी के प्रखंड विकास पदाधिकारी के नेतृत्व में एक गुप्त सूचना के आधार पर हुई इस कार्रवाई के दौरान "दिल्ली दरबार" नामक बिरयानी दुकान से कुल नौ व्यवसायिक गैस सिलेंडर बरामद किए गए। इनका कुल वजन लगभग 19.02 किलोग्राम था, जिनमें एचपी और इंडेन के सिलेंडर शामिल हैं। जांच में पाया गया कि कुछ सिलेंडर सील थे, जबकि कुछ का उपयोग अवैध रिफिलिंग के लिए किया जा रहा था। दुकान संचालक से पूछताछ में खुलासा हुआ कि सिलेंडर एक बिचौलिए के माध्यम से कार से सप्लाई किए जाते थे। यह बिचौलिया अवैध रूप से सिलेंडरों की रिफिलिंग कर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचता था और मुनाफे में हिस्सेदारी भी तय थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम ने गिरफ्तार व्यक्ति की निशानदेही पर ओरमांझी थाना क्षेत्र में आरोपित के घर पर भी छापेमारी की।

इस दौरान एक 19.02 किलोग्राम क्षमता का एचपी गैस सिलेंडर बरामद किया गया, जिसमें करीब 10 किलोग्राम गैस भरी हुई थी और उस पर रिफिलिंग नोजल लगा हुआ था। साथ ही एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू भी जब्त किया गया, जिससे इस अवैध कारोबार के व्यवस्थित तरीके से संचालित होने की पुष्टि हुई। हालांकि मुख्य आरोपित छापेमारी के दौरान फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां 'आपूर्ति और वितरण विनियमन आदेश, 2000' (रेगुलेशन ऑफ सप्लाई एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर-2000) और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती हैं। इस संबंध में ओरमांझी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि जिले में किसी भी प्रकार की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन लगातार ऐसी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है और सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर से जुड़ी अवैध गतिविधियां न केवल कानून अपराध हैं, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करती हैं। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं इस तरह की गतिविधियों की जानकारी मिले तो तुरंत प्रशासन या नजदीकी थाने को सूचित करें।

रांची में मुक्ति संस्था ने 24 शवों का किया अंतिम संस्कार

रांची: रांची में मानवता की मिसाल पेश करते हुए मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 24 अज्ञात शवों का पूरे विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्यों ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की शव गृह से शवों को सुरक्षित तरीके से निकालकर उन्हें जुमार नदी तट तक पहुंचाया, जहां धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान मुक्ति संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने सभी अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी। उन्होंने बताया कि संस्था अब तक कुल 2153 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार कर चुकी है। यह कार्य समाज के प्रति संस्था की गहरी संवेदनशीलता और सेवा भावना को दर्शाता है। अंतिम संस्कार के बाद परमजीत सिंह टिंकू द्वारा अरदास की गई। पूरे आयोजन में संस्था के सदस्यों ने मिलकर सक्रिय भूमिका निभाई और इस पुनीत कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस अवसर पर प्रवीण लोहिया, रवि अग्रवाल, संजय गोयल, राहुल जायसवाल, विजय धानुका, सौरभ बथवाल, पंकज खिरवाल, निर्मल मोदी, सुमित अग्रवाल, वीरेंद्र गुप्ता, आदित्य शर्मा, आशीष भाटिया, गौरीशंकर शर्मा, राहुल चौधरी, अरुण कुतरियार, संजय सिंह, नवीन मित्तल, उज्ज्वल जैन, राजा गोयनका, अमित अग्रवाल, गोपाल गाड़ोदिया, हरीश नागपाल, आर के गांधी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

फ्री मेडिकल कैंप में हुई 55 मरीजों की जांच

संवाददाता रांची: शिव शक्ति मेडिसिन एवं छात्र क्लब चिकित्सक मंच के संयुक्त तत्वावधान में फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन पिस्कामोड़ स्थित रंगोली होटल में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता शिव शक्ति मेडिसिन के डॉयरेक्टर सुमित कुमार ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिवसेना क्लब दुर्गा पूजा समिति लक्ष्मी नगर के मुख्य संरक्षक उदय प्रताप उर्फ मुन्ना जी,विशिष्ट अतिथि छात्र क्लब चिकित्सक मंच(यूनिट, छात्र क्लब ग्रुप)के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,शिव शक्ति मेडिसिन के डायरेक्टर सुमित कुमार एवं डॉक्टरों ने संयुक्तरूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में डॉ.राखी झा (एम.बी.बी.एस.,डी.ओ.आर. एल.नागपुर)नाक,कान एवं गला रोग एवं हेड एड नेक सर्जन एवं डॉ. विजय के. (एम.बी.बी.एस,एम. एस.आर्थोपेडिक्स पुणे,हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ ने संयुक्त रूप से 55 मरीजों की निःशुल्क जांचकर उन्हें निःशुल्क दवा दिए साथ ही खान-पान,रहन-सहन की परामर्श भी दिए। मौके पर मुख्य अतिथि उदय प्रताप उर्फ मुन्ना ने इस पुनीत कार्य के लिए संस्था को बधाई एवं मरीज के जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए कामना किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से सिस्टर काजल कुमारी, रानी बड़ाईक, कृष्ण कुमार साहू, संजय दास, सोनू गुप्ता, अभिषेक कुमार आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भाजपा 6 अप्रैल को मनाएगी अपना 47 वाँ स्थापना दिवस

संवाददाता रांची: भाजपा अपने 47 वें स्थापना दिवस को पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाएगी। स्थापना दिवस कार्यक्रम के संयोजक सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 6 अप्रैल को पार्टी के लाखों कार्यकर्ता,समर्थक अपने अपने घरों में पार्टी का ध्वज लगाएंगे। बताया कि इसके लिए पार्टी की ओर प्रदेश एवं जिला मुख्यालयों में पार्टी की विचारधारा,इतिहास,विकास, पिछले लगभग 12 वर्षों से मोदी सरकार द्वारा पार्टी की नीतियों, विचारों के अनुरूप जनसेवा में किए गए कार्य, विभिन्न भाजपा शासित प्रदेशों में सरकारों के द्वारा किए गए लोक कल्याणकारी कार्यों, उपलब्धियों की चर्चा होगी। बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहु, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित प्रदेश पदाधिकारी गण, प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। बताया कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में देश के करोड़ो कार्यताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समिति का गठन

रांची: जिले के निजी स्कूलों में फीस के अलावा अन्य मदों में अतिरिक्त शुल्क वसूली को लेकर अभिभावकों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है. री-एडमिशन के नाम पर अलग-अलग मद से पैसे लिए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं. जिससे अभिभावकों में नाराजगी है. कई अभिभावकों ने इस मामले को लेकर प्रशासन से शिकायत भी की है. लेकिन अब तक ठोस निष्पादन नहीं हो पाया है.

स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया था, ताकि निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाई जा सके और अभिभावकों को राहत मिल सके. हालांकि अब तक यह कमेटी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाई है. जिससे निजी स्कूलों की कार्यप्रणाली में खास बदलाव नहीं दिख रहा है. जिससे अभिभावकों की चिंता और बढ़ गई है.

नामांकन की प्रक्रिया शुरू: स्कूलों में नए सत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. इसी दौरान अभिभावकों से शिकायत मिल रही है कि बच्चों को किताबें खरीदने के लिए स्कूलों द्वारा कुछ चुनिंदा दुकानों की सूची थमाई जा रही है. इससे अभिभावकों को मनचाहे विकल्प नहीं मिल पा रहे और उन्हें निर्धारित दुकानों से ही सामग्री खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है. जिससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है.

सोमवार को होगी समिति की बैठक- डीसी: अभिभावकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा है कि इस मुद्दे पर जल्द ही निजी स्कूलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाएगी. उन्होंने बताया कि सोमवार को पहले समिति के सदस्यों के साथ बैठक होगी, जिसमें अब तक मिली सभी शिकायतों की समीक्षा की जाएगी. इसके बाद स्कूल प्रबंधन के साथ चर्चा कर समाधान निकालने की दिशा में कदम उठाया जाएगा.

प्रशासन का कहना है कि अभिभावकों के हितों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. हालांकि, फिलहाल अभिभावक इस इंतजार में हैं कि प्रशासन की यह पहल कब जमीनी स्तर पर असर दिखाएगी. साथ ही निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम लग पाएगी.

श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद का हुआ आयोजन

रांची: डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में 260वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद आयोजित किया गया।

इस अवसर पर श्री राधा रानी का दिव्य एवं आकर्षक आभूषणों से अलौकिक श्रृंगार किया गया। दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे ने विधिवत भोग अर्पित किया। महाप्रसाद में मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, आलू चिप्स और गुलाब का शरबत शामिल रहा, जिसका वितरण 2 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के बीच किया गया। भजन संध्या में भजन गायक मनीष सोनी ने सुमधुर भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्री राधा-कृष्ण के जयकारों से परिसर गूंज उठा और सामूहिक महाआरती संपन्न हुई। ट्रस्ट प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि प्रतिदिन दोपहर 12 से 2 बजे तक महाप्रसाद वितरण होता है, जिसमें 400 से अधिक श्रद्धालु भाग लेते हैं।

रिम्स में एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला का बिना जांच ऑपरेशन

रांची : राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है. जानकारी के अनुसार प्रसव के लिए पहुंची एक महिला का बिना समुचित जांच के ऑपरेशन कर दिया गया. बाद में जानकारी मिली कि महिला पिछले तीन साल से एचआईवी संक्रमित है. जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला प्रसव पीड़ा होने पर रिम्स पहुंची थी. उसने डॉक्टरों को सितंबर 2025 में सदर अस्पताल से मिली नॉन-रिएक्टिव रिपोर्ट दिखाई. इसी आधार पर उसे तुरंत ऑपरेशन थियेटर में ले जाकर प्रसव कराया गया.

बताया जा रहा है कि रिम्स में भर्ती होने के बाद महिला की दोबारा एचआईवी जांच नहीं कराई गई और न ही आवश्यक सावधानियां बरती गई. ऑपरेशन के बाद जब डॉक्टरों ने विस्तृत जानकारी ली तो सामने आया कि महिला और उसका पति पिछले तीन साल से एआरटी सेंटर से इलाज करा रहे हैं.

इस घटना के दौरान ऑपरेशन थियेटर में मौजूद दो जूनियर डॉक्टर भी उसी सुई के संपर्क में आ गए. इससे उनमें संक्रमण का खतरा बढ़ गया है. घटना के बाद दोनों डॉक्टरों में डर का माहौल है और उन्होंने इसकी जानकारी अपने सीनियर अधिकारियों को दे दी है.

फिलहाल दोनों डॉक्टरों की जांच की जा रही है. रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि संक्रमण का कोई खतरा है या नहीं. वहीं इस पूरे मामले ने रिम्स की कार्यप्रणाली और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

जानकारी छिपाने पर दंपति के खिलाफ होगी कार्रवाई

एचआईवी पॉजिटिव मरीज को निगेटिव मानकर ऑपरेशन किए जाने से जुड़े मामले मीडिया में प्रकाशित होने के बाद रिम्स प्रबंधन ने अपना पक्ष रखा है. संस्थान ने कहा है कि कुछ रिपोर्ट्स में घटना को एकतरफा तरीके से प्रस्तुत किया गया है. रिम्स के अनुसार संबंधित मरीज प्रसव पूर्व देखभाल के लिए सदर अस्पताल रांची में इलाज करा रही थी और अंतिम समय में उसे रिम्स रेफर किया गया था. मरीज के पास सदर अस्पताल से जारी एक निगेटिव रिपोर्ट थी, जिसके आधार पर सर्जरी की गई. प्रबंधन ने बताया कि पति और पत्नी दोनों एचआईवी पॉजिटिव हैं और पिछले तीन वर्षों से इलाज ले रहे थे, लेकिन उन्होंने यह महत्वपूर्ण जानकारी जानबूझकर छिपाई. रिम्स ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि इस कारण कई स्वास्थ्यकर्मियों और अन्य मरीजों की जान जोखिम में पड़ी. संस्थान ने कहा कि दंपति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई जाएगी. हालांकि रिम्स ने यह भी स्पष्ट किया कि स्वास्थ्यकर्मियों के HIV संक्रमित मरीज के संपर्क में आने से संक्रमण की संभावना मात्र 0.3 प्रतिशत होती है. इसके बावजूद एहतियात के तौर पर मामले से जुड़े सभी स्वास्थ्यकर्मियों का उपचार शुरू कर दिया गया है. मरीज की वर्तमान स्थिति की पुष्टि के लिए उसका वायरल लोड परीक्षण भी कराया जा रहा है. रिम्स प्रबंधन ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग से उच्च स्तरीय समिति गठित करने का अनुरोध किया है. संस्थान ने कहा कि वह अपने सभी मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे.

रांची में सब जूनियर महिला हॉकी का रोमांच, पांचवें दिन खेल गए छह मुकाबले

रांची: मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में 1 से 12 अप्रैल 2026 तक आयोजित 16वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में मुकाबले लगातार रोमांचक होते जा रहे हैं. हॉकी इंडिया, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार और हॉकी झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में चल रही इस प्रतियोगिता के पांचवें दिन कुल 6 मैच खेले गए. इसमें A डिविजन के 4 और B डिविजन के 2 मुकाबले शामिल हैं. जहां कई टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की.

झारखंड का पहला मुकाबला महाराष्ट्र के साथ

टूर्नामेंट अब और दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है, क्योंकि सोमवार से मेजबान झारखंड टीम भी मैदान में उतरने जा रही है. झारखंड का पहला मुकाबला महाराष्ट्र के साथ 4:30 बजे खेला जाएगा, जिस पर सभी की नजरें टिकी होंगी. **टीम झारखंड इस प्रकार है:** झारखंड टीम में खिल्ली कुमारी, प्रीति बारला, रेजिना कुल्लू, सुगन सांगा, नीलम टोप्पो, प्रीति बिलुंग, स्वीटी आईंद, पुष्पा मांझी, निपुणता डुंगडुंग, अंकिता लकड़ा, अलमा भेंगरा, मरियम भेंगरा, संदीपा कुमारी, सानिया तिर्की, रिया मिंज, सेवानी केरकेट्टा, श्रुति कुमारी और सुष्मिता गुड़िया शामिल हैं. अब देखना होगा कि मेजबान टीम अपने पहले मैच में कैसा प्रदर्शन करती है.

उत्तराखंड ने गुजरात को हराया: सबसे पहले बात B डिविजन की करें तो दिन की शुरुआत उत्तराखंड और गुजरात के मुकाबले से हुई. इस मैच में उत्तराखंड ने पूरी तरह दबदबा बनाते हुए गुजरात को 9-2 से करारी शिकस्त दी. उत्तराखंड की ओर से मीनाक्षी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 5 गोल दागे, जबकि करीना ने 2 गोल किए. दिव्यानी जोशी और रिया ने भी 1-1 गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया. वहीं गुजरात की ओर से धीवाला कृष्ण और नियति परमार ने 1-1 गोल किए, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सकीं.

असम ने बंगाल को 3-2 से हराकर जीत दर्ज की: दूसरा मुकाबला असम और बंगाल के बीच खेला गया, जो काफी रोमांचक रहा. असम ने इस करीबी मुकाबले में बंगाल को 3-2 से हराया. असम की ओर से ज्योत्सना एक्का ने 2 गोल किए, जबकि तनु यादव ने 1 गोल दागा. वहीं पश्चिम बंगाल की क्वासिस खातून ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 गोल किए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाई.

उत्तर प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 5-1 से हराया: A डिविजन के मुकाबलों की शुरुआत भी जोरदार अंदाज में हुई. तीसरे मैच में उत्तर प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 5-1 से हराया. यूपी की ओर से राशि सिंह और आरिका कुमारी ने 2-2 गोल किए, जबकि ममता कुमारी ने 1 गोल किया. छत्तीसगढ़ की ओर से रिया खलखो ने एकमात्र गोल किया.

मध्य प्रदेश ने मणिपुर को 6-3 की शिकस्त: चौथे मैच में मध्य प्रदेश ने मणिपुर को 6-3 से हराकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया. एमपी की ओर से नौशीन नाज ने शानदार हैट्रिक लगाई और 3 गोल किए. भाविका ने 2 और जागृति कुमारी ने 1 गोल किया. मणिपुर की ओर से सेराम चानू ने 2 और खरीबम शखेंबी चानू ने 1 गोल किया.

पंजाब ने आंध्र प्रदेश को 2-0 से हराया: 5वें मुकाबले में पंजाब ने आंध्र प्रदेश को 2-0 से हराया. पंजाब की ओर से रशमीन कौर और जरमप्रीत कौर ने 1-1 गोल कर टीम को जीत दिलाई. दिन के आखिरी मुकाबले में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी बिहार को 3-0 से पराजित किया. महाराष्ट्र की ओर से अन्वी रावत ने 2 गोल और पूर्वा दुपरे ने 1 गोल किया.

तप बुरे स्वादों व अशुद्धियों को काटकर हमें ब्रह्म के अनन्त लोक की ओर ले जाने को प्रेरित करता है, तप कैसे की जाये, यह बालक ध्रुव से सीखें : ब्रह्मचारी सच्चिदानन्द

रांची: तप बुरे स्वादों और अशुद्धियों को काटकर साधक को ब्रह्म के अनन्त लोक की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है। तप कैसे किया जाए, यह बालक ध्रुव के जीवन से सीखना चाहिए, यह विचार ब्रह्मचारी सच्चिदानन्द ने योगदा सत्संग आश्रम के श्रवणालय में आयोजित रविवारीय सत्संग में व्यक्त किए।

ध्यान में स्थिरता अनिवार्य बताते हुए उन्होंने कहा कि ध्यान के समय गति या अनावश्यक मूवमेंट साधना को बाधित करता है। योगदा सत्संग में पतंजलि के योगसूत्रों पर आधारित योग की शिक्षा दी जाती है, जिसमें समाधि, साधना, विभूति और कैवल्य—इन चार अध्यायों के माध्यम से चित्तवृत्तियों के नियंत्रण से लेकर मोक्ष तक का मार्ग बताया गया है।

अष्टांग योग और तप का महत्व समझाते हुए उन्होंने कहा कि यम-नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के अनुशीलन से ज्ञान की प्राप्ति होती है। नियमों में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान का विशेष स्थान है। तप पर विस्तार से बोलते हुए उन्होंने बालक ध्रुव की कथा सुनाई और बताया कि किस प्रकार ध्रुव ने कठोर तप से भगवान नारायण को प्राप्त किया।

कथा के प्रसंग में उन्होंने माता सुनीति के उपदेशों, नारद मुनि के मार्गदर्शन और ध्रुव की अडिग एकाग्रता का उल्लेख किया। साथ ही परमहंस योगानन्द के बाल्यकाल के प्रसंग साझा करते हुए कहा कि ईश्वर-प्राप्ति की तीव्र ललक बाल्यावस्था से ही साधना को दिशा देती है।

संदेश देते हुए ब्रह्मचारी सच्चिदानन्द ने कहा कि श्रद्धा से किया गया तप सात्विक, दिखावे का तप राजसी और हानि की भावना से किया गया तप तामसी होता है। तप आत्मानुशासन सिखाता है, इंद्रियों पर नियंत्रण देता है और समभाव में रहना सिखाता है। सात्विक भोजन, निरंतर नाम-जप और बिना विचलित हुए कष्ट सहन करना भी तप का ही रूप है।

संक्षिप्त खबरें...

ऑटो खड़ा करने को लेकर विवाद, मांडर में दो गुटों के बीच मारपीट; दोनों पक्षों ने कराया मामला दर्ज

मांडरः मांडर थाना क्षेत्र में मारपीट का एक मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार घटना बीते दिन चान्हो थाना क्षेत्र के हुटाप में लगने वाले साप्ताहिक हाट की है, जहां ऑटो खड़ा करने को लेकर दो गुटों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि सड़क जाम कर हंगामा किया गया और देखते ही देखते मामला आपसी झड़प में बदल गया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। प्रथम पक्ष की ओर से रातू थाना क्षेत्र निवासी बसंत साहू ने आरोप लगाया है कि चान्हो थाना क्षेत्र के मो. इमरोज अंसारी एवं उनके साथियों ने उनके साथ मारपीट की। वहीं, दूसरे पक्ष का कहना है कि मांडर थाना क्षेत्र के ब्राम्बे में लगने वाले साप्ताहिक हाट में चान्हो क्षेत्र के चटवल निवासी मो. इमरोज अंसारी के साथ बसंत साहू और उनके साथियों ने मारपीट की। इस सम्बन्ध में कुल 25 लोगो पर याचिका दर्ज कराई गई है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट और छिनतई का मामला मांडर थाने में दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चौपारण में शिक्षकों की बड़ी बैठक, शिक्षक संघर्ष मोर्चा को मिला नया नेतृत्व

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): प्रखंड संसाधन केंद्र के समक्ष स्थित पुराने ब्लॉक परिसर में रविवार को झारखंड राज्य आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और शिक्षकों की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में बड़ी संख्या में सहायक अध्यापकों की भागीदारी ने उनकी एकजुटता को स्पष्ट रूप से दर्शाया। बैठक की अध्यक्षता कैलाश साव एवं संचालन सत्यनारायण पांडेय ने किया। इस दौरान शिक्षकों ने अपने अधिकार, सेवा शर्तों और विभिन्न समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा करते हुए एकजुट होकर संघर्ष करने की आवश्यकता बताई। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती ही शिक्षकों के हितों की रक्षा का सबसे बड़ा माध्यम है। बैठक के दौरान प्रखंड स्तरीय कमिटी का गठन भी किया गया, जिसे संगठन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सर्वसम्मति से दिनेश कुमार यादव को प्रखंड अध्यक्ष, अभिषेक कुमार सिन्हा को सचिव तथा मनोज कुमार बारा को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवगठित कमिटी को उपस्थित शिक्षकों ने समर्थन देते हुए संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय करने का भरोसा जताया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश कुमार यादव ने कहा कि शिक्षकों के हितों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी साथियों को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने और जरूरत पड़ने पर आंदोलन की राह अपनाने की भी बात कही। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक संगठन को और सशक्त बनाया जाएगा। बैठक में सरयू राणा, गुलाब कृष्णा विश्वकर्मा, उदित प्रसाद, विनोद कुमार दांगी, संतोष सिंह, जय मंगल सिंह सहित सैकड़ों सहायक अध्यापक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में संगठन को मजबूत करने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया।

हाईवा दुर्घटना में मृतक चंदन के परिजनों को मिला 10 लाख का चेक और 2 लाख नगद

मुआवजा राशि अंचल अधिकारी गौरव कुमार द्वारा परिजनों को सौंपी गई

कोयलांचल संवाद संवाददाता, सिमरिया (चतरा): मूर्वे स्टेडियम के समीप झाझरिया कंस्ट्रक्शन द्वारा रेलवे में मिट्टी उठाव का कार्य कर रहे कंपनी द्वारा तय शुदा समझौता के तहत अंचलाधिकारी गौरव कुमार राय द्वारा टंडवा थाना क्षेत्र के लेम्बुआ पदमपुर गांव निवासी मृतक चंदन और घायल नेहा के परिजनों को 10 लाख का चेक और 2 लाख का नगद मुआवजा राशि का भुगतान किया गया। जिसमें दस लाख मृतक चंदन और दो लाख इलाज के लिए नेहा को झाझरिया कंपनी द्वारा समझौते के तहत दिया गया। विदित हो कि मूर्वे स्टेडियम के पास तेज रफ्तार हाईवा वाहन ने बाइक सवार युवक चंदन को कुचल दिया था। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं हादसे में एक युवती नेहा गंभीर रूप से घायल हो गई थी। स्थानीय समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने झाझरिया कंपनी के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए मुआवजे की मांग किया था। जहां अंचलाधिकारी गौरव कुमार के नेतृत्व में दोनों तरफ से समझौता किया गया था।और सड़क जाम को बहाल कर दिया गया था। जिसकी भुगतान परिजनों कर दिया गया है। अंचलाधिकारी गौरव कुमार राय ने बताया कि हम जनता तथा ग्रामीणों के लिए सेवक हूं जहां परेशानी क्षेत्रवासियों को होगा वहां लॉ इन ऑडर को देखते हुए कार्य किया जाता है। साथ ही मैं मृतक परिजनों का साथ था और रहूंगा। आगे परिजनों को अंचलाधिकारी ने कहा कि हर संभव किसी भी मामले में मेरी जरूरत हो तो बेहिचक मेरे पास आवें।हर संभव पीड़ित परिवार की मदद किया जाएगा।

भाजपा स्थापना दिवस को लेकर झरिया में तैयारियाँ तेज, विधायक रागिनी सिंह ने मंडल अध्यक्षों को सौंपा पार्टी ध्वज

धनबादः झरिया,आगामी 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर झरिया विधानसभा क्षेत्र में तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में रविवार को झरिया विधानसभा स्थित बिहार बिल्डिंग कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर झरिया की विधायक रागिनी सिंह द्वारा सभी मंडल अध्यक्षों को पार्टी का पवित्र ध्वज प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह ने मंडल अध्यक्षों से आग्रह किया कि वे स्थापना दिवस के दिन अपने-अपने क्षेत्रों में घरों की छतों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर पार्टी का ध्वज फहराकर इस गौरवशाली दिवस को उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि यह दिन पार्टी के सिद्धांतों, विचारधारा एवं राष्ट्र सेवा के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से राष्ट्रहित, जनसेवा एवं विकास के प्रति समर्पित रही है। स्थापना दिवस के अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों को आम जनता तक पहुँचाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं ने स्थापना दिवस को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया तथा अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का झरिया नगर में हुआ भव्य शुभारंभ

झरियाः धनबाद,पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत झरिया नगर प्रशिक्षण अभियान का शुभारंभ झरिया विधायक , रागिनी सिंह के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने कहा कि जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक का इतिहास राष्ट्रवाद से जुड़ा रहा है। इसी विचारधारा और कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम के कारण आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी और लोकप्रिय पार्टी बनी है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के पीछे असंख्य कार्यकर्ताओं का अमूल्य योगदान रहा है, जिसे सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रशिक्षण अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों, विचारधारा एवं कार्यप्रणाली की जानकारी मिलेगी, जिससे पार्टी की लोकप्रियता निरंतर बढ़ती रहे।

एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में आरएमएस हाई स्कूल मनाया सिल्वर जुबली दिवस समारोह

जमशेदपुर। शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शुमार आरएमएस हाई स्कूल , खुंटाडीह (सोनारी) ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने सफल 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को 'सिल्वर जुबली समारोह' के रूप में एक भव्य कार्यक्रम के जरिए मनाया गया। इस शानदार कार्यक्रम का आयोजन रविवार को शहर के जाने-माने एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में किया गया। इस गौरवमयी पल के साक्षी बनने के लिए स्कूल के वर्तमान छात्रों के साथ-साथ पूर्व छात्र, उनके अभिभावक, शहर के कई शिक्षाविद् और गणमान्य लोग भारी संख्या में उपस्थित हुए। ऑडिटोरियम में खचाखच भरी भीड़ और उत्साह ने इस आयोजन को जमशेदपुर के लिए एक यादगार दिन बना दिया। समारोह की शुरुआत बेहद शानदार तरीके से हुई। राजस्थान मैत्री संघ के अध्यक्ष संजय केडिया और विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. परिणीता शुक्ला ने संयुक्त रूप से अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड की पूर्व प्रमुख डॉ. सुनीता मुखर्जी और विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव व पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरभ तिवारी ने शिरकत की। वहीं

प्रधानाचार्या डॉ. परिणीता शुक्ला ने विद्यालय के 25 वर्षों के संघर्ष और सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि एक समय यह केवल एक छोटा सा हिंदी माध्यम विद्यालय था, जो सिर्फ कक्षा 5 तक चलता था और इसमें मात्र 37 विद्यार्थी थे। लेकिन आज अपनी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रबंधन के दम पर यह संस्थान सीबीएसई से संबद्ध 10+2 अंग्रेजी माध्यम का एक विशाल और आधुनिक विद्यालय बन चुका है। वर्तमान में यहाँ 1394 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। गौरतलब है कि स्कूल को वर्ष 2016 में कक्षा 10वीं के लिए सीबीएसई की मान्यता मिली थी। आज यहाँ के छात्र सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि खेल-कूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी अपना परचम लहरा रहे हैं। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों की कार्यकुशलता की जमकर सराहना की। पूर्व क्रिकेटर सौरभ तिवारी और डॉ. सुनीता मुखर्जी ने छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि "आज के यही छात्र कल के हिंदुस्तान के कर्णधार साबित होंगे। इन्हीं युवा हाथों में भारत का भविष्य सुरक्षित है।" वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सर्वांगीण विकास में आरएमएस (RMS) का योगदान समाज के लिए बेहद सराहनीय और प्रेरणादायक है।

इस भव्य समारोह को सफल बनाने में राजस्थान मैत्री संघ का पूरा सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा भव्य एवं बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया , जिसमें नृत्य, संगीत एवं वाद्य यंत्रों का आकर्षक समावेश रहा। स्कूल प्रबंधन द्वारा सभी कलाकारों का हौसला अफजाई की गई । कार्यक्रम में मुख्य रूप से संघ के अध्यक्ष संजय केडिया के अलावा उपाध्यक्ष मनीष जैन और कुमुद अग्रवाल, सचिव सुशील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संजीव बधान, सहायक सचिव वंदना जैन और चंदन काउंटिया मौजूद रहे। इसके साथ ही ट्रस्टीगण रमेश अग्रवाल, एम पी अग्रवाल, एस एस गाड़िया, दीपक डोकानिया और एकेडमिक डेवलपमेंट काउंसिल के सदस्य विजय तुलस्यान, दीपाली डोकानिया और बबीता केडिया आदि ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर स्कूल के विकास में योगदान देने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राहुल दुबे गिरोह के 7 सदस्य गिरफ्तार, हथियार व कार जब्त

रामगढ़ः जिले में लेवी व फायरिंग की घटनाओं से दहशत फैला रहे कुख्यात राहुल दुबे गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. विशेष अभियान चलाकर पुलिस ने गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से 2 पिस्टल, 4 जिंदा कारतूस, एक i20 कार, लैपटॉप और 7 एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए गए हैं.

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह रामगढ़ के विभिन्न इलाकों में लेवी वसूली के लिए लगातार आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहा था. बीते एक सप्ताह के भीतर पतरातू क्षेत्र में दो बड़ी घटनाएं सामने आई थीं. करीब पांच दिन पहले एमजीसीपीएल कंपनी में लेवी के लिए फायरिंग की गई थी, जिसमें ड्यूटी पर तैनात एक सुरक्षा गार्ड घायल हो गया था.

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अजय कुमार के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया.

पतरातू एसडीपीओ कुमार गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में पुलिस ने पतरातू, भुरकुंडा, भदानीनगर और बरकाकाना क्षेत्रों में लगातार छापेमारी अभियान चलाया.

सटीक सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में गिरोह के 7 अपराधियों को दबोच लिया गया. पुलिस इसे बड़ी कामयाबी मान रही है, जिससे इलाके में अपराध पर अंकुश लगने की उम्मीद है.

एसपी अजय कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है. गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की तैयारी में जुटी है.

चौपारण में एचपी गैस वितरण, सुबह से उमड़ी उपभोक्ताओं की भीड़

प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी के देखरेख मे किया जा रहा है गैस का वितरण

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी के निर्देशानुसार चौपारण में गैस वितरण को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में प्रखंड के एमओ विक्रम पाण्डेय सुबह से ही सक्रिय नजर आए और आम उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से गैस उपलब्ध कराने में जुटे रहे। जानकारी के अनुसार, एचपी गैस एजेंसी द्वारा 31 मार्च 2026 से 1 अप्रैल 2026 तक जिन उपभोक्ताओं ने गैस बुकिंग कराई थी, उन्हें निर्धारित तिथि पर गैस सिलेंडर का वितरण किया जा रहा है। वितरण केंद्र पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतार देखने को मिली, जहां लोग अपने-अपने नंबर के अनुसार सिलेंडर प्राप्त करने के लिए पहुंचे थे। भीड़ के बावजूद व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन एवं संबंधित कर्मियों द्वारा निगरानी रखी जा रही है। एमओ विक्रम पाण्डेय स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर वितरण कार्य की मॉनिटरिंग करते दिखे, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके। हालांकि भीड़ अधिक होने के कारण कुछ लोगों को इंतजार करना पड़ा, लेकिन प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों से वितरण कार्य सुचारू रूप से चलता रहा। उपभोक्ताओं ने भी व्यवस्था

को लेकर संतोष जताया और उम्मीद जताई कि आगे भी इसी तरह समय पर गैस उपलब्ध होती रहेगी।

गौतम बस के मालिक पिंटू सिंह ने की आत्महत्या, कर्ज, कारोबार और रहस्यमयी मौत जांच में जुटी पुलिस

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः सदर थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब गौतम बस के मालिक 45 वर्षीय पिंटू सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं क्या यह आर्थिक दबाव में उठाया गया आत्मघाती कदम है या फिर इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है।

पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मपुर गांव निवासी लखन सिंह के पुत्र पिंटू सिंह ने हाल ही में एक साथ करीब डेढ़ दर्जन सवारी बसों को फाइनेंस पर खरीदा था। बताया जाता है कि सरकार की ओर से रोड परमिट नहीं मिलने के कारण उनका व्यवसाय शुरू नहीं हो पा रहा था। बसें खड़ी रहीं, किस्तें बढ़ती गईं और कर्ज का बोझ दिन-ब-दिन गहराता गया।

करीबी लोगों का कहना है कि परमिट नहीं मिलने और बढ़ते वित्तीय दबाव के कारण वे काफी तनाव में रहने लगे थे। परिवार और परिचितों के अनुसार वे पिछले कुछ दिनों से बेहद चिंतित दिखाई दे रहे थे।

उनकी अचानक हुई मौत ने पूरे बस व्यवसाय से जुड़े लोगों को स्तब्ध कर दिया है।

परिवहन व्यवसायियों में शोक की लहर है और हर कोई यही सवाल कर रहा है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि एक उभरते व्यवसायी को इस अंजाम तक पहुंचना पड़ा।

फिलहाल सदर थाना पुलिस मामले को आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं से जांच रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। सच क्या है

यह तो जांच के बाद ही सामने आएगा, लेकिन एक बात साफ है कि इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

नामदा बस्ती गुरुद्वारा में सिविल डिफेंस द्वारा प्राथमिक चिकित्सा एवं अग्निशमन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जमशेदपुर । नामदा बस्ती स्थित गुरुद्वारा परिसर में आज दिनांक 05 अप्रैल 2026 को गुरुद्वारा प्रबंधक समिति एवं सिविल डिफेंस के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय निवासियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा (First Aid) एवं अग्निशमन (Fire Fighting) पर एक व्यापक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश प्रमुखता से दिया गया कि—

"समय पर दी गई सही मदद किसी की जान बचा सकती है"। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए उपस्थित लोगों को यह सिखाया गया कि आपातकाल की स्थिति में स्वयं को और दूसरों को किस प्रकार सुरक्षित रखा जा सकता है। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान दलजीत सिंह, प्रधान श्रीमती बलविंदर कौर, सेंट्रल कमिटी की प्रधान श्रीमती

कमलजीत कौर, सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन अरुण कुमार तथा सिविल डिफेंस के प्रधान सहायक सुरेश प्रसाद द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान एन. बी. चटर्जी ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कटने, जलने एवं रक्तस्राव की स्थिति में तुरंत उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताया तथा यह समझाया कि डॉक्टर के पास ले जाने से पहले या डॉक्टर के आने तक घायल व्यक्ति को सुरक्षित अवस्था में कैसे रखा जाए।

इसके उपरांत जितेंद्र तिवारी ने अग्निशमन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आग लगने के कारणों, उसके प्रकारों एवं उसे नियंत्रित करने के उपायों के बारे में बताया। साथ ही विभिन्न प्रकार के फायर एक्सटिंग्विशर्स के सही उपयोग की जानकारी दी गई और लाइव डिमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से उपस्थित लोगों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने स्वयं आग बुझाने का अभ्यास किया, जिससे उनमें उत्साह एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ। इस अवसर पर प्रधान सहायक सुरेश प्रसाद ने सिविल डिफेंस की भूमिका, उसके कार्यों एवं समाज में उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला तथा लोगों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में सिविल डिफेंस के मास्टर ट्रेनर्स अरुण कुमार, के. के. सिन्हा, एन. बी. चटर्जी, जितेंद्र तिवारी एवं मजरुल बारी उपस्थित रहे। वहीं गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की ओर से श्रीमती बलविंदर कौर (प्रधान), श्रीमती कमलजीत कौर (सेंट्रल कमिटी प्रधान), श्रीमती जसबीर कौर, श्रीमती आशा कौर, श्रीमती जसपाल कौर, श्रीमती मनजीत कौर, श्रीमती बेबी कौर, श्रीमती गुरमीत कौर, श्रीमती बलजीत कौर, श्रीमती राज कौर, श्रीमती सोनी कौर, श्रीमती महेंद्र कौर, सिविल डिफेंस के वॉलंटियर्स इंद्रजीत, मधु, ममता, ताहिर, विवेक, स्मृति, गुड़िया, निशा सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में नामदा बस्ती के सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित लोगों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

डिज़्नीलैंड मेले में उमड़ी लोगो की अपार भीड़, उपाध्यक्ष सरिता देवी ने लिया जायजा

धनबादः जिला परिषद मैदान में इन दिनों चल रहे डिज़्नीलैंड मेले में रविवार को खास रौनक देखने को मिली। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष, सरिता देवी मेले में पहुंचीं और विभिन्न स्टॉल व झूलों का निरीक्षण किया। उनके आगमन पर मेला संचालक धर्मराज पांडेय और बप्पी दा ने बुके और अंगवस्त्र देकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मेले में इस बार खास तौर पर "लंदन सिटी" की थीम पर तैयार किया गया आकर्षक दृश्य लोगों के बीच चर्चा का केंद्र बना हुआ है। इस खूबसूरत सेटअप को देखने और फोटो खिंचवाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं, खासकर बच्चों और युवाओं में इसका खास उत्साह देखने को मिल रहा है। इस दौरान सरिता देवी ने मेले की व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से शहरवासियों को मनोरंजन के बेहतर साधन उपलब्ध होते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने परिवार के साथ मेले में आएं, मनोरंजन का आनंद लें और यहां लगे विभिन्न स्टॉल्स से खरीदारी भी करें। मेले में झूले, गेम्स, खान-पान के स्टॉल्स और शॉपिंग की कई वैरायटी मौजूद है, जो हर उम्र के लोगों को आकर्षित कर रही है। शाम होते ही मेले की रंगीन रोशनी और भीड़-भाड़ का माहौल इसे और भी जीवंत बना देता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के मेले से न सिर्फ मनोरंजन मिलता है, बल्कि छोटे व्यापारियों को भी अच्छा कारोबार करने का मौका भी मिलता है। आने वाले दिनों में मेले में और भी भीड़ बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ व चंडीगढ़ में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करनेवाले 11 खिलाड़ी सम्मानित

बोकारो : छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया राष्ट्रीय जनजातीय खेल एवं चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय रिले चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चंदनकियारी के खिलाड़ियों ने पूरे राज्य का नाम गौरवान्वित किया है.

इन 11 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को रविवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में चंदनकियारी के विधायक उमाकांत रजक और उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा पौधे, अंग वस्त्रम सहित पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. खिलाड़ियों के साथ जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, कोच आशु भाटिया व खेल मित्रों को भी सम्मानित किया गया.

विधायक उमाकांत रजक ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सफलता उनकी यात्रा का अंतिम उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नयी शुरुआत है. उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि सीमित संसाधनों के बावजूद मजबूत इच्छाशक्ति से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है.

अब अपने लक्ष्य को और ऊंचा रखें और देश के लिए खेलें. उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास बनाए रखने की सलाह दी. विधायक ने खिलाड़ियों को व्यावहारिक सुझाव देते हुए कहा कि वे बालू (रेत) में दौड़ लगाकर अभ्यास करें, जिससे उनकी ताकत, संतुलन और सहनशक्ति में वृद्धि होगी.

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरण और अन्य आवश्यक संसाधनों की हर संभव सुविधा प्रदान करेगा. उपायुक्त अजय नाथ झा ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को सीमित नहीं रखें, बल्कि आंधी की तरह आगे बढ़ें.

उन्होंने कहा कि आप सभी जिले की पहचान हैं. अब आपका लक्ष्य राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर होना चाहिए. बड़े खिलाड़ियों के खेल को देखें, उनसे सीखें और खुद को उस स्तर तक तैयार करें.

उपायुक्त ने कहा कि खेल में हार-जीत दोनों महत्वपूर्ण हैं. उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि असफलता से कभी टूटना नहीं चाहिए, भागीदारी ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही अनुभव आगे चलकर सफलता का आधार बनता है.

उपायुक्त ने कहा कि वे अपने प्रदर्शन को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रखें, बल्कि जिला-राज्य और देश का नाम रोशन करने के लक्ष्य के साथ खेलें. इन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं. जिसमें शिव कुमार सोरेन – 100 मीटर, 200 मीटर एवं 4×100 मीटर मिश्रित रिले में स्वर्ण पदक, नेहा खालखो 10,000 मीटर वॉक में स्वर्ण पदक, आशा किरण बरला 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक, अरश्नान अली 4×100 मीटर मिश्रित रिले में स्वर्ण एवं 4×100 मीटर में कांस्य पदक, दीपक टोप्पो 4×100 मीटर रिले में रजत पदक, अनामिका उरांव 200 मीटर में रजत पदक, जैकलिन खेस 4×400 मीटर रिले में कांस्य पदक शामिल है.

इस क्रम में जगदीश उरांव 10,000 मीटर वॉक (5वां स्थान), आरती मेहता एवं सपना कुमारी – 4×100 मीटर रिले (4था स्थान) एवं हीरा सांगा 5000 मीटर में 4था स्थान पाया.

इन खिलाड़ियों ने भले ही पदक न जीता हो, लेकिन अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से उन्होंने अपनी प्रतिभा और क्षमता का मजबूत परिचय दिया. मौके पर एनडीसी प्रभाष दत्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे.

संक्षिप्त खबरें...

किशनगंज में युवक का निर्वस्त्र शव बरामद

किशनगंज (बिहार). किशनगंज जिले में एक अज्ञात युवक की हत्या का मामला सामने आया है। सदर थाना क्षेत्र के खिरदह समदा गांव के पास एक मकई के खेत से युवक का निर्वस्त्र शव बरामद किया गया है। प्रथम दृष्टया गले को रेतकर हत्या करने के बाद शव को खेत में फेंका गया था। सूचना मिलते ही सदर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटनास्थल पर प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि युवक की हत्या कर उसके शव को मकई के खेत में छोड़ दिया गया। मृतक के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था और गले पर गहरा घाव था, जिससे हत्या की आशंका पुष्ट होती है। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष बताई जा रही है, और उसकी लंबाई करीब 5 फीट 6 इंच है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

साइबर अपराधी ने डीएसपी का सरकारी नंबर किया हैक

समस्तीपुर. समस्तीपुर में साइबर अपराधी आम लोगों के साथ ही पुलिस पदाधिकारी को भी अब अपना निशाना बनाने लगे हैं। ठगों ने दलसिंहसराय के डीएसपी विवेक कुमार शर्मा का सरकारी नंबर ही हैक कर लिया। इस नंबर के जरिए व्हाट्सएप पर मैसेज भेज कर लोगों से पैसे की मांग की जा रही है। डीएसपी की ओर से मांग जा रहे हैं पैसे की चर्चा इलाके में खूब होने लगी, तो पुलिस को यह जानकारी मिली। इस मामले को लेकर साइबर थाने में एक मामला दर्ज किया गया है और साइबर अपराधी की गिरफ्तारी को लेकर प्रयास तेज कर दिया गया है। साइबर अपराधी हैक किए गए नंबर से डीएसपी के परिचितों, स्थानीय व्यवसायियों और अन्य लोगों को मैसेज भेजकर खुद को अधिकारी बताकर इमरजेंसी का बहाना बना रहे हैं। ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने का दबाव बना रहे हैं। कुछ लोगों को क्यूआर कोड (स्कैनर) भी भेजा गया है, ताकि वे पैसे भेज सकें। हालांकि कई लोगों ने समझदारी दिखाते हुए पैसे भेजने से इनकार कर दिया और तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी।

डीएसपी बोले- प्रशासन तस्करों की पहचान कर रहा

भागलपुर. भागलपुर में 'सूखा नशा' यानी ब्राउन शुगर का प्रचलन देखने को मिल रहा है। JLMNCH के डॉक्टर अभिषेक झा ने बताया कि यह नशा अत्यंत खतरनाक है, क्योंकि इसके सेवन से मुंह से किसी प्रकार की दुर्गंध नहीं आती, जिससे युवा वर्ग इसे आसानी से छिपाकर अपनाने लगता है। लगातार एक सप्ताह तक इसका सेवन करने पर व्यक्ति इसका आदि हो जाता है। इसके बाद उसके व्यवहार और सोच में नकारात्मक बदलाव आने लगते हैं, और कई मामलों में वह चोरी, छिनतई जैसे अपराधों में भी लिप्त हो जाता है। इससे न केवल व्यक्ति का भविष्य बर्बाद होता है, बल्कि समाज की शांति और सुरक्षा पर भी खतरा मंडराने लगता है। सिटी डीएसपी अजय चौधरी ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए प्रशासन लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समस्या के दो पहलू हैं। सप्लाई और डिमांड। सप्लाई साइड पर प्रशासन नशा तस्करों की पहचान कर उनके नेटवर्क को खत्म करने की कार्रवाई कर रहा है।

इंगेजमेंट से पहले प्रेमी से बनाए संबंध, अस्पताल में भर्ती

पटना. पटना के अगमकुआं इलाके में एक युवती (22) इंगेजमेंट से पहले अपने बॉयफ्रेंड से मिलने पहुंची थी। बॉयफ्रेंड उसे अपने साथ लेकर एक जानने वाले के रूम पर गया। वहां युवती और उसके बॉयफ्रेंड ने शारीरिक संबंध बनाए। इसी दौरान प्राइवेट पार्ट से अधिक ब्लीडिंग होने लगी। दोनों डर गए, जिसके बाद बॉयफ्रेंड अपनी बाइक से उसे लेकर इलाज कराने चित्रगुप्त नगर इलाके के एक निजी नर्सिंग होम में पहुंचा। युवती के कंडीशन को देखते हुए नर्सिंग होम ने इसकी सूचना स्थानीय चित्रगुप्त नगर थाने की पुलिस को दे दी। इसके बाद मौके पर पहुंचकर पुलिस ने छानबीन शुरू की। युवती का बॉयफ्रेंड जिम ट्रेनर है। इसी जिम में युवती भी ट्रेनिंग लेने जाती थी। पुलिस सूत्रों की मानें तो 18 अप्रैल को इंगेजमेंट है। नवंबर महीने में युवती की शादी होने वाली है। लड़की के परिजन ने केस दर्ज कराने से साफ इनकार किया है। उनको डर है कि शादी न टूट जाए। युवती फिलहाल निजी नर्सिंग होम में एडमिट है। स्टेटमेंट में भी पुलिस के सामने उसने साफ कर दिया है कि उसे केस नहीं करना है। युवती का कहना है कि संबंध सहमति से बने थे। उधर, लड़की के परिजन ने भी पुलिस को कुछ भी ज्यादा डिटेलिंग देने और निजी मामला कहकर सब टाल दिया है। 13 दिन बाद ही दोनों की सगाई होने वाली थी। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया, युवती से इस संबंध में पूछताछ की गई तो उन्होंने अपने स्टेटमेंट में बताया की मर्जी से सब कुछ हुआ है। यह मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, इसलिए हम लोग पुलिस के स्टेटमेंट पर ही केस दर्ज कर रहे हैं। जिस व्यक्ति के साथ युवती संबंध बनाई थी, उसे नामजद आरोपी बनाया जा रहा है। इन्वेस्टिगेशन के दौरान जो भी चीज निकल कर आयेगी, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गयाजी में दोपहर 12:30 बजे के बाद नहीं चलेंगे स्कूल

गयाजी. गयाजी में भीषण गर्मी और लू के बढ़ते खतरे के आसार के बीच शिक्षा विभाग ने फैसला लिया है। अब गया समेत पूरे राज्य में सरकारी स्कूलों का समय बदल दिया गया है। 6 अप्रैल से सभी प्रारंभिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय सुबह 6:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होंगे। यह व्यवस्था 31 मई तक, यानी ग्रीष्मावकाश से पहले तक लागू रहेगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी कृष्ण मुरारी गुप्ता ने बताया कि नया टाइम टेबल लागू कर दिया गया है। सभी स्कूलों को सख्ती से पालन करने का निर्देश भी दिया गया है। इसके पीछे के मूल उद्देश्य बच्चों को तेज गर्मी से बचाना और पढ़ाई को भी प्रभावित नहीं होने देना है। नई समय-सारणी के तहत सुबह 6:30 बजे स्कूल खुलेगा। पहले आधे घंटे प्रार्थना और अन्य गतिविधियां होंगी। इसके बाद 7 बजे से क्लास शुरू हो जाएगी। कुल सात पीरियड चलेंगे। हर पीरियड 40 मिनट का होगा। दोपहर 12:20 बजे तक बच्चों की छुट्टी हो जाएगी। इसके बाद 10 मिनट तक शिक्षकों की समीक्षा बैठक होगी। मध्याह्न भोजन को लेकर भी विभाग ने लचीलापन दिया है। जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या ज्यादा है। वहां एक साथ भोजन कराना जरूरी नहीं है। ऐसे स्कूलों में दो चरणों में मिड-डे मील कराया जा सकेगा। आधे बच्चे मध्यांतर में खाना खाएंगे, जबकि बाकी को तीसरी या चौथी घंटी में भोजन मिलेगा। इस दौरान बाकी बच्चों की पढ़ाई जारी रहेगी।

सुपौल में ट्रैक्टर ने बच्ची को रौंदा, मौत

सुपौल. सुपौल में रोड एक्सीडेंट में शनिवार को 3.5 साल की बच्ची की मौत हो गई। मौत के बाद भी 20 घंटे तक उसका शव घर के बाहर पड़ा रहा। परिजन जहां पोस्टमार्टम कराने के पक्ष में थे, वहीं आरोप है कि ट्रैक्टर मालिक और उससे जुड़े लोग मामले को दबाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से रोक रहे थे और सामाजिक दबाव के साथ-साथ पैसों का लालच दे रहे थे। पुलिस के घर पर पहुंचने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। घटना किशनपुर थाना क्षेत्र के मौजहा वार्ड संख्या 7 की है। मृतका की पहचान स्थानीय निवासी शिव कुमार शर्मा की 3.5 साल की बेटी प्रिया कुमारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शनिवार की शाम करीब 4 बजे यह हादसा उस वक्त हुआ जब मासूम प्रिया अपने घर के पास स्थित हैंडपंप से पानी पीने जा रही थी। उसी दौरान कोसी नदी से अवैध बालू खनन कर लौट रहे एक ट्रैक्टर ने उसे रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

मोतिहारी के मदरसे में छापेमारी, हथियार मिल

मोतिहारी. मोतिहारी में एक मदरसे पर छापेमारी कर मौलवी समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। छापेमारी के दौरान मौके से एक पिस्टल और जिंदा कारतूस भी मिले हैं। घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम भी जांच कर रही है। मामला चकिया थाना स्थित गवंदरा इस्लामिया मदरसा का है। पुलिस हिरासत में लिए गए तीनों लोगों से पूछताछ की जा रही है। मोतिहारी एसपी ने कहा कि मामले को लेकर एसआईटी का गठन कर दिया है। मदरसा में कैमरे भी लगे हैं उन्हें खंगाला जा रहा है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हिरासत में लिए गए तीनों लोग मदरसा के केयर टेकर, मौलाना और सफाई कर्मी है।

बिहार में 4.42 लाख सिलेंडर की रोज जरूरत, पर सप्लाई सिर्फ 3.72 लाख

पटना. बिहार में रोज 4.42 लाख से ज्यादा सिलेंडर की डिमांड है। सप्लाई करीब 3.72 लाख की हो रही है। यानी रोज करीब 70 हजार लोग बिना सिलेंडर घर वापस लौट जा रहे हैं। पूरे बिहार की बात करें तो 15 लाख लोग वेटिंग में हैं। यह स्थिति तब है, जब शहर में 42 और गांव में 50 दिन बाद गैस सिलेंडर मिल रहा है। परिवार में अगर 5-6 लोग हों तो एक सिलेंडर एक महीना चलना मुश्किल है, ऐसे में बाकी दिन खाना कैसे बनेगा? इसका जवाब किसी के पास नहीं। गैस सिलेंडर के चलते लोग रात 9 बजे से ही लाइन में लग रहे हैं। दरभंगा में तो लाइन की जगह 500 रुपए में बेची जा रही है।

पटना में रसोई गैस सिलेंडर की 1.67 लाख की वेटिंग है। सुबह 4 बजे से ही एजेंसी के गोदाम पर लाइन लग रही है। गुरुवार को जिले में 28250 सिलेंडर आए, 24075 बांट दिए गए। बुधवार को बुकिंग 52,630 सिलेंडर के लिए हुई। सबसे अधिक परेशानी छात्रों और ऐसे लोगों को हो रही है जो छोटे सिलेंडर से खाना पका रहे थे। ब्लैक में गैस की कीमत 300 रुपए किलो तक पहुंच गई है। नया कनेक्शन नहीं दिया जा रहा। गैस नहीं मिलने से नाराज लोग सड़क जाम तक कर रहे हैं। फुलवारी में लोगों ने एम्स गोलंबर जाम कर हंगामा किया। वहीं, राजीव नगर स्थित उत्सव गैस एजेंसी पर भी हंगामा हुआ। लोग शहर की सभी 136 गैस एजेंसियों के कार्यालयों में सिलेंडर की बुकिंग कराने वाले डीएसी नंबर लेने के लिए चक्कर लगाते नजर आ रहे हैं। दरभंगा में दो स्थिति है। एक ओर जिला प्रशासन का दावा है कि एलपीजी की कमी नहीं। दूसरी ओर जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों तक गैस की घोर किल्लत है। लोगों को गैस सिलेंडर के लिए घंटों लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। सुबह से दोपहर तक इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। घर तक गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद है। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी खराब है। लोग रात 9-10 बजे से ही गैस एजेंसी के बाहर कतार में लग जाते हैं और पूरी रात जागकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं। खिरमा स्थित पैराडाइज इंडियन गैस एजेंसी के गोदाम के बाहर तो नंबर 200-500 रुपए में बिक रहे। स्थानीय युवक कतार में पहले से नंबर लगाकर रखते हैं और बाद में लाइन में अपनी जगह बेच देते हैं। पैसा देने वाला उसकी जगह खड़ा हो जाता है। गैस की कालाबाजारी भी हो रही है। 1200 से 1500 रुपए में एक सिलेंडर बेचा जा रहा है। आपूर्ति पदाधिकारी नंदन कुमार ने कहा कि जल्द ही गड़बड़ियों पर रोक लगाने का प्रयास किया जाएगा।

गयाजीः सिलेंडर के लिए गांव से शहर आ रहे लोग

गयाजी जिले के ग्रामीण इलाकों में गैस सिलेंडर की सप्लाई कम हो रही। लोग सिलेंडर लेकर गैस एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं। शहर से 10 km दूर गांव से लोग खाली सिलेंडर लेकर शहर में चल रही एजेंसियों के ऑफिस आ रहे हैं। मजबूरी में लकड़ी व उपला के खाना बनाया जा रहा है। करीब 10 km दूर चेरकी बगाही से गयाजी शहर गैस लेने आए दिलीप कुमार ने कहा, 'मेरे घर में गैस नहीं है। मैंने नंबर लगाया था मैसेज भी आ गया, लेकिन सिलेंडर नहीं मिला।' रामब्रत मिस्त्री ने कहा, '15 km दूर बजराही चपरदाह से आया हूं। एक महीना हो गया नंबर लगाए हुए, एजेंसी के लोग गांव में सिलेंडर देने नहीं आए।'

नालंदाः भारत गैस गोदाम पर लटके ताले, होम डिलीवरी ठप

बिहार शरीफ शहर में रसोई गैस वेंडरों की मनमानी से लोग परेशान हैं। वेंडर घरों तक सिलेंडर नहीं पहुंचा रहे। चंदन कुमार ने कहा, 'मैंने गैस के लिए नंबर लगाया था। एजेंसी में फोन किया तो कहा गया कि गोदाम पर आकर ले लीजिए। वेंडर दो दिन बाद गैस देने की बात कह रहे हैं। वह भी गोदाम से खुद ले जाने की शर्त पर।' अजय ने कहा, 'मेरे घर में गैस नहीं है। सिलेंडर के लिए नंबर लगाया था। वेंडर फोन नहीं उठा रहे हैं। नंबर तो लग जाता है, लेकिन वेंडर कॉल रिसीव नहीं करते। मजबूरन गोदाम आना पड़ा, लेकिन यहां भी ताला लगा है।'

मधुबनीः सिलेंडर मिला नहीं, ऑनलाइन सर्च करने पर डिलिवर्ड दिखा रहा

मधुबनी में 103 गैस एजेंसियों के माध्यम से सिलेंडर की सप्लाई हो रही है। प्रशासन का दावा है कि 47 हजार सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है। गैस एजेंसियों के गोदाम के बाहर लंबी लाइन लग रही है। भारत गैस एजेंसी बासोपट्टी के गोदाम पर सिलेंडर लेने आए अवध ने कहा, 'मैंने 4 दिन पहले बुकिंग कराई थी। अब तक सिलेंडर नहीं मिला है।'

पटना में गैस कालाबाजारी के खिलाफ पुलिस की छापेमारीः 9 सिलेंडर सहित रिफिलिंग के इक्विपमेंट्स जब्त

पटना. पटना के श्रीकृष्णापुरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने गैस रिफिलिंग के अवैध कारोबार का खुलासा किया है। आनंदपुरी नाला के पास स्थित सर्वेश्वरी इलेक्ट्रिक रिपेयरिंग सेंटर में छापेमारी की है। इस दौरान मौके से पुलिस ने 8 घरेलू और 1 कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। मामले में लगातार मिल रही गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है। रविवार को खुद दरोगा रणधीर कुमार सिंह कस्टमर बनकर दुकान पर पहुंचे और सिलेंडर की मांग की। दुकानदार ने ब्लैक में सिलेंडर देने की हामी भर दी। श्रीकृष्णापुरी के SHO जितेंद्र राणा दल बल के साथ छापेमारी करने दुकान पर पहुंचे। छापेमारी के दौरान दुकान से 8 खाली घरेलू और 1 कमर्शियल सिलेंडर के साथ रिफिलिंग के उपकरण भी बरामद किए गए। पूछताछ में दुकानदार इन सिलेंडरों के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। दुकानदार की पहचान अनिल कुमार के रूप में हुई है, जो राजापुल का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि वह गैस चूल्हा, कुकर, मिक्सी, हीटर, आयरन और पंखा रिपेयरिंग की आड़ में गैस रिफिलिंग और ब्लैक मार्केटिंग का काम कर रहा था।

सहरसाः ऑनलाइन बुकिंग कर दी, लेकिन सिलेंडर नहीं मिला

सहरसा के मुरादपुर निवासी मृत्युंजय मिश्र ने बताया, 'मैंने शहीद रमन गैस एजेंसी में 25 मार्च को ऑनलाइन बुकिंग कराया था। 27 मार्च को गैस एजेंसी पर आकर पर्ची काटना चाहा तो एजेंसी के कर्मी ने कहा कि 19 मार्च को ऑनलाइन बुकिंग किए गए लोगों को गैस दे रहे हैं। 5-6 दिन बाद आइएगा।' सहुरिया निवासी हरेराम चौधरी ने कहा, 'मैंने 29 मार्च को ऑनलाइन बुकिंग कराई थी। गैस का ऑनलाइन पेमेंट भी कर चुका हूं। डीएससी नंबर भी आ गया। इसके बाद भी गैस एजेंसी के कर्मी कह रहे हैं कि दो- तीन दिन बाद सिलेंडर मिलेगा।

मुजफ्फरपुरः एजेंसियों के बाहर नहीं लग रही लाइन

मुजफ्फरपुर में घरेलू गैस के लिए फिलहाल एजेंसियों के बाहर लाइन नहीं लग रही। प्रशासन का दावा है कि पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। रोज करीब 19,890 सिलेंडरों की सप्लाई की जा रही है। स्टॉक में 25,696 सिलेंडर हैं। डीपीआरओ प्रमोद कुमार ने बताया, 'पिछले कुछ दिनों में पैनिक बुकिंग की प्रवृत्ति बढ़ी है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वह जरूरत के अनुसार ही गैस बुक करें।'

भोजपुरः गैस एजेंसियों के गोदाम के बारह लग रही लाइन

जिले में सुबह से ही गैस एजेंसियों के गोदाम के बाहर लंबी लाइन दिख रही है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि घरेलू गैस की कमी नहीं है। नियमित रूप से आपूर्ति जारी है। बुकिंग के एक से दो दिनों के भीतर सिलेंडर की डिलीवरी की जा रही है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने बताया, 'इंडेन के 30 वितरकों के पास 6516, भारत गैस के 6 वितरकों के पास 2468 और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के 9 वितरकों के पास 2074 सिलेंडर उपलब्ध हैं। स्टॉक में 11058 एलपीजी सिलेंडर हैं।'

तेजस्वी यादव ने गिनाई बिहार की बदहालीः जेडीयू का पलटवार- आपकी बातों को कोई गंभीरता से नहीं लेता

पटना. बिहार की राजनीति में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए तीखे पोस्ट के बाद जनता दल यूनाइटेड के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने जोरदार पलटवार किया है। तेजस्वी यादव ने अपने पोस्ट में बिहार की बदहाल स्थिति को लेकर एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कई सामाजिक, आर्थिक और विकास से जुड़े आंकड़े गिनाए और 21 वर्षों के शासन पर सवाल खड़े किए। साथ ही उन्होंने अपराध, बेरोजगारी, गरीबी, पलायन और प्रदूषण को लेकर भी बिहार की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए। तेजस्वी यादव ने अपने पोस्ट में दावा किया कि बिहार देश के लगभग हर प्रमुख विकास

सूचकांक में सबसे नीचे है। उन्होंने साक्षरता, प्रति व्यक्ति आय, किसानों की आय, निवेश, बिजली खपत, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। तेजस्वी ने कहा कि इतने लंबे शासन के बावजूद बिहार की हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है और सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए विपक्ष पर आरोप लगाती रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को खुले मंच पर बहस की चुनौती भी दी।

जेडीयू का पलटवार, 'गंभीरता से नहीं लेते लोग'

तेजस्वी के इस हमले पर जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, तेजस्वी यादव की बातों को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता।' नीरज कुमार ने तंज कसते हुए कहा कि, 'तेजस्वी अपने पिता का संदेश लेकर केरल गए थे, लेकिन वहां अपनी सरकार की उपलब्धियां बताने में असफल रहे।' उन्होंने आरोप लगाया कि, 'आरजेडी शासन में "जमीन लेकर नौकरी देने" जैसी परंपरा रही, जबकि वर्तमान सरकार ने पारदर्शी तरीके से लाखों शिक्षकों की बहाली की है।'नीरज कुमार ने आगे कहा कि, 'नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में आधारभूत संरचना, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हुआ है।' उन्होंने तेजस्वी यादव को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे कहीं भी, कभी भी सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि, 'जेडीयू का कोई भी कार्यकर्ता या पदाधिकारी तेजस्वी के दावों का जवाब देने में सक्षम है।' जेडीयू प्रवक्ता ने यह भी कहा कि जनता ने बार-बार एनडीए को जनादेश दिया है, जो सरकार के विकास कार्यों पर भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने तेजस्वी को अपने पुराने और नए बयानों की तुलना करने की चुनौती देते हुए कहा कि सच्चाई आईने की तरह सामने आ जाएगी।

उत्पाद टीम पर पथराव में 3 नामजद आरोपी गिरफ्तारः शेखपुरा में 2 दिन पहले दारोगा सहित 3 पुलिसकर्मी हुए थे घायल

शेखपुरा. शेखपुरा जिले के बरबीघा थाना पुलिस ने उत्पाद पुलिस टीम पर हमला, पथराव और तोड़फोड़ के मामले में तीन नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह घटना दो दिन पहले बरबीघा नगर क्षेत्र के नारायणपुर मुहल्ले में हुई थी, जिसमें उत्पाद दारोगा सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पुलिस सब इंस्पेक्टर कौशर आलम के नेतृत्व में की गई छापेमारी में ये गिरफ्तारियां हुईं। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान देव नंदन पासवान के पुत्र भगीरथ पासवान, अशोक चौधरी के पुत्र कैलाश चौधरी उर्फ बैला और योगेश्वर चौधरी के पुत्र मिथलेश चौधरी के रूप में हुई है। बरबीघा थाना अध्यक्ष गौरव कुमार ने बताया कि दो दिन पहले उत्पाद थाना शेखपुरा की एक टीम शराब के खिलाफ कार्रवाई करने उत्पाद दारोगा अजय कुमार के नेतृत्व में नारायणपुर मुहल्ले पहुंची थी। टीम ने नशे की हालत में दो शराबियों को पकड़ा था। इसी दौरान, लगभग तीन दर्जन लोगों ने अचानक पुलिस दल पर हमला कर पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में दारोगा अजय कुमार और दो महिला पुलिसकर्मी घायल हो गईं। उपद्रवियों ने पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया और पकड़े गए दोनों शराबियों को पुलिस हिरासत से छुड़ा लिया। इस संबंध में उत्पाद दारोगा द्वारा स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, जिसमें 21 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों को शेखपुरा जेल भेज दिया गया है। इसी बीच, स्थानीय थाना पुलिस ने वभन बीघा गांव से एक साल पुराने जानलेवा हमले के मामले में आरोपी भगवान दास (बंगाली दास का पुत्र) को भी गिरफ्तार किया है।

पटना में 'कस्टम अधिकारी' बनकर 17 किलो सोने की लूट

दानापुर. पटना में गुजरात के कारोबारी के स्टाफ से 17 किलो सोने की लूट हुई है। कस्टम अधिकारी बनकर अपराधियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। वारदात दानापुर के खगौल थाना क्षेत्र में हुई।

गुजरात के कारोबारी के स्टाफ और राजकोट के रहने वाले महेश को पटना में बंधक बना लिया गया। उससे सोने से भरा बैग बदमाशों ने लूट लिया और इसके बाद महेश को छोड़कर फरार हो गए। घटना शनिवार की है। लूटे गए 17 किलोग्राम सोने की कीमत आज के हिसाब से करीब 25 करोड़ से ज्यादा की होगी। पटना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गुजरात के राजकोट निवासी महेश मामतोरा और प्रिंस रामपरिया नामक दो व्यापारी अहमदाबाद से सहरसा एक्सप्रेस के जरिए दानापुर पहुंचे थे। वे केबीएस एंड संस के मालिक सुनील भाई का लगभग 17 किलो सोने का जेवर लेकर पटना के बाकरगंज जा रहे थे। दानापुर रेलवे स्टेशन से बाकरगंज जाने के लिए दोनों ने एक ऑटो बुक की। जैसे ही उनका ऑटो खगौल ओवरब्रिज के बीच पहुंचा, पुलिस का स्टीकर लगी एक कार और दो मोटरसाइकिल पर सवार 5 से 7 बदमाशों ने दोनों को घेर लिया। सभी बदमाश सफेद शर्ट और खाकी पैंट पहने हुए थे। उन्होंने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर जांच के नाम पर व्यापारियों के तीनों बैग जब्त कर लिए। गुजरात कारोबारी के स्टाफ प्रिंस ने बताया, 'हमारी ऑटो रुकवाकर उन्होंने कहा, हम कस्टम अधिकारी है, अपना बैग दे दो। पहले तो हम घबरा गए। बातचीत से वो असली अधिकारी लग रहे थे। फिर मैंने अपने सेठ जी को फोन किया, पहले तो उन्होंने रूम जाने को कहा, फिर दोबारा फोन कर कहा कि थाने में शिकायत करो, तो मैं यहां आ गया।' दूसरे स्टाफ महेश मामतोरा ने बताया, 'ब्रिज पर एक कार और 2 बाइक पर सवार कुछ लोगों ने हमें घेर लिया। मुझे बंधक बना लिया। सभी सफेद शर्ट और खाकी पैंट में थे। बदमाशों की बातचीत और हाव-भाव से वे पूरी तरह असली कस्टम अधिकारी लग रहे थे। कार में मेरे अलावे तीन लोग थे। कुछ देर बाद मुझे एहसास हुआ कि कार में कोई हलचल नहीं है। गाड़ी नहीं चल रही थी, फिर मैंने किसी तरह से अपने हाथ खोले, नाकाब हटाया, तो खुद को सुनसान जगह में कार के साथ अकेला पाया।'

फर्जी आधार कार्ड गैंग का मुख्य आरोपी गिरफ्तारः किशनगंज पुलिस ने खगड़िया से कुंदन कुमार को पकड़ा

किशनगंज (बिहार). सीमावर्ती क्षेत्रों में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले एक इंटरस्टेट गैंग का खुलासा हुआ है। किशनगंज पुलिस ने STF, खगड़िया पुलिस और अररिया पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त छापेमारी अभियान चलाकर इस बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया। इस कार्रवाई में गिरोह के मुख्य सरगना कुंदन कुमार को खगड़िया जिले से शनिवार रात गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, कुंदन कुमार टेढ़ागाछ थाना में 2 अप्रैल को दर्ज एक मामले में वांछित था। यह गिरोह सीमावर्ती क्षेत्रों में फर्जी दस्तावेज और प्रमाण पत्र तैयार कर उनके आधार पर अवैध रूप से आधार कार्ड बनाता था। किशनगंज पुलिस इस गिरोह के खिलाफ खगड़िया

और अररिया जिलों में लगातार छापेमारी कर रही थी। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कुंदन कुमार अपनी मोबाइल दुकान की आड़ में फर्जी प्रमाण पत्र बनाने और अवैध आधार कार्ड तैयार करने का गोरखधंधा चला रहा था। वह खगड़िया की कई दुकानों पर जाकर आधार कार्ड बनाने की सुविधा भी प्रदान करता था। खगड़िया से गिरफ्तार कुंदन कुमार की मोबाइल दुकान से पुलिस ने भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किए हैं। इसके अतिरिक्त, दुकान से फर्जी प्रमाण पत्र, फोटोशॉप सॉफ्टवेयर से बने फर्जी आधार कार्ड, मूल आधार कार्ड और उनकी छायाप्रतियां, जाति, निवास, विभिन्न उम्र के व्यक्तियों के जन्म प्रमाण पत्र, मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन योजना के आवेदन पत्र, बैंक पासबुक, राशन कार्ड और इंडेन गैस एजेंसी के दस्तावेजों की लगभग 500 छायाप्रतियां भी जब्त की गई हैं। पुलिस गिरफ्तार कुंदन कुमार से गहन पूछताछ कर रही है। जांच अधिकारियों ने इस गिरोह में कई अन्य लोगों के शामिल होने की संभावना जताई है, और आगे की गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

छात्र ने खान सर को खून से बनाई तस्वीर भेंट की; बोले-ऐसा मत करिए टेंशन में आ जाएंगे

पटना. पटना के बापू सभागार में आयोजित खान सर के कार्यक्रम 'पढ़ाई और स्वरोजगार' में एक छात्र ने उन्हें खून से बनाई गई तस्वीर भेंट की। यह तस्वीर नीम की लकड़ी पर बनाई गई थी। तस्वीर देखने के बाद खान सर ने छात्र की तारीफ की। उन्होंने कहा, "इन्होंने पेड़ बहुत अच्छा चुना है, नीम का। हम नीम जैसे हैं, स्वाद में भले कड़वे लगें, लेकिन बीमारी ठीक करने का काम करते हैं।"

इसके बाद उन्होंने छात्र से पूछा, "यह तस्वीर कैसे बनाई?" छात्र ने जवाब दिया, "अपने खून से..."। यह सुनकर सभागार में मौजूद छात्र-छात्राएं भावुक हो गए। इस पर खान सर ने कहा, "यह ठीक नहीं है। ऐसा मत करिए, हम टेंशन में आ जाएंगे।" इतना कहने के बाद उन्होंने छात्र को गले लगा लिया। प्रसिद्ध शिक्षक खान सर की ओर से 'पढ़ाई और स्वरोजगार' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया है। इसमें यूपीएससी समेत अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए हैं। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के माध्यम से नौकरी हासिल करने और आगे चलकर स्वरोजगार की दिशा में भी प्रेरित करना है। समिनार में शामिल एक छात्र ने अपनी खून से बनाई तस्वीर खान सर को भेंट की। इसपर खान सर ने कहा कि ऐसा मत करिए, हम टेंशन में आ जाएंगे।

नौकरी के साथ स्वरोजगार भी जरूरी- खान सर

खान सर ने अपने संबोधन में छात्रों को सही दिशा देने पर जोर दिया, ताकि वे पढ़ाई के दम पर नौकरी हासिल कर सकें और आगे चलकर अपना खुद का व्यवसाय भी शुरू कर सकें। शिक्षा को सुलभ बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अब छात्रों को लाखों रुपए की फीस देने की जरूरत नहीं है। वे घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई कर सकते हैं। उन्होंने घोषणा किया कि देश के किसी भी बोर्ड के टॉप-3 रैंक हासिल करने वाले छात्रों को उनके संस्थान में मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। राजनीतिक सवालों को अनसुना करते हुए खान सर ने कहा कि हम फिलहाल छात्रों के बीच हैं। राजनीति पर वही लोग बात करें, जो उसमें हैं। हमसे शिक्षा से जुड़े सवाल पूछे जाएं। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने युद्ध की स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि भारत शांति का प्रतीक है और हमें युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध के मार्ग पर चलना चाहिए। एलपीजी की बढ़ती कीमतों पर उन्होंने कहा कि फिलहाल एलपीजी गैस की कमी नहीं है, लेकिन महंगाई का असर छात्रों पर जरूर पड़ रहा है। खासकर खाने-पीने के खर्च में वृद्धि हुई है। इस दौरान उन्होंने अपने द्वारा शुरू किए गए अस्पताल और जल्द शुरू होने वाले ब्लड बैंक की जानकारी भी दी, जिससे जरूरतमंदों को कम खर्च में इलाज और रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

राजनीति से ऊपर संकटः सरकार और विपक्ष की एकजुटता की दरकार

ईरान से इजरायल-अमेरिका सैन्य संघर्ष के चलते पिछले 35 दिनों में भारत की अर्थव्यवस्था एवं जिस तरह से महंगाई और बेरोजगारी की मार पड़ी है उससे मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है। एलपीजी के दाम पहले ही बढ़ाए जा चुके हैं बावजूद इसके लोगों को रसोई गैस नहीं मिल पा रही है, जिसके कारण उनका जीवन बहुत कष्टप्रद हो गया है। हर चीज के दाम बढ़ते चले जा रहे हैं। गैस एवं पेट्रोल-डीजल के कारण देश में हजारों फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं। आईटी कंपनियों के बाद अब देश के विभिन्न हिस्सों में जो छोटी-छोटी फैक्ट्रियां चल रहीं थीं, जिनमें सैकड़ो मजदूर काम करते थे उन्हें भी निकाला जा रहा है। पिछले 35 दिनों से निर्यात एक तरह से बंद है। कच्चा माल फैक्ट्री को मिल नहीं रहा है। रही सही कसर पेट्रोल डीजल पूरी कर रहे हैं, जिसके कारण लघु एवं मध्यम उध्यम भी तेजी के साथ बंद होते चले जा रहे हैं। विभिन्न राज्यों से रोजाना हजारों की संख्या में मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है। खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ गए हैं। देश में लाखों छोटे-छोटे होटल और ढाबे बंद हो गए हैं। शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। सोने-चांदी के भाव में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कुल मिलाकर देश में जिस तरह की स्थिति बनती जा रही है यह ठीक कोरोना काल की तरह नजर आ रही है। उस समय भी लगभग सब कुछ ठहर गया था। कुछ इसी तरह की स्थिति अब देखने को मिल रही है। सरकार और राजनीतिक दल चुनाव लड़ने में व्यस्त हैं। जनता हैरान और परेशान होकर घूम रही है। सरकार सच भी नहीं बता रही है। ऐसी स्थिति में लोगों में घबराहट का माहौल बनता जा रहा है। वो करे भी तो क्या करे। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर अचानक हमला किया गया था। इन हमलों में ईरान के 40 से अधिक प्रमुख नेता और सैन्य प्रमुख मारे जा चुके हैं। इसका जिस तरह से ईरान ने जवाब दिया है उसने सारी दुनिया को भयाक्रांत करके रख दिया है। अमेरिका और इजरायल जैसे देश ईरान का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। इन दोनों देशों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस युद्ध का सबसे बड़ा असर कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस एवं खाद पर पड़ा है। पिछले एक महीने से दिनों-दिन स्थिति खराब होती चली जा रही है। अब तो यह भी आशंका व्यक्त की जाने लगी है, कि पेट्रोल-डीजल और गैस के बाद अब सारी दुनिया को खाद के संकट का सामना पड़ेगा। वर्तमान में खाद्य उत्पादन मात्र 50 फ़ीसदी रह गया है। यदि खाद्य संकट और उत्पन्न हो गया तो सारी दुनिया एक बार फिर 60 और 70 के दशक में लगभग अकाल की स्थिति में पहुंच जाएगी। दुनिया के आधे से ज्यादा देशों में दो टाइम का भोजन भी लोगों को मुहैया नहीं होगा। सारी दुनिया के अर्थशास्त्री वैश्विक मंदी की चिंता जाता रहे हैं। सारी दुनिया के देश भारी कर्ज में फंसे हुए हैं। जनता के ऊपर भी कर्ज है। ऐसी स्थिति में मांग कम होगी जिसके कारण आर्थिक संकट बड़ी तेजी के साथ दुनिया में बढ़ेगा। इसको लेकर अब लोग चिंता व्यक्त कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह की दादागिरी सारी दुनिया के देशों से करने की कोशिश की उसके बाद अमेरिका का विश्वास अब दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष नहीं कर रहे हैं। जिस तरह से डॉलर मुद्रा को लेकर अमेरिका दादागिरी कर रहा था वर्तमान युद्ध ने पहली बार अमेरिका को बचाव की मुद्रा में खड़ा होता हुआ देखा है। इसके बाद भी ट्रंप और नेतन्याहू का अहंकार सिर चढ़कर बोल रहा है। इन दोनों देशों ने जिस तरह से ईरान को बर्बाद करने की कोशिश की, उनके धर्मगुरु सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित तीन दर्जन से अधिक ईरान के महत्वपूर्ण नेताओं की हत्या की, उसके कारण ईरान भी अब अपने वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहा है। सारी दुनिया के देश पेट्रोल डीजल रसोई गैस और खाद की किल्लत से जूझ रहे हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भारत सरकार को गंभीरता के साथ इस स्थिति पर विचार करना होगा। जनता को सच बताना होगा। भारत इन स्थितियों से किस तरह से निपटाने की तैयारी कर रहा है या जनता को क्या करना चाहिए, जो इस विषम परिस्थिति का मुकाबला करते हुए आगे बढ़ सके, इसके लिए सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। चुनाव जीतने से ज्यादा इस समय पक्ष और विपक्ष का एक होना जरूरी है। इस संकट में सभी लोग मिलकर जब स्थितियों का मुकाबला करेंगे तभी जाकर समस्याओं का समाधान हो पाएगा। सरकार को इस दिशा में पहल करने की जरूरत है। इसमें विलंब होगा तो देश की स्थिति बहुत खराब हो सकती है। इसका असर कानून व्यवस्था पर पड़ सकता है। भुखमरी और खाद्य संकट से भी भारत को जूझना पड़ सकता है। जिस तरह से आर्थिक महामंदी की चेतावनी आर्थिक विशेषज्ञ दे रहे हैं। इस ओर सरकार को युद्ध स्तरीय तैयारी के साथ उतरना होगा। एकजुटता प्रदर्शित करनी होगी। बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के योग्य व्यक्तियों को जिम्मेदारी देने का काम सरकार को ही करना पड़ेगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियमः प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में महिलाओं की आबादी लगभग आधी है, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से पारित महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करता है। यह कानून केवल सीटों का आरक्षण नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में अधिक संख्या में शामिल होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय सामने आ सकते हैं। हालांकि अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यानी, इसके वास्तविक प्रभाव को देखने में समय लग सकता है। यह देरी कहीं न कहीं इसकी तत्काल प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। सिर्फ कानून बना देने से ही महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं होता। समाज में पितृसत्तात्मक सोच, राजनीतिक दलों में टिकट वितरण की असमानता, और चुनावी खर्च जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक दल भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं।यह अधिनियम राजनीतिक दलों की वास्तविक प्रतिबद्धता की भी परीक्षा है। क्या वे महिलाओं को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित रखेंगे या सामान्य सीटों पर भी उन्हें पर्याप्त अवसर देंगे? यही इस कानून की सफलता का असली पैमाना होगा।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। लेकिन इसकी सफलता केवल इसके पारित होने में नहीं, बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में बदलाव पर निर्भर करेगी। यदि इसे सही भावना और नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित बना हुआ है। यह स्थिति केवल आंकड़ों की असमानता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के आधे हिस्से की भागीदारी कम हो, तो नीतियों में उनकी जरूरतों और दृष्टिकोण का समुचित प्रतिबिंब कैसे दिखाई देगा? भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का इतिहास संघर्ष और धीरे-धीरे हुए विस्तार का रहा है। स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने निश्चित रूप से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है, जिससे ग्रामीण स्तर पर नेतृत्व के नए उदाहरण सामने आए हैं। लेकिन यही प्रगति राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नहीं दिखती। संसद में महिलाओं की संख्या अभी भी अपेक्षाकृत कम है, जो यह दर्शाती है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा। इस असंतुलन के पीछे कई कारण हैं—सामाजिक रूढ़िवादिता, आर्थिक निर्भरता, शिक्षा और अवसरों की कमी, तथा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण और धनबल। महिलाएं अक्सर चुनाव लडऩे के लिए आवश्यक संसाधनों और समर्थन से वंचित रहती हैं। साथ ही, राजनीतिक दल भी उन्हें विनिंग कैंडिडेट के रूप में कम आंकते हैं, जिससे टिकट वितरण में भेदभाव दिखाई देता है।हालांकि, हाल के वर्षों में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर चर्चा और पहल ने उम्मीद जगाई है। यदि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होता है, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होगा, जो न केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा बल्कि नीति-निर्माण में संतुलन भी लाएगा।फिर भी, केवल आरक्षण ही समाधान नहीं है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, और सामाजिक सोच में बदलाव भी उतना ही आवश्यक है।

दंड से सुधार की ओर विश्वास आधारित न्यायिक यात्रा

> भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। विकसित राष्ट्र बनने के लिए केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि न्यायिक, प्रशासनिक और कानूनी सुधार भी आवश्यक हैं। जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। सरल कानून, कम सरकारी हस्तक्षेप, तेज न्याय प्रणाली और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण-ये सभी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं। इस दृष्टि से यह कानून भारत को आधुनिक और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगा। यह भी स्वीकार करना होगा कि इस प्रकार के बड़े कानूनी सुधार राजनीतिक इच्छाशक्ति के बिना संभव नहीं होते।

ललित गर्ग

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि व्यवस्था, अनुशासन, सुधार और विश्वास का वातावरण बनाना भी होता है। इसी दृष्टि से भारत सरकार द्वारा लाया गया जन विश्वास विधेयक 2026 पहले लोकसभा के बाद अब राज्यसभा से भी पारित होने से इसके कानून के रूप में अमल का रास्ता साफ हो गया। इसके माध्यम से उस व्यवस्था को विदा देने का जतन किया गया है, जिसमें छोटी-छोटी गलतियों या सामान्य नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जेल की सजा का प्रविधान था, अब ऐसा होने पर आर्थिक दंड लगेगा। निश्चित ही इस विधेयक का पारित होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है, भारतीय कानूनी परिवेश की एक उजली भोर है। निश्चित तौर यह कानून दंडात्मक व्यवस्था से सुधारात्मक व्यवस्था की ओर बढ़ने का संकेत देता है। इसमें लगभग 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन कर 784 प्रविधानों में संशोधन किये गये हैं और 700 से अधिक छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इससे अदालतों में मुकदमों का बोझ और न्यायिक तंत्र पर दबाव कम होगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस की अवधि खत्म होने पर भी वह 30 दिन तक वैध रहेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने पर सजा के स्थान पर जुर्माने का प्रविधान होगा। इसी तरह अन्य अनेक मामलों में ऐसा होगा। इनमें से कई मामले कारोबारियों से भी जुड़े हैं, जैसे पहले ड्रग्स एवं कास्मेटिक नियमों के उल्लंघन पर जेल हो सकती थी, लेकिन अब केवल जुर्माना लगेगा। जो छोटे कारोबारी प्रायः जटिल नियम-कानूनों के अनचाहे उल्लंघन के कारण दंडित होने के दबाव में भयभीत रहते थे, वे अब भयमुक्त होंगे।

भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है भारत की व्यवस्था एवं कानूनों का सरल एवं सुगम बनाना, यह कानून उसी दिशा में एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपक्रम है। इस विधेयक से न केवल न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम होगा बल्कि नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों में सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। इसे "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" की अवधारणा को व्यवहार में उतारने वाला कानून भी कहा जा सकता है। दंड नहीं, सुधार की भावना को बल देते हुए इस कानून से आम-जनता को कानून की जटिल प्रक्रियाओं एवं भ्रष्टाचार की व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी। भारतीय न्याय व्यवस्था लंबे समय तक दंड आधारित रही है, जिसमें छोटे-छोटे उल्लंघनों के लिए भी आपराधिक मुकदमे चल जाते थे। इससे अदालतों में मुकदमों का ढेर लग जाता था और आम नागरिक अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं में उलझ जाते थे। जन विश्वास विधेयक ने इस सोच को बदलने का प्रयास किया है। इससे कानून का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि सुधार करना और व्यवस्था बनाए रखना होगा। अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड तय करना न्याय के मूल सिद्धांतों के अधिक अनुरूप है।

इस कानून से न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी और गंभीर अपराधों पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा। यह कानून न्यायिक सुधार की दिशा में भी एक बड़ा ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि इससे न्यायालयों का समय और संसाधन बचेंगे और न्याय प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी। इस कानून का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यापार और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनाना भी है। पहले कई छोटे नियमों के उल्लंघन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाते थे, जिससे उद्यमियों और निवेशकों में भय का वातावरण रहता था। अब आर्थिक दंड के प्रावधान से अनुपालन का बोझ कम होगा और व्यापार करने में आसानी होगी। इससे छोटे उद्यमियों, स्टार्टअप और उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा भारत में निवेश का वातावरण और बेहतर बनेगा। वैश्विक स्तर पर भी भारत की छवि एक सरल और निवेश अनुकूल देश के रूप में मजबूत होगी।

इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसकी भावना भारतीय संस्कृति के बहुत निकट दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में दंड से अधिक सुधार, प्रतिशोध से अधिक क्षमा और अपराध से अधिक परिमार्जन की परंपरा रही है। हमारे शास्त्रों और परंपराओं में कहा गया है कि मनुष्य से गलती होना स्वाभाविक है, लेकिन उसे सुधार का अवसर मिलना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों के लिए कठोर दंड देना न्याय नहीं, बल्कि अन्याय की श्रेणी में आ सकता है। इस दृष्टि से यदि कानून व्यवस्था में क्षमा, सुधार और परिमार्जन की व्यवस्था हो, तो समाज अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है। भारत की संस्कृति दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक और समन्वयवादी रही है। जन विश्वास विधेयक इसी भावना को आधुनिक कानूनी व्यवस्था में स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होता है। यह कानून विश्वास आधारित शासन की ओर अग्रसर होने के साथ मेरा भारत महान् का उद्घोष है। यह कानून सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने वाला भी है। जब सरकार नागरिकों को अपराधी मानने की बजाय जिम्मेदार नागरिक मानकर कानून बनाएगी, तो नागरिकों में भी कानून के प्रति सम्मान और पालन की भावना बढ़ेगी। विश्वास आधारित शासन किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। भय आधारित शासन में नागरिक कानून से बचने की कोशिश करते हैं, जिससे समाज में भ्रष्टाचार को पनपने का मौका मिलता है जबकि विश्वास आधारित शासन में नागरिक कानून का पालन स्वयं करते हैं। देश एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास स्वतः जागता है।

भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। विकसित राष्ट्र बनने के लिए केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि न्यायिक, प्रशासनिक और कानूनी सुधार भी आवश्यक हैं। जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। सरल कानून, कम सरकारी हस्तक्षेप, तेज न्याय प्रणाली और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण-ये सभी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं। इस दृष्टि से यह कानून भारत को आधुनिक और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगा। यह भी स्वीकार करना होगा कि इस प्रकार के बड़े कानूनी सुधार राजनीतिक इच्छाशक्ति के बिना संभव नहीं होते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई प्रशासनिक और कानूनी सुधार किए हैं, जिनका उद्देश्य शासन को सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना है, न्याय व्यवस्था को ज्यादा मानवीय एवं व्यावहारिक बनाना है। इसी कारण प्रधानमंत्री ने इस विधेयक के पारित होने पर यह आशा व्यक्त की कि इसके जरिये भरोसे पर आधारित व्यवस्था का निर्माण होने के साथ आम नागरिक सशक्त बनेंगे। जन विश्वास विधेयक उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह दर्शाता है कि सरकार नागरिकों को दंडित करने की बजाय उनके साथ विश्वास का संबंध स्थापित करना चाहती है। यह कानून शासन और जनता के बीच विश्वास का पुल बनाने का एक सराहनीय एवं सूझबूझभरा प्रयास है। वास्तव में कानून का शासन ऐसा होना चाहिए, जिसमें मामूली गलती या किसी गफलत या अनजाने में की गई भूल कठोर सजा का कारण नहीं बननी चाहिए। अब जब जन विश्वास विधेयक से हालात में व्यापक बदलाव की उम्मीद की जा रही है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस विधेयक के प्रविधानों से आम जनता को अवगत कराया जाए, ताकि वह अधिकतम लाभ उठा सके और शोषण एवं भ्रष्टाचार से भी बच सके।

युद्ध नहीं शांति से मानवता की रक्षा हेतु सयंम जरुरी

> इस जंग में अमेरिका के सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 1महीने से ऊपर चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान मैं भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिए।

संजय गोस्वामी

आज पूरे मीडिया में यूएस- इजराइल और ईरान के युद्ध के 1महीने से ऊपर का समाचार देख देख कर शान्ति भंग हो रही अब तो इस बहस में राजनेता भी अपनी सफाई दे रहें हैं जो राज्यसभा के सांसद भी हैं डिफेन्स एक्सपर्ट का तो समझा जा सकता है लेकिन राजनीती पार्टियों में इस पर बहस करना बिलकुल गलत है इसलिए इसपर किसी भी प्रकार के बयानबाजी से परहेज करना चाहिए कौन आतंकवादी पाल रहा है कौन मिट्टी में मिला देगा इससे अपने को क्या लेना देना अमेरिका के कुछ विमान युद्ध में गिरे और 1पायलेट को वहाँ से निकाल भी लिया तो उसकी ताकत समझ में नहीं आ रही है ईरान मिसायल और ड्रोन से अटैक कर रहा है जहाँ अमेरिका और इजराइल की भीषण बमबारी हो रही है वहाँ यदि जाने गईं है तो निर्दोष नागरिकों की अधिक संख्या है ईरान पर अमेरिका के आर्थिक बैन के बाद ना तो क़ोई लड़ाकू विमान नजर आए ना ही बचाव हेतु क़ोई हेलीकाप्टर ईरान को समझदारी से काम लेना चाहिए अपने नहीं लोगों के हित में क्योंकि जब से उसका सबसे बड़ा पुल अमेरिका ने तोड़ दिया इससे आम नागरिकों को ही परेशानी होगी जिसे बनने में 10 साल से ज्यादा लगे होंगे, आज टेक्नोलॉजी का युग है और जो देश टेक्नोलॉजी में आगे होगा बेशक नुकसान होगा लेकिन अन्त में विजय वही होगा जहाँ आसमान में 100-150 विमान ईरान में बम गिरा रहें हैं वहाँ 2 -4 विमान तो नष्ट हो गया तो उससे उसे क्या फर्क पड़ेगा इजराइल एक छोटा सा देश होकर कई फ्रंट पर युद्ध लड़ रहा है तो नुकसान होगा ही युद्ध विनाशकारी होता है और अमेरिका कभी आधा नहीं छोड़ेगा और उसे भी नुकसान काफी हुआ है लेकिन जहाँ तक आतंकवादी के सपोर्ट करने का सवाल है वहाँ ईरान से ज्यादा तो पाकिस्तान है उसे अमेरिका को ठोकना चाहिए सारा युद्ध अरब में खलीफा बनने की होड़ और निर्दोष नागरिक की मौत का तांडव नृत्य से मानवता शर्मसार हो रही है ईरान और अमेरिका -इजराइल युद्ध से भारत का क्या लेना देना, ऐ उनका युद्ध है वो समझें 1984 में मैं जब टीवी जो ब्लैक एंड वाइट था वहाँ सलमा आगा टीवी पर इराक - ईरान युद्ध के बारे में अन्त में समाचार में सुनता था जो 10 साल तक चली युद्ध में किसी भी देश को कमजोर नहीं समझना चाहिए और शान्ति से ही समाधान निकालना चाहिए बड़बोलापन युद्ध में आग में घी डालने का काम करता है इससे बचना चाहिए विश्व शांति का मूल उपाय युद्ध और हथियार में नहीं समझदारी और इंसानियत में ही निहित है।विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं। इस युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है जो आप नहीं देख पा रहें हैं इसमें कई भारतीय भी हैं इससे युद्ध में झोंके गए लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में अमेरिका के सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 1महीने से ऊपर चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिए, इस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्र-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्र-शस्त्र के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये युद्ध नहीं मानवता को समझना चाहिए, विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था। इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया। दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए। डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं।

पर्यावरण संकट का समाधानः प्रकृति का साथी बनना ही एकमात्र रास्ता

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नईप्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे।

उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और साथ मिलकर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें। उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।

एक्सरसाइज करते हुए न करें ये 4 गलतियां

आज के समय में हर व्यक्ति खुद को फिट रखना चाहता है और इसके लिए खान-पान के साथ-साथ वर्कआउट पर भी पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए। अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए एक्सरसाइज तो करते हैं, लेकिन वह इस दौरान कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिसके कारण उन्हें फायदे की जगह नुकसान उठाना पड़ता है। साथ ही साथ उन्हें वह रिजल्ट भी नहीं मिल पाता है, जैसा कि उन्होंने सोचा होता है। इससे उनके मन में एक निराशा पैदा होती है।

पहली गलती- कपड़ों पर ध्यान ना देना

यह देखने में भले ही एक छोटी सी मिसटेक लगे, लेकिन इसका व्यापक असर आपके वर्कआउट पर पड़ता है। अगर आप एक्सरसाइज करते हुए ऐसे कपड़े पहनते हैं जो पसीने को अब्जॉर्ब ना कर सकें तो इससे आपको चिपचिपेपन के कारण इरिटेशन व स्किन इचिंग की समस्या शुरू हो जाती है। वहीं, आपके कपड़े थोड़े स्ट्रेचेबल भी होने चाहिए, ताकि वर्कआउट के दौरान तरह-तरह के बॉडी मूवमेंट को आसानी से करना आपके लिए आसान हो।

दूसरी- वार्मअप को नजरअंदाज करना

कुछ लोगों की यह आदत होती है कि वह जब वर्कआउट शुरू करते हैं तो सीधे ही अपनी मेन एक्सरसाइज को करना शुरू कर देते हैं। जबकि यह गलत है। इससे बॉडी में दर्द बढ़ने के साथ-साथ चोटिल होने की संभावना भी बढ़ जाती है। हमेशा पहले 5-10 मिनट तक वार्मअप किया जाना चाहिए। ऐसा करने से आपकी बॉडी अलर्ट होती है और फिर आप किसी भी एक्सरसाइज को अधिक बेहतर तरीके से कर पाते हैं और आपको रिजल्ट भी अच्छा मिलता है।

तीसरी- हमेशा एक ही एक्सरसाइज करना

यह सच है कि वर्कआउट का एक रूटीन होना चाहिए, लेकिन उसमें हमेशा एक ही एक्सरसाइज को करना कभी भी एक अच्छा आइडिया नहीं माना जाता। इसके कई नुकसान होते हैं। सबसे पहले तो जब आप एक ही वर्कआउट करते हैं तो इससे आपको बोरियत होती है और बेमन से एक्सरसाइज करने से वह आपके लिए बोझिल हो जाता है। वहीं दूसरी ओर, एक ही तरह का वर्कआउट करने से बॉडी उसकी आदी हो जाती है और फिर इससे आपको रिजल्ट नहीं मिलते हैं। इसके अलावा, एक ही तरह के वर्कआउट से केवल आपकी बॉडी के कुछ ही हिस्सों पर उसका असर नजर आता है। इसलिए कोशिश करें कि आप हर दिन अपने वर्कआउट में वैरायटी लाएं ताकि इसमें आपको मजा भी आए और आपको बेस्ट रिजल्ट मिल सकें।

चौथी - वर्कआउट खत्म करने की जल्दी

यह गलती हम सभी ने कभी ना कभी अवश्य की है। दरअसल, जब हम वर्कआउट शुरू करते हैं तो हम उसके लिए पहले से ही समय सुनिश्चित कर लेते हैं और फिर तय समय सीमा में अपना वर्कआउट खत्म करने के चक्कर में हम बैक टू बैक एक्सरसाइज करते जाते हैं, जिससे शरीर को बिल्कुल भी रिलैक्स नहीं मिलता और कभी-कभी मसल्स में चोट भी आ जाती है। इसलिए वर्कआउट सेशन खत्म करने की जल्दी ना करें, बल्कि हर एक्सरसाइज को सही तरह से करें। अगर आप किसी एक्सरसाइज के तीन सेट कर रहे हैं तो एक खत्म करने के बाद कुछ सेकंड्स के लिए रूकें और तभी दूसरा सेट शुरू करें।

पेट ठीक से साफ नहीं होता तो खाना बनाने में उपयोग करें यह औषधि

हींग भारतीय खान-पान में सदियों से उपयोग किया जा रहा है। यह एक तरह की आयुर्वेदिक औषधि भी है, जिसे इसके गुणों के आधार पर रेचक प्रकृति का माना जाता है। आयुर्वेद में रेचक उन खाद्यपदार्थों को कहते हैं, जो हमारा पाचनतंत्र और मलमार्ग साफ करने और मल के निकलने की क्रिया में सुधार करने का कार्य करते हैं...

इस समस्याओं से दिलाता है मुक्ति

- अपनी डेली डायट में हींग का सेवन करनेवाले लोगों को पेट फूलने की समस्या नहीं होती है।
- नियमित रूप से हींग मिलाकर भोजन तैयार किया जाए और उसका सेवन किया जाए, पेट में गैस बनने और अपच की समस्या नहीं होती है।
- जिन लड़कियों और महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत अधिक दर्द और मरोड़ की समस्या होती है, उन्हें नियमित रूप से हींग का सेवन करना चाहिए।

बच्चों के लिए विशेष लाभकारी

- बच्चों के पेट में कीड़े हो जाने की समस्या बहुत ही आम है। हालांकि यह दिक्कत किसी भी उम्र के लोगों के साथ हो सकती है लेकिन मुख्य रूप से बच्चों में देखने को मिलती है।
- इसलिए बच्चों के लिए कोई भी डिश तैयार करते समय उसमें थोड़ा-सा हींग अवश्य डालें। इससे दो फायदे होंगे। पहला यह कि बच्चे का पेट साफ रहेगा और उसकी लंबाई ठीक से बढ़ेगी।
- साथ ही बड़ा होने पर उसे हींग का टेस्ट अजीब नहीं लगेगा। इससे वह अपनी नियमित डायट में इसका उपयोग कर पाएगा और जीवनभर कई तरह की बीमारियों से बचा रहेगा।

कान के दर्द से छुटकारा दिलाए

- अगर कभी अचानक किसी को कान में दर्द हो जाए तो हींग एक पेनकिलर की तरह आपको जल्द राहत दे सकता है। इसके लिए आप छोटी कटोरी में एक चम्मच नारियल का तेल गर्म करें और इसमें हींग का छोटा टुकड़ा डालकर पिंघलने दें।
- जब यह हींग नारियल तेल में अच्छी तरह घुल जाए तो इस तैयार मिश्रण को आप इयर ड्रॉप की तरह उपयोग करते हुए कान में डालें। ध्यान रखें कि तेल गर्म ना हो। नारियल का तेल मसल्स को रिलैक्स करने के काम करता है तो हींग जलन, सूजन और दर्द को दूर करता है।

पेट दर्द करे दूर

- यदि आपके पेट में अचानक दर्द हो जाए और उस समय आपके पास कोई भी दवाई उपलब्ध ना हो तो हींग आपके लिए दर्द निवारक औषधि की तरह काम कर सकता है।
- आप दो चुटकी हींग लेकर इसे आधा चम्मच पानी में घोल लें। अब इस हींग मिले पानी में रुई का छोटा पीस भिगोकर उसे अपनी नाभि में रखकर लेट जाएं। इसके साथ ही थोड़ा-सा हींग मिला पानी पूरे पेट पर हल्के हाथों से लगा लें। मात्र 5 से 10 मिनट के अंदर आपको राहत मिल जाएगी।

चेहरे पर गहरे भूरे धब्बे हो सकते हैं इस बीमारी का लक्षण, जानें कारण और इलाज

हमारे शरीर के लिए सूरज की धूप बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर को विटामिन डी आसानी से मिल जाता है। लेकिन धूप में ज्यादा समय तक रहने के फायदे और नुकसान दोनों हैं। जब हम बिना सनस्क्रीन लगाए धूप में जाते हैं तो हमारी त्वचा धूप से झुलस जाती है। इसके परिणामस्वरूप हमारा मस्तिष्क मेलेनिन ग्रंथियों को मेलेनिन का उत्पादन करने के लिए निर्देश देता है।

मेलेनिन एक प्रकार का हार्मोन होता है जिससे हमारी त्वचा के रंग का पता लगता है। जब यह किसी कारण असामान्य रूप से उत्पन्न होता है तो इसके कारण चेहरे पर गहरे भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं। इस समस्या को मेलाज्मा कहते हैं। मेलाज्मा चेहरे पर होने वाली एक बेहद सामान्य समस्या है। इस बीमारी में चेहरे पर हल्के भूरे रंग के पैच बन जाते हैं।

मेलाज्मा होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे -

- बिना सनस्क्रीन के धूप में बाहर जाना या ज्यादा तापमान में रहना
- दवाइयों के कारण
- अनुवांशिक
- हार्मोनल परिवर्तन
- गर्भावस्था के दौरान
- गर्भनिरोधक गोली के कारण

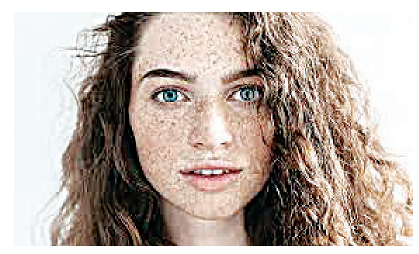

मेलाज्मा के लक्षण

- चेहरे पर गहरे और भूरे रंग के दाग धब्बे होना
- चेहरे पर गहरी परत बनना
- गालों पर धब्बे बनना
- जबड़े के आसपास धब्बे पड़ना
- गले पर गहरी लाल रेखा बनना
- थोड़ी और चीकबोन्स पर धब्बे दिखाई देना

मेलाज्मा का इलाज

हल्दी से आप मेलाज्मा की समस्या को दूर कर सकते हैं। इसके लिए हल्दी में दूध मिलाकर चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं। इसके बाद ताजे पानी से चेहरा धो लें।

- धूम्रपान और शराब का सेवन करने से बचें।
- अधिक मिर्च मसाले नमकीन और बैंगन खाने से परहेज करें।
- जंक और ऑइली फूड का सेवन करने से बचें।
- अधिक चीनी वाली चीजों को खाने से बचें।
- भरपूर मात्रा में पानी का सेवन करें।
- धूप में बाहर निकलने से पहले spf30 युक्त सनस्क्रीन लगाएं। त्वचा को सूरज की तेज किरणों से बचा कर रखें।
- डाइट में विटामिन सी और ई को शामिल करें।

अपने तनाव पर अगर पाना है काबू तो ध्यान लगाना सीखिए

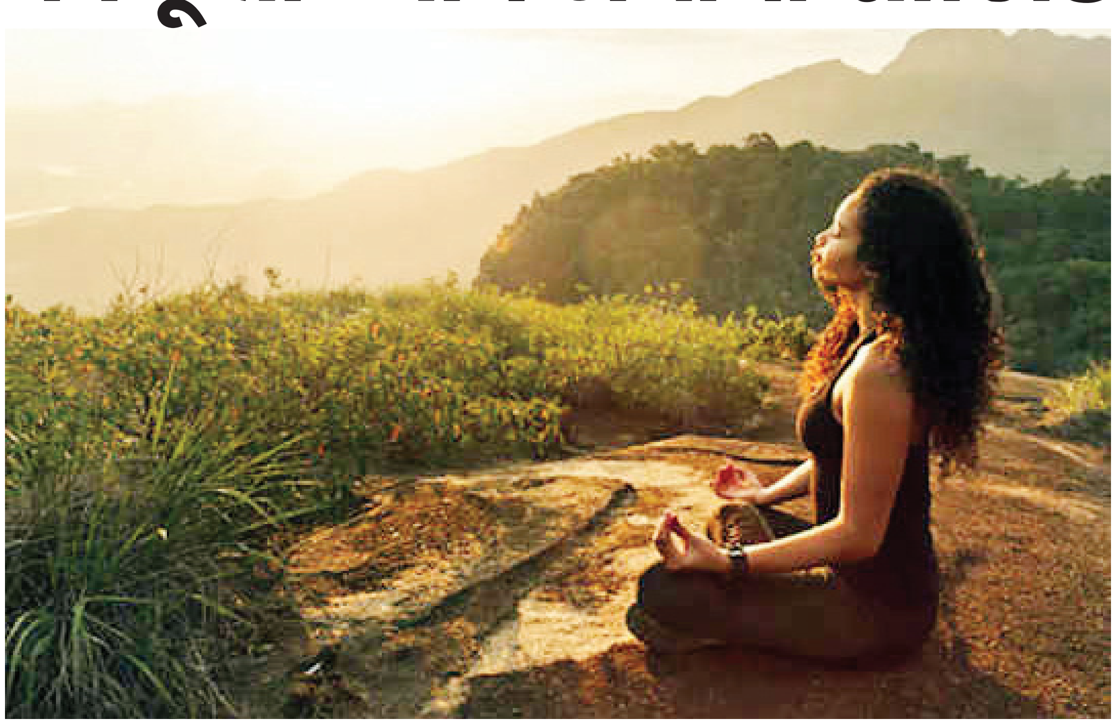

जीवन में व्याप्त परेशानियां, दुख और कष्टों से संघर्ष करते हुए जब व्यक्ति निराश हो जाता है तो वह आध्यात्म का सहारा लेता है। अध्यात्म और दर्शन से उसे जो बल मिलता है उससे सभी परेशानियां को वह आसानी से हल कर लेता है।

ध्यान के शारीरिक और मानसिक बहुत से फायदे हैं। जब हम एक बार ध्यान लगाना सीख लेते हैं, तब हम हमारे पास अंतर में हर समस्या का समाधान तैयार होता है। ध्यान दो प्रकार से हमारी मदद करता है। पहला, यह हमें शारीरिक तौर पर शांत करता है। दूसरा, हम इसके जरिए उस अवस्था में पहुंच जाते हैं जहां हमें प्रभु के प्यार और परमानंद की प्राप्ति होती है। ध्यान के समय हमारी सांसारिक समस्याएं ज्यों की त्यों रहती हैं, पर ध्यान के जरिए हम प्रभु की याद और उसके आनंद में इतने डूबे रहते हैं कि हमें अपनी समस्याओं और दुखों-दर्दों का आभास नहीं होता है।

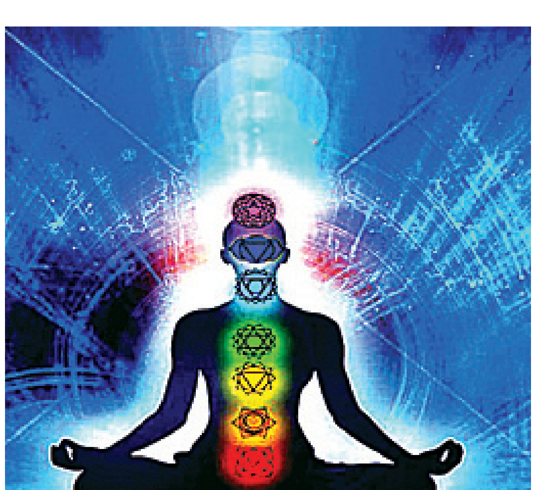

सांसारिक तनाव और दबाव होने के बावजूद हमारे विचार, सोचने की शक्ति और भावनाओं में संतुलन रहता है। हम अपने तनाव पर आसानी से काबू पा लेते हैं। इस प्रकार ध्यान के द्वारा हम जिंदगी जीने का वह तरीका सीख लेते हैं जिससे हम अपने सांसारिक तनावों पर काबू पा लेते हैं। इस विद्या के माध्यम से हम सुख, शांति और चैन का रास्ता खोज लेते हैं।वहीं आज लोग चिंता, दहशत, उदासी, और आधारहीन डर के आलम से गुजर रहे हैं। लोग जिंदगी के दुखों का सामना नहीं कर पाते। यही कारण है कि मनोचिकित्सकों, मनोविज्ञानिकों और हृदय-चिकित्सकों के कक्ष आज भरे हुए नजर आते हैं। हम आर्थिक रूप से घोर विपत्ति के आलम में हैं। हम टूटे हुए वैवाहिक रिश्तों और उजड़े हुए घरों को बसाने का यत्न कर रहे हैं। कुछ लोग उस उदासी के माहौल से चिंतित हैं, जो उनके किसी प्यारे के चले जाने के डर से उत्पन्न हो सकता है।

ये हलचल और तनाव सिर्फ हमारे मन पर ही असर नहीं करते। हमारी दिमागी तौर पर अस्वस्थ हालत कई प्रकार की बीमारियों को जन्म देती है। अध्ययन ने साबित कर दिया है कि जब हम गुस्से में होते हैं, या बहुत ज्यादा भावुक होते हैं, तब हमारे शरीर में एक अजीब तरह की हरकत होती है जो हमें लड़ने या सब कुछ छोड़ कर भाग जाने के लिए विवश करती है। पर हम सामाजिक नियमों से डर से चुपचाप सब सह लेते हैं और अंदर ही अंदर घुलते रहते हैं।

इसका असर यह होता है कि हम शारीरिक रूप से प्रभावित होते हैं और कई प्रकार की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं, पिछले कुछ वर्षों से भावनाओं के तूफान और तनाव को खत्म करने के लिए लोगों का रुझान ध्यान की ओर हुआ है।

बार-बार निकले मुंहासे, तो ठीक करने करें ये उपाय करें

अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर बंद हो जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो आगे चलकर एक्ने का कारण बनते हैं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता होती है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका प्रभाव ज्यादा होता है। आइए हम आपको एक्ने के उपचार के लिए आयुर्वेद तरीकों के बारे में बताते हैं।

एक्ने की समस्या : कुछ लड़कियों को पीरियड्स से पहले बार-बार मुंहासे निकल आते हैं जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते हैं। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के ज्यादा सिक्रीशन की वजह से भी होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे जैसे बन जाते हैं। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते हैं। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीबम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते हैं, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और ज्यादा फैल सकता है।

दरअसल टीनेज में हार्मोंस में लगातार बदलाव आते रहते हैं, नतीजन चेहरे पर दाग, धब्बे, मुंहासे और एक्ने की समस्या होने लगती हैं। एक्ने ऐसी समस्या है जो आमतौर पर टीनेज और युवावस्था में अधिक होती है। अगर आपके परिवार में पहले भी परिवार वालों को एक्ने रहे हैं यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है तो भी आपको इससे बचाव के लिए तैयार रहना चाहिए। एक्ने त्वचा का एक विकार है। एक प्रकार से यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। गाय के ताजे दूध में चिरौंजी पीसकर इसका लेप बनाकर चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें। इससे एक्ने की समस्या से निजात मिलेगी।

चमेली के तेल को सुहागा में मिलाकर रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें। इससे चेहरे पर होने वाली जलन पर बहुत आराम मिलेगा। मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।

डायबिटीज को नियंत्रित करने में मदद करता है अमरूद और संतरा

अमरुद और संतरा प्राकृतिक रुप से डायबिटीज को नियंत्रित करने में मदद रहते हैं। अमरूद डाइड्री फाइबर का अच्छा सोर्स है। फाइबर ब्रेकडाउन होने में और पचने में काफी लंबा समय लेते हैं। ऐसे आहार जो पचने में समय लेते है वे एकदम से होने वाले ब्लड शुगर स्पाइक को कंट्रोल करते हैं। इसके साथ ही साथ अमरूद में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। ग्लाइसेमिक इंडेक्स यानी जीआई कार्बोहाइड्रेट की रिलेटिव रेंकिंग है। यह आपके ब्लड ग्लूकोज का स्तर तय करता है। डायबिटीज या मधुमेह के मरीजों को लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स (55 से कम) फूड लेना चाहिए। यह अचानक से होने वाले ब्लड शुगर स्पाइक को कंट्रोल करता है। ऐसे कई मसाले हैं जो गुणों से भरपूर हैं। दालचीनी डायबिटीज में मददगार साबित हो सकती है दालचीनी पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में फायदेमंद है। इससे ग्लूकोज और ट्रेग्लासराड्स जो कि एक तरह का फैट है, के स्तर को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। यह डायबिटीज और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने का काम करता है और साथ ही साथ दिल के रोगों के लिए भी बहुत बढ़िया है। डायबिटीज कम करने के लिए रोज सुबह पानी में दालचीनी डाल कर पी लें। संतरे की प्रजाति के फल जैसे नींबू, संतरा, कीनू वगैरह डायबिटीज सुपरफूड हैं। इन्हें डायबिटीज से बचने के लिए अपने आहार में जरूर शामिल करें। संतरे में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। आप इन्हें सलाद में, रस या ऐसे ही कच्चा खा सकते हैं। मधुमेह को दूर करेगी गाजर क्रंची और पोषण से भरपूर गाजर किसे नहीं पसंद। सर्दियों में गाजर का रस, गाजर की सब्जी और गाजर का हलवा खूब पसंद किया जाता है। गाजर में फाइबर भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो खून में शुगर रिलीज को धीमा करते हैं। इसके साथ ही साथ गाजर का ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी बहुत ही कम होता है, जो इसे डायबिटीज के लिए अच्छा आहार बनाता है।

स्वास्थ्य

प्रोटीन का करें पर्याप्त सेवन

शरीर के बेहतर विकास के लिए प्रोटीन का भरपूर मात्रा में सेवन करें। प्रोटीन की कमी से शरीर में कई प्रकार के रोग लग जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर के अच्छे विकास के लिए प्रोटीन के सेवन पर जरूर ध्यान देना चाहिए पर इसकी अधिकता भी नुकसान देह है, इसलिए सही मात्रा लेना जरुरी है। प्रोटीन युक्त आहार का कितनी मात्रा में सेवन करना चाहिए, इसे जानने के कई तरीके हैं। आजकल फिटनेस एप्लिकेशन मौजूद हैं, जो आपको प्रोटीन के सेवन की मात्रा संबंधी जानकारी दे सकते हैं।

प्रोटीन का सेवन करने का संबंध स्वस्थ व संतुलित आहार के सेवन से हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि प्रोटीन एक बेहद जरूरी अवयव है, जिसका सेवन सभी के लिए जरूरी है, क्योंकि यह शरीर के उत्तकों की मरम्मत करने और उनका पुनर्निमाण करने में सहायक होता है, जबकि प्रोटीन का बहुत ज्यादा सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी साबित हो सकता है।

प्रोटीन के सेवन के साथ ही अन्य पोषक तत्वों के सेवन पर भी ध्यान दें, जो आमतौर पर शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं।

प्रोटीन युक्त आहार का बहुत ज्यादा मात्रा में सेवन करने से वजन बढ़ने की संभावना होती है, इसलिए संतुलित मात्रा में ही इसका सेवन करें।

बहुत ज्यादा प्रोटीन युक्त आहार लेने से पाचन में दिक्कत हो सकती है, जिससे कब्ज और डायरिया जैसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

भगवान परशुराम भवन का शिलान्यास कार्यक्रम चढ़ा राजनीति की भेंट, अखाड़े में तब्दील हुआ मंच चले लात-घूंसे

झज्जर,(ईएमएस)। झज्जर जिले के सेक्टर-9 में ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित भगवान परशुराम भवन का शिलान्यास कार्यक्रम पूरी तरह से राजनीति की भेंट चढ़ गया। जिस मंच से समाज को एकता और शक्ति का संदेश दिया जाना था, वही मंच आपसी कलह और हंगामे का अखाड़ा बन गया। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस की मौजूदगी में ही नेताओं और समर्थकों के बीच जमकर लात-घूंसे चले, जिसके बाद आयोजकों को मजबूरन कार्यक्रम रद करना पड़ा। बता दें कि कार्यक्रम की शुरुआत तो काफी शांतिपूर्ण तरीके से हुई थी। केंद्रीय मंत्री अरविंद शर्मा शिलान्यास पत्थर रखकर कार्यक्रम से रवाना हो चुके थे, लेकिन उनके जाने के कुछ ही देर बाद मंच पर मौजूद नेताओं के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। फिर क्या था, देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मंच पर ही धक्का-मुक्की और मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स भी वहीं मौजूद थे।

तेलंगाना के महालक्ष्मीवाड़ा इलाके में फ्रिज फटने से 2 लोगों की मौत

हैदराबाद,(ईएमएस)। तेलंगाना के निर्मल जिले के महालक्ष्मीवाड़ा इलाके में दर्दनाक हादसे में फ्रिज फटने से 2 लोगों की मौत हुई है। घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। महालक्ष्मीवाड़ा क्षेत्र में एक दुखद हादसा सामने आया, जहां एक घर में रखा फ्रिज अचानक फट गया। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण फ्रिज में यहां विस्फोट हुआ, जिसके बाद घर में तेजी से आग फैल गई। इस हादसे में विजय नाम के व्यक्ति और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना अचानक हुई। फ्रिज के फटने के साथ ही तेज धमाका हुआ और कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है और हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है।

आग से जली छात्रा के परिजनों से मिलने अस्पताल पहुंची महिला एवं बाल विकास मंत्री राजवाड़े

सूरजपुर,(ईएमएस)। बीते दिनों 17 साल की छात्रा 95 फीसदी तक जली थी। इसके बाद छात्रा को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां उसकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। पीड़िता के परिवार वालों से मिलने के लिए खुद महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े उनके घर पहुंची। मंत्री राजवाड़े ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें हर संभव मदद दिलाने का भरोसा दिया। दरअसल, गंभीर रुप से जली हालत में छात्रा खेत में छटपटा रही थी। तभी मौके से गुजर रहे ग्रामीणों ने ये देखकर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तक्काल छात्रा को वहां से ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया। छात्रा की गंभीर हालत को देखकर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने डॉक्टरों से छात्रों को रायपुर रेफर करने का आदेश दिया। जिसके बाद मंत्री ने एंबुलेंस की व्यवस्था कर छात्रा को बेहतर इलाज के लिए रायपुर भिजवाया। फिलहाल ये साफ नहीं हुआ हैं कि छात्र आग में कैसे जली। छात्रा इस हालत में नहीं है कि पुलिस उसका बयान ले पाए। जिस जगह पर छात्रा मिली उस जगह पर वारदात के वक्त भी कोई प्रत्यक्षदर्शी मौजूद नहीं था। इस वजह से ये साफ नहीं हो पाया है कि छात्र कैसे आग में जली। पुलिस ये पता लगाने में जुटी हैं कि छात्रा ने खुद को आग लगाई या किसी और ने वारदात को अंजाम दिया है।

भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन के जरिए भेजी गई 12 किलो हेरोइन जप्त

बीएसएफ की टीमों ने चार युवकों को मौके से किया गिरफ्तार

श्रीगंगानगर,(ईएमएस)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई कर ड्रोन के जरिए भेजी गई 12 किलो हेरोइन की खेप को बरामद किया है। संयुक्त ऑपरेशन में सीआईडी, पुलिस और बीएसएफ की टीमों ने चार युवकों को मौके से गिरफ्तार किया, जो इस नशीले माल को उठाने पहुंचे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने समय रहते कार्रवाई कर बड़ी तस्करी को विफल किया। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर गहन पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में इनके तार अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े होने की संभावना है। यह पता लगाने की कोशिश हैं कि गिरोह के अन्य सदस्य कौन हैं। इनका नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को पहले से गुप्त सूचना मिली थी कि पाकिस्तानी तस्कर ड्रोन के माध्यम से हेरोइन की खेप भारतीय क्षेत्र में गिराने वाले हैं। इसके बाद तुरंत बॉर्डर क्षेत्र में ब्लॉकेड लगाकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। देर रात ड्रोन की आवाज सुनाई दी और कुछ ही देर बाद पैकेट्स गिरते दिखाई दिए। तलाशी लेने पर चार पैकेट्स में पैक कुल 12 किलो हेरोइन बरामद हुई। कार्रवाई के दौरान मौके से चार युवकों को गिरफ्तार किया। इसमें एक युवक पंजाब का निवासी है, जबकि दो गजसिंहपुर और एक रावला मंडी क्षेत्र निवासी है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह खेप पाकिस्तान से भेजी गई थी और आगे पंजाब में सप्लाई होना था।

असम सीएम की पत्नी के पास हैं तीन-तीन पासपोर्ट, अमित शाह कराएं जांच

-कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने हिमंत सरमा पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली,(ईएमएस)। असम विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनावी रैलियों के साथ नेता एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। रविवार को कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने असम के सीएम हिमंत विसवा सरमा पर निशाना साधा साथ ही उनकी पत्नी पर तीन-तीन देशों के पासपोर्ट होने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पवन खेड़ा ने कहा कि भारत की राजनीति में सिटिंग चीफ मिनिस्टर और उसके परिवार के खिलाफ इतना बड़ा खुलासा शायद ही पहले कभी हुआ हो, हम भी हैरान हैं। असम के सीएम हिमंत विसव सरमा और उनकी पत्नी पर जमीन हड़पने, मंदिर का चंदा हड़पने, सरकारी सब्सिडी हड़पने, चिट फंड जैसे कई घोटालों में इनके नाम आते रहे हैं, लेकिन आज जो हम आपके सामने दस्तावेज रख रहे हैं। वह ऐसे दस्तावेज हैं, जो भारत के बाहर से संबंधित हैं। पवन खेड़ा ने कहा कि चौंकाने वाली जानकारी यह है कि हिमंत विसव सरमा की पत्नी के पास एक-दो नहीं बल्कि तीन-तीन पासपोर्ट हैं। तीनों पासपोर्ट अभी तक एक्सपायर नहीं हुए हैं। उनके पास यूएई का गोल्डन कार्ड है। यह 14 मार्च 2022 को जारी हुआ जो 13 मार्च 2027 को एक्सपायर हो रहा है।

झारखंड समेत 6 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्टः अप्रैल के पहले हफ्ते में तीसरा वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव, इससे राजस्थान में ओले गिरेंगे

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादूनः देश के उत्तरी इलाकों में अप्रैल के पहले हफ्ते में तापमान 40°C के आसपास रहता है। कई राज्यों में लू चलती है। दक्षिणी और समुद्र किनारे बसे राज्यों में उमस भरा मौसम रहता है। लेकिन इस बार पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। तटीय राज्यों में बारिश, मैदानी इलाकों में ओले गिर रहे हैं। तापमान भी 35°C से कम या आसपास है। इसका कारण है लगातार आ रहे पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस)। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मार्च-अप्रैल में अमूमन इतने ज्यादा विक्षोभ नहीं बनते। इनका असर उत्तर भारत में देखने को मिलता है। इस बार इनकी पोजिशन उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में है। इसे अरब सागर के साथ बंगाल की खाड़ी से भरपूर नमी मिली और जमकर आंधी-बारिश हुई।

अकेले मार्च में देश पर 8 पश्चिमी विक्षोभों का असर पड़ा, जबकि सामान्य तौर पर यह संख्या 5 या 6 होती है। 13 मार्च से अब तक 6 पश्चिमी विक्षोभ आ चुके हैं। 6 अप्रैल को एक नया सिस्टम बनेगा। इसका असर आज से शुरू हो गया है। असम, मेघालय, अरुणाचल, केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। झारखंड में ओले-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड के चार जिलों उत्तरकाशी, पौड़ी, बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में दोपहर बाद बारिश हो रही है। वहीं रुद्रप्रयाग की केदारघाटी में बारिश हो रही है। इसके अलावा नैनीताल, अल्मोड़ा, चमोली, देहरादून और पिथौरागढ़ में काले घने बादल छाए हैं। 3300 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश के साथ बर्फबारी भी हो सकती है।

रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, ओडिशा, बंगाल, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में आज बारिश का यलो अलर्ट है।

अप्रैल के मौसम से जुड़े 3 सवाल और उनके जवाब

क्यों गिरे ओलेः अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से एक साथ नमी पहुंची। वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय रहा। पंजाब और छग के आसपास चक्रवाती सिस्टम बना। इन सभी सिस्टम के एक साथ एक्टिव होने से ओलावृष्टि हुई।

दोपहर बाद ही आंधी-ओले-बारिश क्योंः विक्षोभ एक्टिव होने के बाद अमूमन दोपहर बाद ही आंधी चलती है और बारिश होती है। दरअसल, विक्षोभ सक्रिय होने के बाद एक सर्क्युलेटरी सिस्टम बना। दिन में बढ़ता तापमान इस सिस्टम को एनर्जी देने का काम करता है, इसलिए दोपहर बाद ही ओले-बारिश का दौर शुरू होता है।

गर्मी का असर कब और कितनाः 15 अप्रैल के बाद मौसम स्थिर होगा। उत्तर-पश्चिम से लेकर मध्य और पूर्वी भारत में गर्मी धीरे-धीरे बढ़ेगी। हालांकि, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में अप्रैल में लू के दौर छोटे रहेंगे।

राजस्थानः आज भी ओले गिरने की चेतावनीः13 जिलों में आंधी-बारिश का भी अलर्ट

प्रदेश में कल से एक नया सिस्टम एक्टिव होगा। इसके असर से 13 जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से शनिवार को भी कई जिलों में देर शाम घने बादल छाए, तेज हवा चलने के साथ बारिश और ओले गिरे। उदयपुर में 32MM से ज्यादा बरसात हुई। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ। वहीं, इन एरिया में तापमान में भी गिरावट हुई।

उत्तर प्रदेशः आंधी-बारिश से कानपुर में 200 पेड़-पोल उखड़े, 12 की मौत, 3 जिलों में बारिश का अलर्ट

शनिवार शाम को शुरू हुई बारिश रविवार सुबह भी जारी रही। काशी, गोंडा और सल्तानपुर में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। अलग-अलग जगहों पर 200 से ज्यादा पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 48 घंटे में 12 लोगों की मौत हो गई। रविवार को 23 जिलों में बारिश और 15 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है।

उत्तराखंडः केदारनाथ-पिथौरागढ़ में बर्फबारी, उत्तरकाशी में ओले गिरे, पहाड़ों में बारिश का यलो अलर्ट

पहाड़ी जिलों में आज बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही 3300 मीटर या उससे ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश के साथ बर्फबारी भी हो सकती है।

राहुल गांधी ने कहा- कांग्रेस लोगों को जुबिन गर्ग की तरह एकजुट करने का काम करती है

विश्वनाथ चरियाली (असम): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा और भाजपा पर हमला बोला. रविवार को एक जनसभा में कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी की विचारधारा प्रसिद्ध संगीतकार जुबिन गर्ग जैसी है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन असम को एकजुट करने में लगाया. विश्वाथ जिले में एक चुनावी जनसभा में राहुल गांधी ने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी. कांग्रेस नेता ने कहा, ''जुबिन गर्ग ने अपना पूरा जीवन असम के लोगों को एकजुट करने में लगाया, उन्होंने कभी किसी के साथ गलत व्यवहार नहीं किया. कांग्रेस की विचारधारा भी ऐसी ही है, नफरत के खिलाफ प्यार फैलाने की.'' गांधी ने आरोप लगाया कि सरमा के नेतृत्व वाली राज्य की भाजपा सरकार लोगों और समुदायों के बीच नफरत फैला रही है. उन्होंने कहा,

''उन्हें कुछ दिन और बोलने दीजिए. इसके बाद असम में कांग्रेस की सरकार बनेगी और कानूनी कार्रवाई होगी, भले ही वह माफी क्यों न मांगें.''

उन्होंने आगे राज्य नेतृत्व पर असम के लोगों के बजाय कुछ खास कॉर्पोरेट ग्रुप के फायदे के लिए काम करने का आरोप लगाया. गांधी ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समेत केंद्रीय नेतृत्व पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि असम के रिसोर्स "सपोर्ट" के लिए उद्योगपतियों को सौंपे जा रहे हैं. गांधी ने कहा कि दिल्ली में बैठे उनके बिजनेस पार्टनर, अमित शाह और नरेंद्र मोदी ने आपको अपना व्यक्तिगत एटीएम बना लिया है. कांग्रेस के घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र में कई भलाई के वादे किए गए हैं. जिसमें असम में छह समुदायों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का दर्जा देना और ऊपरी असम के एक अहम चुनावी इलाके, चाय बागानों में काम करने वालों के लिए 450 रुपये प्रतिदिन की प्रस्तावित मज़दूरी शामिल है. उन्होंने कहा कि जैसे ही हम असम में सरकार बनाएंगे, हम असम के लिए लिए गए छह फैसलों को लागू करेंगे.

उदित राज बोले- असम में एंटी इनकंबेंसी, निष्पक्ष चुनाव हुए तो कांग्रेस जीतेगी चुनाव

जयपुरः कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व सांसद उदित राज का कहना है कि असम में हेमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी है. अगर निष्पक्ष चुनाव हुए तो कांग्रेस पार्टी की जीत होगी. रविवार को एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने जयपुर आए कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि असम में कांग्रेस पार्टी इस बार चुनाव जीत सकती है, क्योंकि भाजपा में बगावत है. हेमंत बिस्वा कांग्रेस से भाजपा में गए हैं, इसलिए भाजपा के मूल कैडर और आरएसएस में उन्हें लेकर नाराजगी है. भाजपा के लोग बदमाशी करते हैं. चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है. वो जनता का आयोग नहीं रहकर बीजेपी का हो गया है. उदित राज ने आरोप लगाया कि असम में अगर कांग्रेस पार्टी जीत भी रही होगी तो ईवीएम और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके कांग्रेस पार्टी को चुनाव हरा देंगे. जैसे इन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र में किया था. उन्होंने दावा किया कि बिहार में SIR के बाद 1.32 लाख वोटर ऐसे थे, जिनके नाम पते सही नहीं थे. भाजपा हर चुनाव में घुसपैठियों का मुद्दा उछालती है. असम में 10 साल से भाजपा की सरकार है.

दिल्ली में एलपीजी की कोई कमी नहीं, घबराने की जरूरत नहींः सीएम

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे घबराएं नहीं और गैस एजेंसियों या केंद्रों पर भीड़ न लगाएं। सीएम ने कहा कि लोग एलपीजी गोदामों पर जाने से बचें। प्रशासन लगातार कोशिश कर रहा है कि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस की सप्लाई मिलती रहे। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 3 अप्रैल को 1,11,504 बुकिंग दर्ज की गईं, जबकि तेल कंपनियों ने 1,26,379 सिलेंडर की डिलीवरी की। इससे पहले की लंबित बुकिंग भी काफी हद तक पूरी कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की औसत डिलीवरी का समय घटकर करीब चार दिन रह गया है। इससे लोगों को घर बैठे समय पर गैस मिल रही है। दिल्ली सरकार के खाद्य, आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में जरूरी सामान की आपूर्ति मांग से ज्यादा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए दिल्ली

पुलिस ने शहर के 22 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान उत्तर रोहिणी थाने में एक मामला दर्ज किया गया, जहां अवैध रूप से रखे गए छह सिलेंडर बरामद हुए। उन्होंने यह भी बताया कि शिकायतों के लिए 011-23379836 नंबर के साथ एक कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां आने वाली हर शिकायत पर नजर रखी जा रही है, ताकि जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्ती से कार्रवाई की जा सके। दिल्ली सरकार ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई को लेकर नियम कड़े कर दिए हैं। अब जिन इलाकों में पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी की सुविधा उपलब्ध है, वहां व्यवसायों को एलपीजी लेने के लिए पीएनजी कनेक्शन लेना या उसके लिए आवेदन करना अनिवार्य होगा। खाद्य, आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग ने 2 अप्रैल को इस संबंध में आदेश जारी किया है।

विदेश यात्रा करने वाले पुजारियों को मंदिर के गर्भगृह में पूजा करने की अनुमति नहीं

आंध्र हाईकोर्ट ने एंडोमेंट डिपार्टमेंट के सर्कुलर को लागू करने को कहा

अमरावती,(ईएमएस)। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने विदेश यात्रा करने वाले पुजारियों के मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश पर बड़ा फैसला लिया है। आंध्र प्रदेश कोर्ट ने एंडोमेंट डिपार्टमेंट के उस सर्कुलर को लागू करने का आदेश दिया, जिसमें बताया गया हैं कि विदेश गए पुजारी मुख्य गर्भगृह में पूजा नहीं कर सकते। आंध्र हाईकोर्ट ने आदेश में स्पष्ट किया कि मंदिरों के रीति-रिवाज और त्यौहार आगम शास्त्र और परंपराओं के अनुसार ही संपन्न होने चाहिए।

आध्रं हाईकोर्ट ने एंडोमेंट डिपार्टमेंट के प्रधान सचिव और कमिश्नर को धार्मिक परिषद और श्रृंगेरी शारदा पीठम की गाइडलाइंस लागू करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश जस्टिस निम्मगड्डा वेंकटेश्वरलू ने इस संबंध में आदेश जारी किया। मामला विजयवाड़ा के दुर्गा मल्लेश्वर स्वामीवरला मंदिर से

जुड़ा था, जिसमें श्री चक्र नववर्ण अर्चना परायणदार सुब्रह्मण्यम ने याचिका दाखिल की। याचिकाकर्ता का कहना था कि 10 नवंबर 2010 के सर्कुलर के अनुसार विदेश यात्रा कर चुके पुजारी गर्भगृह में प्रवेश नहीं कर सकते। याचिकाकर्ता के वकील के.आर.श्रीनिवास ने बताया कि सिर्फ खानदानी और अनुशासित पुजारी ही मुख्य गर्भगृह में पूजा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी यात्रा करने वाले पुजारियों को मंदिर के बाहर पूजा और व्रत के लिए अनुमति है, लेकिन गर्भगृह में प्रवेश की इजाजत नहीं है। श्रृंगेरी शारदा पीठम के महातीर्थ भारतीस्वामी के स्टैंडर्ड के अनुसार, गर्भगृह में जाने वाले पुजारी को तीन दिन की संध्या वंदना, गुरु उपदेश, मंत्र जाप, वैदिक अध्ययन और कड़ा आध्यात्मिक अनुशासन पूरा करना अनिवार्य है।

स्टैंडर्ड में कहा गया कि जो पुजारी विदेश गए हैं और जिन्होंने परंपराओं के खिलाफ अपने बाल कटवाए हैं, उन्हें पवित्र स्थान में प्रवेश करने और पूजा करने की अनुमति नहीं होगी। एंडोमेंट डिपार्टमेंट के वकील ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि सर्कुलर और स्टैंडर्ड का पालन किया जाएगा।

इस फैसले से मंदिरों में परंपराओं और आगम शास्त्रों का सम्मान सुनिश्चित होगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धार्मिक रीति-रिवाज और पूजा विधियों में किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया है कि विदेश यात्रा करने वाले पुजारियों को मुख्य मंदिर के गर्भगृह में पुजारी के रूप में सेवा करने की अनुमति नहीं है, और उन्हें केवल बाहरी पूजा कार्यों तक ही सीमित रखा जाएगा। इस तरह हाईकोर्ट ने मंदिरों में धार्मिक अनुशासन और परंपरा बनाए रखने के लिए एंडोमेंट डिपार्टमेंट और धार्मिक संस्थाओं की गाइडलाइंस का पालन अनिवार्य कर दिया है।

26 साल पुराने गबन मामले में तत्कालीन प्रबंधक प्रदीप कुमार नीखरा गिरफ्तार

रायपुर,(ईएमएस)। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 26 साल पुराने गृह निर्माण ऋण गबन मामले में सरकारी आवास संघ, मर्यादित भोपाल के तत्कालीन प्रबंधक प्रदीप कुमार नीखरा को गिरफ्तार किया है। इसके पहले भी एसीबी ने 18 मार्च 2026 को गबन के मामले में दो आरोपी धावरदास माधवानी और बसंत कुमार साहू को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी प्रदीप कुमार निखरा के खिलाफ कई धाराओं में कार्रवाई की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदीप कुमार नीखरा को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 7 अप्रैल तक निखरा को पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। एसीबी इस दौरान आरोपी से गबन के मामले में पूछताछ करेगी। आरोपी प्रदीप साल 1995 से 1998 तक जरूरतमंद लोगों के लिए संचालित सरकारी आवासीय योजना के नाम पर ऋण राशि प्राप्त की गई थी। आरोप है कि आधुनिक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रायपुर के 186 सदस्यों के नाम पर 1-1 लाख रुपए कुल राशि 1 करोड़ 86 लाख रुपए का गृह निर्माण की राशि स्वीकृत कराया गया। भौतिक सत्यापन के दौरान अभिलेखों में दर्शाए गए स्थान पर ना तो मकान बनाया गया था और ना ही संबंधित हितग्राही को वहां पर मकान मिला।

लंबे समय तक नक्सलियों का गढ़ रहा खैरागढ़, नक्सलवाद से मुक्त

2001 से 2026 तक जिले में कुल 72 नक्सली घटनाएं हुई

खैरागढ़,(ईएमएस)। खैरागढ़ छुईखदान गंडई जिला लंबे समय तक नक्सलियों की हिंसा और विकास की रुकावट का सामना करता रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार 2001 से 2026 तक जिले में कुल 72 नक्सली घटनाएं हुईं, जिसमें हत्या के प्रयास, विस्फोट, आगजनी और डकैती जैसी गंभीर वारदातें शामिल थीं। इन हमलों में कई सुरक्षा बल शहीद और घायल हुए। साल 2003 में चंगुदा घाटी में प्रधान आरक्षक मधुशंकर बोराडे शहीद हुए, जबकि आरक्षक राजेंद्र चक्रवर्ती गंभीर रूप से घायल हुए। इसके बाद भी नक्सली हमले लगातार होते रहे, 2015 और 2016 में कई आरक्षक घायल हुए, और 2017 में सहायक आरक्षक सुखूराम तुलावी, उप निरीक्षक युगल किशोर वर्मा और आरक्षक कृष्णलाल साहू शहीद हुए। समय के साथ पुलिस और सुरक्षा बलों ने अपनी रणनीति बदली। लगातार अभियान और सरकार की सरेंडर नीति के चलते नक्सली संगठन कमजोर पड़ने लगा। जिले में तीन बड़ी आत्मसमर्पण की घटनाएं हुईः 17 लाख की इनामी कमला सोड़ी, 20 लाख के धनुष उर्फ मुन्ना और रोनी, तथा 45 लाख के इनामी नेटवर्क MCC से जुड़े 12 नक्सली। इन आत्मसमर्पणों से नक्सली नेटवर्क को बड़ा झटका लगा और खैरागढ़ जिला नक्सल मुक्त घोषित किया गया। लेकिन नक्सल मुक्त होने के बावजूद विकास की राह अब भी अधूरी है। जिले के कई अंतिम छोर के गांवों में बुनियादी सुविधाएं अभी भी नहीं पहुंची हैं। ग्वालगुंडी, समुंदानी, कटेमा और आमाटोला जैसे गांवों में आज भी बिजली नहीं है, और ग्रामीण सोलर पर निर्भर हैं। पानी की समस्या गर्मियों में और बढ़ जाती है, नल जल योजना अधूरी है। सड़कें भी कई गांवों तक नहीं पहुंच पाई हैं, जिससे ग्रामीणों को कई किमी पैदल चलना पड़ता है।

ईरान में फंसे 345 मछुआरों को बचाकर चेन्नई लाया गया...ज्यादातर मुछआरे तमिलनाडू से, सुरक्षित चेन्नई उतरे मछुआरों ने दिल से पीएम को कहा धन्यवाद

चेन्नई,(ईएमएस)। ईरान में फंसे 345 मछुआरों को बचाकर स्पेशल फ़्लाइट से चेन्नई लाया गया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत कर उनके अपने-अपने गृह जिले तक आगे की यात्रा में मदद की। हजारों भारतीय मछुआरे ईरान में रहते हैं, जहाँ वे मछली पकड़ने का काम करते हैं। बीते फरवरी के आखिर में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच लड़ाई शुरू होने के बाद ये भारतीय मछुआरे मुश्किल में पड़ गए। वे अपनी रोजी-रोटी नहीं चला पा रहे थे और भारत लौटने के लिए हवाई संपर्क भी नहीं था।

इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारें उन सभी को सुरक्षित बचाने और वापस लाने की तैयारी शुरु की थी लेकिन, ईरान के अंदर हवाई यात्रा पूरी तरह से बंद होने के कारण बचाव अभियान में देरी हुई। इस मद्देनजर ईरान में फंसे मछुआरों को बचाने के लिए चरणबद्ध ऑपरेशन

के पहले चरण के रूप में 345 भारतीय मछुआरों को ईरान से आर्मेनिया ले जाया गया और बाद में एक विशेष उड़ान के माध्यम से चेन्नई लाया गया। चेन्नई हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री गोयल ने शॉल देकर इन मुछवारों का स्वागत किया। विशेष उड़ान से आए 345 लोगों में से 327 तमिलनाडु के हैं। बाकी केरल से 10 लोग, पुडुचेरी से 5 लोग, गुजरात से 2 लोग, और ओडिशा से 1 व्यक्ति राज्यों से हैं। तमिलनाडु के 327 लोगों में से 175 कन्याकुमारी से हैं। तिरुनेलवेली के 80 लोग, रामनाथपुरम के 19 लोग, मयिलादुथुराई के 17 लोग, साथ ही नागाई, कुड्डालोर, विल्लुपुरम, चेन्नई और चेंगलपट्टू ज़िलों के मछुआरों को छह स्पेशल बसों से उनके अपने-अपने जिले के लिए रवाना हुए। इससे पहले मछुआरों का स्वागत करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, यह खुशी की बात है कि युद्ध से जूझ रहे ईरान में फंसे तमिलनाडु के मछुआरों को सुरक्षित लाया गया है। ईरान में उन्हें बहुत मुश्किल हालात का सामना करना पड़ा। उन्हें करीब 20 घंटे का सफर करके आर्मेनिया पहुंचाकर भारत वापस लाने के तरीके अपनाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गाइडेंस और विदेश मंत्री एस.जयशंकर के नेतृत्व में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने मछुआरों को सुरक्षित बचाने और वापस लाने के लिए दिन-रात बहुत मेहनत की। दरअसल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। तमिलनाडु के लोग ऐसी झूठी जानकारी पर यकीन नहीं करने वाले है। ये आरोप इसलिए लगाए जा रहे हैं क्योंकि डीएमके को आने वाले विधानसभा चुनावों में हार का डर सताने लगा है।

तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा, ईरान में फंसे तमिलनाडु के 327 मछुआरों सहित कुल 345 लोगों को सुरक्षित बचाकर चेन्नई लाया गया है। हर व्यक्ति को तमिलनाडु वापस लाने में 93,000 रुपये का खर्च आया। फिर भी यहां के लोग हम पर ही दोष निकलने वाले है। चेन्नई पहुंचे मछुआरों ने कहा, बीते महीने हम लोगों ने ईरान में बहुत मुश्किलें झेलीं। इसके बाद भारत सरकार से अपील की थी कि हमें बचाकर देश वापस लाए। हम लोगों कभी सोचा भी नहीं था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमें बचाने और वापस लाने के लिए इतनी जल्दी एक्शन ले सकते है। हम केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री का शुक्रिया अदा करते हैं।

डगमगाती कुर्सी को बचाने के लिए कैबिनेट में बड़े फेरबदल की तैयारी कर रहे राष्ट्रपति ट्रंप

वॉशिंगटन(ईएमएस)। ईरान के साथ जारी भीषण युद्ध के बीच अमेरिकी प्रशासन में बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। एक तरफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया को यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि स्थितियां उनके पूर्ण नियंत्रण में हैं, वहीं दूसरी ओर व्हाइट हाउस के भीतर रिजीम चेंज जैसा सियासी दबाव खुद ट्रंप सरकार पर बनता दिख रहा है। अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद अब कैबिनेट में बड़े स्तर पर फेरबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

करीब पांच हफ्तों से चल रही इस जंग का सीधा असर अब अमेरिकी जनता की जेब और राष्ट्रपति की लोकप्रियता पर दिखने लगा है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और महंगाई ने आम नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। हालिया सर्वे के अनुसार, ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग गिरकर महज 36 प्रतिशत रह गई है, जो उनके मौजूदा कार्यकाल का सबसे निचला स्तर है। व्हाइट हाउस के भीतर भी यह स्वीकार किया जा रहा है कि राष्ट्रपति का हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन जनता का भरोसा जीतने में विफल रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, ट्रंप अपनी टीम के कुछ प्रमुख सदस्यों के कामकाज से नाखुश हैं। नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड और कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक के नामों पर तलवार लटकती दिख रही है। बताया जा रहा है कि ट्रंप ने गबार्ड के विकल्पों पर अपने करीबियों से चर्चा शुरू कर दी है, जबकि लुटनिक अपने पुराने संबंधों को लेकर विवादों में घिरे हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर व्हाइट हाउस इन खबरों का खंडन कर रहा है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति छोटे लेकिन असरदार बदलावों की रणनीति पर काम कर रहे हैं ताकि सरकार की सक्रियता का संदेश दिया जा सके।ट्रंप के लिए सबसे बड़ी चुनौती जनता का मिजाज है। एक अनुमान के मुताबिक, लगभग 60 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक इस युद्ध के खिलाफ हैं। उन्हें डर है कि लंबी खिंचती यह लड़ाई देश पर भारी आर्थिक बोझ डाल देगी। ट्रंप के अपने समर्थकों में भी बढ़ती कीमतों को लेकर बेचैनी साफ देखी जा सकती है। इसके अलावा, ट्रंप युद्ध की मीडिया कवरेज से भी खासे नाराज हैं और अपनी टीम से अधिक सकारात्मक खबरें सुनिश्चित करने को कहा है। फिलहाल, वाशिंगटन के गलियारों में चर्चा आम है कि पाम बॉन्डी के बाद अभी कई और बड़े चेहरों की छुट्टी हो सकती है।

ट्रंप ने वीडियो जारी कर कहा- अमेरिकी सैनिकों ने कई ईरानी फौज के टॉप कमांडर्स को ढेर कर दिया

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए तेहरान पर हुए बड़े हमले की जानकारी साझा की है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि ईरानी राजधानी पर हुए हमले में वहां के शीर्ष सैन्य नेतृत्व को खत्म कर दिया गया है। ट्रंप ने इस कार्रवाई को टर्मिनेटेड (समाप्त) करार दिया है।

यह कार्रवाई राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा तेहरान को दी गई उस 48 घंटे की समयसीमा के दौरान हुई है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को नहीं खोला गया या वाशिंगटन के साथ समझौता नहीं किया गया, तो ईरान पर कयामत बरसाई जाएगी। तनाव उस वक्त और बढ़ गया जब पिछले 24 घंटों में ईरान ने दो अमेरिकी युद्धविमानों को मार गिराया, जो छह हफ्तों से जारी इस युद्ध में अमेरिका का अब तक का सबसे बड़ा नुकसान माना जा रहा है। हालांकि, पेंटागन ने पुष्टि की है कि ईरान में लापता हुए एक अमेरिकी सैनिक को रेस्क्यू कर लिया गया है। दूसरी ओर, इस युद्ध के बीच वॉशिंगटन की आंतरिक राजनीति में भी बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। रक्षा सचिव पेट हेगसेथ ने आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तुरंत पद छोड़ने और रिटायर होने का निर्देश दिया है। इसे ट्रंप प्रशासन द्वारा सैन्य नेतृत्व में किए जा रहे बड़े बदलावों के रूप में देखा जा रहा है। जनरल जॉर्ज अगस्त 2023 से इस पद पर थे, लेकिन हेगसेथ द्वारा अब तक कई शीर्ष जनरलों और एडमिरलों को हटाया जा चुका है।

ईरान ने इन हमलों और अमेरिकी दावों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान में स्थित ईरानी दूतावासों ने ट्रंप के रेजीम चेंज (सत्ता परिवर्तन) के आह्वान का मजाक उड़ाया है।

वेटिकन में सेंट पीटर बेसिलिया में पोप लियो ने कैंडल थामकर ईस्टर विजिल कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की विवादित टिप्पणी: संघर्ष छिड़ा तो कोलकाता तक पहुँचने की दी धमकी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने दी गीदड़ भभकी कहा- अबकी बार भारत को भीतर घुसकर मारेंगे

इस्लामाबाद(ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर में तबाही से बचने के लिए अमेरिका के तलबे चाटकर खुद को बचाने की जद्दो जहद करने वाला पाकिस्तान एक बार फिर गीदड़ भभकी देने लगा है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर भारत के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी करते हुए गीदड़ भभकी दी है। शनिवार को सियालकोट में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में दोनों देशों के बीच कोई संघर्ष होता है, तो वह केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसकी मार कोलकाता तक पहुँच सकती है।आसिफ ने बिना किसी ठोस सबूत के भारत पर फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन (छिपकर हमला करने की साजिश) का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर भारत की ओर से कोई भी सैन्य कार्रवाई की जाती है, तो पाकिस्तान उसका जवाब भारतीय क्षेत्र के काफी अंदर तक घुसकर देगा। रक्षा मंत्री ने आक्रामक लहजे में कहा कि अगली बार संघर्ष 200-250 किलोमीटर के दायरे तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हम उनके घरों तक जाएंगे।

पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि पाकिस्तान की किसी भी हिमाकत का निर्णायक और मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब पड़ोसी देश के किसी जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति या राजनयिक ने भारतीय शहरों को निशाना बनाने की बात कही हो। हाल ही में पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बसित ने भी दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों को दहलाने की धमकी दी थी।

विशेषज्ञ ख्वाजा आसिफ के इस बयान को पाकिस्तान की आंतरिक विफलताओं से ध्यान भटकाने और घरेलू राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश के रूप में देख रहे हैं। फिलहाल, भारत की ओर से इस गीदड़ भभकी पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सीमा पर चौकसी हमेशा की तरह सख्त बनी हुई है।

इराक की राजधानी बगदाद में लोग अमेरिका और इजरालल के ईरान पर हमले का विरोध करते हुए।

ईरान का दावा... अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल सी-130 कैटेगरी का विमान मार गिराया

तेहरान,(ईएमएस)। अमेरिका और इजराइल से सीधी जंग लड़ा रहे ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल सी-130 कैटेगरी का एक विमान मार गिराया। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि यह विमान इस्फहान के दक्षिणी इलाके में लापता अमेरिकी एयरमैन की तलाश में लगा हुआ था।

यह दावा तब सामने आया है, जब कुछ देर पहले ही ट्रम्प ने घोषणा की है कि लापता एयरमैन को स्पेशल ऑपरेशन चलाकर सुरक्षित बचाया गया है। ट्रम्प ने पोस्ट पर बताया कि यह अधिकारी एक कर्नल थे, जो एफ-15ई लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद लापता हो गए थे।

उन्होंने कहा, “हमारी सेना ने उस कर्नल को बचा लिया। पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने अपने इतिहास के सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक को अंजाम दिया। इससे एक दिन पहले उसी मिशन में एक और अमेरिकी पायलट को बचाया गया था। दूसरे ऑपरेशन को गोपनीय रखा गया ताकि दूसरे एयरमैन की लोकेशन खतरे में न पड़े।

वहीं ईरान ने अब दावा किया है कि इस्फहान में जिस अमेरिकी विमान को मार गिराया गया, वह सी-130 कैटेगरी का था। यह विमान उस मिशन में शामिल था, जो लापता अमेरिकी एयरमैन की तलाश के लिए चलाया जा रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस विमान को ईरान की पुलिस कमांडो यूनिट फराज रेंजर्स ने निशाना बनाकर नष्ट किया। एजेंसी ने दावा किया कि यह विमान हमलावरों को ईंधन पहुंचाने के काम में लगा हुआ था। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान ने एक और दावा किया है कि उसने इस्फहान शहर के ऊपर एक अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने ड्रोन को नष्ट किया। एमक्यू-9 रीपर ड्रोन आमतौर पर अमेरिका द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। यह लंबी दूरी तक उड़ान भर सकता है और निगरानी के साथ-साथ हमले करने में भी सक्षम होता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने इससे पहले भी इसतरह के ड्रोन गिराने का दावा किया है और मौजूदा युद्ध के दौरान कई एमक्यू-9 ड्रोन के नुकसान की खबरें सामने आई हैं।

इराकी जहाजों के लिए खुला है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, संघर्ष में इराकी लोगों का मिल रहा समर्थन

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच ईरान ने इराक की जनता को खास संदेश दिया है। ईरान ने इराक के लोगों के प्रति आभार जताते हुए उनसे और करीब आएं ईराकी भाई। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल इब्राहिम जुल्फघारी ने कहा कि इस पूरे संघर्ष में इराक के लोगों का समर्थन महसूस किया गया है। उन्होंने कहा कि इराक के लोगों का दिल, उनकी भावनाएं और उनका मजबूत रुख हमेशा ईरान के साथ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इब्राहिम ने कहा कि ईरान अकेला नहीं है और इराक के लोग उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। ईरान ने अमेरिका-इजराइल पर गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि इन देशों ने ईरान की संप्रभुता पर हमला किया है और महिलाओं, बच्चों और आम लोगों को निशाना बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल, अस्पताल और सार्वजनिक जगहों पर हमले किए गए हैं। सबसे अहम बात यह रही कि ईरान ने घोषणा की कि इराक को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर लगाए गए प्रतिबंधों से बाहर रखा गया है यानी इराक के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने में कोई रोक नहीं होगी। ईरान ने कहा कि यह प्रतिबंध सिर्फ दुश्मन देशों पर लागू हैं और वह इराक की संप्रभुता का सम्मान करता है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कहा कि जो देश दुश्मन नहीं हैं, उनके जहाज ईरानी पानी से गुजर सकते हैं, लेकिन इसके लिए पहले से जानकारी देना जरूरी होगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर 48 घंटे के अंदर कोई समझौता नहीं हुआ, तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि समय तेजी से खत्म हो रहा है और अगर जल्द फैसला नहीं हुआ तो बड़ा एक्शन लिया जाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के परमाणु ठिकाने के पास हमले के बाद लोगों को हटाया गया और ईरान ने भी इलाके में नए हमले शुरू करने की बात कही है।

ट्रंप का 48 घंटे वाला बयान “लाचार, नर्वस, असंतुलित और बेवकूफी भरा”

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे के अंदर हॉर्मुज जलडमरूमध्य खोलने की चेतावनी दी है, लेकिन तेहरान ने इस चेतावनी को हल्के में लिया और साफ कहा कि वह किसी दबाव में झुकने वाला नहीं है और इस तरह की धमकियों का मुंहतोड़ जवाब देगा।

अमेरिका की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब अमेरिका-इजराइल, ईरान पर दबाव बढ़ा रहे हैं। यह संघर्ष फरवरी के आखिर में संयुक्त हमलों के बाद शुरू हुआ था। इजराइली अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वे ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें वॉशिंगटन की मंजूरी का इंतजार है। अमेरिकी और ईरानी सेनाएं दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों के गिराए जाने के बाद एक लापता पायलट की तलाश कर रही हैं। यह स्थिति दिखाती है कि जंग में खतरा लगातार बढ़ रहा है, भले ही अमेरिका हवाई बढ़त का दावा कर रहा हो।

ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को काफी हद तक बंद कर दिया है, जो दुनिया के लिए तेल आपूर्ति का एक अहम रास्ता है। इसके चलते वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस बीच संघर्ष और फैल गया है। ईरान, इजराइल और उनके सहयोगी समूहों के बीच ड्रोन और मिसाइल हमलों की खबरें सामने आ रही हैं।

बता दें ट्रंप ने कहा था कि ईरान या तो समझौता करे या 48 घंटे के अंदर हॉर्मुज खोल दे। उन्होंने चेतावनी दी कि समय खत्म हो रहा है, 48 घंटे में उन पर कहर बरपेगा। हालांकि ट्रंप के बयान लगातार बदलते रहे हैं। कभी वह बातचीत की संभावना की बात करते हैं, तो कभी सैन्य कार्रवाई की धमकी देते हैं। इससे पहले उन्होंने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले को रोक दिया था, यह कहते हुए कि बातचीत जारी है।

अमेरिका ने किए 12,300 ठिकानों पर हमले, फिर भी ईरान के पास मिसाइलें-ड्रोन सुरक्षित

-ईरान के पास अभी भी मिडिल ईस्ट में भयानक तबाही मचाने का साजो सामान मौजूद

तेहरान,(ईएमएस)। अमेरिका की खुफिया रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि ईरान के पास अभी भी 50 फीसदी से ज्यादा मिसाइलें और कामिकाजे ड्रोन का जखीरा है यानि ईरान अभी हार नहीं मानने वाला जबकि ट्रंप ने दावा किया था कि मिसाइल भंडारों को खत्म कर दिया गया है। एक नए इंटेलिजेंस आकलन में दावा किया है कि ईरान के करीब 50 फीसदी मिसाइल लॉन्चर और कामिकाजे ड्रोन अभी भी सुरक्षित हैं। सूत्रों के हवाले से कहा है कि ईरान के पास अभी भी मिडिल ईस्ट में भयानक तबाही मचाने के साजो सामान मौजूद है। अमेरिका के 12,300 से ज्यादा ठिकानों पर हमले के बाद भी ईरान के 50 फीसदी मिसाइल और ड्रोन सुरक्षित हैं।

आकलन के मुताबिक ईरान के कई मिसाइल भंडारों तक अमेरिका पहुंच नहीं सका है जबकि कई ऐसे मिसाइल भंडार ऐसे हैं जिनपर हमले तो हुए हैं लेकिन वह मिसाइलें मिट्टी के अंदर दब गए हैं लेकिन उनके अभी भी सुरक्षित होने की संभावना है। यूएस इंटेलिजेंस के मुताबिक ईरान के हजारों ड्रोन अभी भी सुरक्षित हैं। दो खुफिया अधिकारियों के सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी है। खुफिया जानकारी से यह भी पता चलता है कि ईरान की बड़ी संख्या में तटीय क्रूज मिसाइलें अमेरिकी बमबारी से काफी हद तक सुरक्षित हैं। ये एंटी-शिप मिसाइलें होर्मुज से गुजरने वाली जहाजों को निशाना बनाने के लिए हैं। इसके अलावा ईरान और उसके समर्थक गुटों ने इजराइल और अमेरिका के ऊपर मिसाइलों और ड्रोनों की बारिश जारी रखी है जिसमें पूरे मध्य पूर्व में सैन्य ठिकानों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है।

ईरान ने अब मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजराइल के आर्थिक और औद्योगिक स्थानों पर हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान ने कहा कि उसके औद्योगिक ठिकानों पर अमेरिका और इजराइल की तरफ से पहले हमले किए गए और वह जवाब दे रहा है। ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और इजराइल में ताजा हमले किए हैं। ईरान ने अबू धाबी में अमेरिकी स्टील उद्योग, बहरीन में अमेरिकी एल्युमीनियम उद्योग और इजराइल की हथियार बनाने वाली प्रमुख कंपनी रफायल की फैक्ट्री पर हमले कर तबाही मचाई है।

अमेरिका-इजराइल ईरान में नागरिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले कर रहे हैं जिसे युद्ध अपराध कहा जा रहा है। इसके अलावा ईरान के बिजली ग्रिड को तबाह करने और 9 करोड़ की आबादी वाले इस देश को पाषाण युग में धकेलने की धमकी देकर ट्रंप एक सनकी की तरह व्यवहार कर रहे हैं। ये युद्ध अपराध है। इसका मतलब साफ है कि अमेरिका बर्बर जंग लड़ रहा है और वह सभ्यता के पैमाने पर बर्बर युग में पहुंच चुका है। एक्सपर्ट्स इसे ट्रंप की हताशा बता रहे हैं क्योंकि अमेरिकी अधिकारियों को नजदीकी भविष्य में ईरान में जीत मिलने की संभावना नहीं दिख रही है।

बता दें जिनेवा कन्वेंशन के तहत नागरिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले करना युद्ध अपराध की क्षेत्र में है। 2024 में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर सुनियोजित हमलों के मामले में चार रूसी सैन्य अधिकारियों पर आरोप लगाए थे। इसके बावजूद ट्रंप ने बुधवार को कहा था कि अगर ईरान उनके साथ किसी तय समझौते पर नहीं पहुंचता है तो अमेरिकी सेना उनके बिजली बनाने वाले हर एक प्लांट पर हमला करेगी। ट्रंप ने तेल के कुओं पर भी हमला करने की भी धमकी दी है जबकि 1991 में पहले खाड़ी युद्ध के दौरान कुवैत से पीछे हटते समय तेल प्रतिष्ठानों में आग लगाने वाली इराकी सेना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी निंदा हुई थी।

इजराइल का दावा- ईरान के सैन्य ठिकाने, मिसाइल स्टोर और रिसर्च सेंटर को बनाया निशाना

इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने तेहरान में कई अहम सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले किए हैं। इन हमलों में खासतौर पर आईआरजीसी के एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइल स्टोरेज साइट्स को निशाना बनाया गया है। इजराइली सेना के मुताबिक इन हमलों का मकसद ईरान की सैन्य ताकत और उसके हथियार बनाने की क्षमता को कमजोर करना है। हमले उन ठिकानों पर भी किए गए जहां हथियारों की रिसर्च और डेवलपमेंट का काम चल रहा था। इस बीच ईरान के दक्षिण-पश्चिमी खुर्चीस्तान प्रांत में स्थित कई पेट्रोकेमिकल कंपनियों पर भी हमले की खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन हमलों में कम से कम पांच लोग घायल हुए हैं। तनाव उस समय और बढ़ गया जब अमेरिका के दो फाइटर जेट भी ईरानी हमले में गिराए जाने की खबर आई। इनमें से एक पायलट को बचा लिया गया है, जबकि दूसरा अभी भी लापता है। यह पूरा संघर्ष 28 फरवरी से जारी है, जब इजराइल-अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके जवाब में ईरान भी लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले कर भारी नुकसान पहुंचा रहा है। कुल मिलाकर मिडिल ईस्ट में हालात गंभीर होते जा रहे हैं और बड़े युद्ध का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

पाकिस्तान में मौजूद अभिनेता राजकपूर की पुस्तैनी हवेली का हिस्सा भूकंप में गिरा

पेशावर,(ईएमएस)। पाकिस्तान के पेशावर में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता राज कपूर की पुश्तैनी हवेली का एक हिस्सा शुक्रवार रात आए भूकंप और भारी बारिश के कारण ढह गया। करीब 100 साल पुरानी यह ऐतिहासिक इमारत लंबे समय से जर्जर थी, जिसे पाकिस्तान सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन इस इमारत की मरम्मत नहीं हुई तो बड़ा हादसा भी हो सकता है और पूरी हवेली क्षतिग्रस्त हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा हेरिटेज काउंसिल के सचिव शकील वहीदुल्लाह ने बताया कि भूकंप के झटकों के बाद हवेली की दीवार का एक हिस्सा ढह गया, जिससे शेष ढांचे की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वहीदुल्लाह ने पुरातत्व विभाग और प्रांतीय सरकार से ऐतिहासिक इमारत के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की और चेतावनी दी कि लापरवाही बरती गई तो इस सांस्कृतिक धरोहर को क्षति पहुंच सकती है।

बता दें कपूर हवेली पेशावर शहर के प्रसिद्ध किस्सा ख्वानी बाजार के बीच में स्थित है। यह पाकिस्तान के प्रमुख स्मारकों में से एक है, लेकिन संरक्षण की मांगों के बावजूद लंबे समय से जर्जर हालत में है। यह हवेली अभिनेता पृथ्वीराज कपूर का पैतृक घर है, जो कपूर परिवार के फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश करने वाले पहले सदस्य थे। इस मकान का निर्माण उनके पिता दीवान बशेश्वरनाथ कपूर ने 1918 से 1922 के बीच कराया था। राज कपूर और त्रिलोक कपूर का जन्म भी इसी हवेली में हुआ था। अपने समय में यह हवेली उत्कृष्ट वास्तुकला का उदाहरण मानी जाती थी, जिसमें करीब 40 कमरे थे। भवन के अगले हिस्से को जटिल पुष्प आकृतियों और झरोखों से सजाया गया था। हालांकि अब यह इमारत बेहद जर्जर है, फिर भी सालों से जर्जर होने बावजूद इसकी सुंदरता अब भी दिखाई देती है। इसी हवेली में राज कपूर के दो छोटे भाई-बहनों का भी जन्म हुआ था, जिनका 1931 में निधन हो गया था। बता दें राज कपूर के भाई शम्मी कपूर और शशि कपूर का जन्म भारत में हुआ था। इस इमारत में कपूर परिवार की शुरुआती पीढ़ियों का जीवन बीता, लेकिन विभाजन के बाद परिवार ने 1947 में इस इमारत को छोड़ दिया। कई अन्य परिवारों की तरह राज कपूर भी विभाजन के बाद भारत आ गए। उनके बेटे ऋषि कपूर और रणधीर कपूर ने 1990 के दशक में इस जगह का दौरा किया था।

ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने अमेरिका ने उतारी सबसे घातक मिसाइल, जैसम-ईआर

वाशिंगटन (ईएमएस)। शांति-सुलह की कोशिशों के बीच मिडिल ईस्ट में छिड़ा युद्ध और भीषण होता दिख रहा है। रविवार को भी अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच ताबड़तोड़ हमले जारी हैं। जंग अब पड़ाव पर पहुंच चुकी है, जहां अमेरिका तेहरान के खिलाफ प्रहार और तेज करने की तैयारी कर रहा है। इसी कड़ी में अब यूएस अपनी सबसे मारक और लंबी दूरी क्रूज मिसाइलों जैसम-ईआर का जखीरा उतारने की तैयारी में है, जो बेहद खतरनाक हैं।

जैसम-ईआर क्रूज मिसाइलों की सबसे खास बात यह है कि दुश्मनों की रडार भी इस मिसाइल को पकड़ नहीं पाती है और यह सैकड़ों मील दूर से ही तबाही मचा सकती है। इन्हें हवाई सुरक्षा को चकमा देकर 600 मील से अधिक दूरी से लक्ष्यों पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मिसाइल पायलटों को सीधे खतरे में डाले बिना दुश्मन के क्षेत्र में अंदर तक हमला कर सकती है। यूएस ने इन मिसाइलों के बड़े जखीरे का रुख प्रशांत महासागर में बने बेस से मिडिल ईस्ट की ओर कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, ईरान जंग शुरू होने के बाद केवल चार सप्ताह के भीतर ही अमेरिका 1 हजार से ज्यादा जैसम-ईआर मिसाइलें दाग चुका है। इस मिसाइल की एक यूनिट की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख डॉलर (करीब 12.5 करोड़ रुपये) आंकी गई है।

जैसम-ईआर मिसाइलों की दोबारा तैनाती करने के बाद यूएस के भंडार में 425 मिसाइलें ही बाकी रहेगी। युद्ध शुरू होने से पहले इनकी संख्या 2300 थी। मौजूदा प्रोडक्शन रेट पर इन भंडारों को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं। लंबी दूरी के हथियारों के भारी इस्तेमाल से दूर से हमले करने की सुविधा मिलने की वजह से सैनिकों के लिए जोखिम कम हुआ है, लेकिन इससे चीन जैसे प्रतिद्वंद्वियों के साथ संभावित संघर्षों के लिए रखे गए भंडार में भी भारी कमी आई है। हमलावर मिसाइल ही नहीं बल्कि बचाव के लिए इंटरसेप्टर में भी कमी आई है। ईरान के बैलेस्टिक मिसाइलों और शाहेद ड्रोन अटैक से बचने के लिए हजारों की तादाद में पैट्रियट और थाड मिसाइलों की जरूरत है। अमेरिका-इजरायल की ओर से दावा किया जाता है कि उन्होंने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम को खत्म कर दिया है, लेकिन तस्वीर इससे अलग नजर आती है। अमेरिका की हवाई ताकत के जवाब ईरान भी जवाब दे रहा है।

जापान में उठने लगी अमेरिका के खिलाफ आवाज... कम्युनिस्ट नेता ने सैन्य संबंधों पर कही यें बात

टोक्यो (ईएमएस)। जापान की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता काजुओ शीई ने अमेरिका के साथ सैन्य संबंधों पर फिर से विचार करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जापान को अपने हवाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य विमानों को अनुमति देने की नीति पर फिर से विचार करने की जरुरत है। यह बयान उन्होंने ऑस्ट्रिया के उस फैसले के बाद दिया, जिसमें ईरान युद्ध में शामिल अमेरिकी विमानों को अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल से रोका गया है। शीई ने कहा कि जापान में अमेरिकी विमान बिना रोक-टोक उड़ान भरते हैं, यहां तक कि बहुत कम ऊंचाई पर भी। इस दौरान देश के कानूनों को नजरअंदाज किया जाता है। जापान अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी देश है और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुए रक्षा समझौते के तहत वहां करीब 50,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

भारतीय मूल की रिनी, वाशिंगटन के मेयर की दौड़ में

वाशिंगटन (ईएमएस)। तमिलनाडु में जन्मीं भारतीय मूल की रिनी संपत अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी के मेयर पद का चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। सात साल की उम्र में अमेरिका पहुंचीं रिनी ने शिक्षा और पेशेवर जीवन में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह पेशे से गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्टर और साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल रही हैं तथा अंतरराष्ट्रीय संबंध और सुरक्षा अध्ययन में पढ़ाई कर चुकी हैं। रिनी पिछले एक दशक से अधिक समय से वाशिंगटन डीसी में रह रही हैं और स्थानीय मुद्दों पर सक्रिय रही हैं। उनके चुनाव अभियान का मुख्य फोकस बुनियादी समस्याओं को दूर करना है। वे सड़कों के गड्ढे भरने, स्वच्छता व्यवस्था सुधारने, महंगाई पर नियंत्रण और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे रही हैं। रिनी अपनी भारतीय जड़ों पर गर्व जताती हैं और अपने परिवार, विशेषकर दादा से मिली प्रेरणा का उल्लेख करती हैं। उनकी उम्मीदवारी को भारतीय-अमेरिकी समुदाय में उत्साह के साथ देखा जा रहा है।

अनिल अंबानी और अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन के बीच व्हाइट हाउस कनेक्शन का खुलासा?

न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। अमेरिका के कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन और भारतीय उद्योगपति अनिल अंबानी के बीच कथित गहरे संपर्कों को लेकर एक सनसनीखेज रिपोर्ट सामने आई है। दस्तावेजों के विश्लेषण से पता चला है कि साल 2017 में एपस्टीन ने खुद को तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस के एक इनसाइडर (अंदरूनी सूत्र) के तौर पर पेश किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच लगभग दो साल तक सैकड़ों ईमेल और संदेशों के जरिए बातचीत हुई। ये बातचीत सिग्नल और टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर होती थी, जहां अंबानी ने अपना नाम अरमानी ए रखा हुआ था। यह संपर्क उस दौर का है, जब एपस्टीन नाबालिगों से जुड़े यौन अपराधों में जेल की सजा काट चुका था। दोनों का परिचय दुबई की कंपनी डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलायेम ने कराया था। संदेशों के अनुसार, अनिल अंबानी ने एपस्टीन से भारत-अमेरिका संबंधों और रक्षा सहयोग के लिए व्हाइट हाउस से डील करने में मार्गदर्शन मांगा था। जवाब में एपस्टीन ने उन्हें इनसाइड जानकारी देने का वादा किया। हैरानी की बात यह है कि एपस्टीन द्वारा दी गई कुछ जानकारियां बाद में सच भी साबित हुईं।

शुभमन के अगले मैच तक फिट होने की संभावना : पार्थिव पटेल

मुम्बई (ईएमएस)। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल के अनुसार कप्तान शुभमन गिल के अगले मैच में खेलने की काफी संभावनाएं हैं। शुभमन चोटिल होने के कारण राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे। इस मैच में टीम को उनकी कमी खली थी। इसी कारण प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि शुभमन अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। इसी को लेकर पार्थिव ने कहा, इंजरी मैनेजमेंट के बारे में मुझे जानकारी नहीं है पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि वह ठीक हो जाएंगे। इससे अंदाजा होता है कि कि शुभमन की चोट अधिक गंभीर नहीं है। पार्थिव ने कहा कि शुभमन को कुछ दिन पहले ही मांसपेशियों में खिंचाव आया था। जिसके कारण उन्हें पिछले मैच में जगह नहीं दी गयी थी। उन्होंने कहा, उन्हें पहले गर्दन में मोच आई थी और कुछ दिन पहले मांसपेखी में खिंचाव आया था। हमें उम्मीद है कि वह अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही है। टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं। गिल के बाहर होने से पिछले मैच में टीम की कप्तानी राशिद खान ने संभाली थी पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं मैच के बाद राशिद ने भी शुभमन की फिटनेस को लेकर कहा, वह ठीक हैं। उम्मीद है कि अगले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। उन्हें केवल मांसपेशी में खिंचाव है। इसलिए उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। शुभमन जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के होने से टीम बड़ा स्कोर बना सकती है। गुजरात टाइटंस का अगला मैच 8

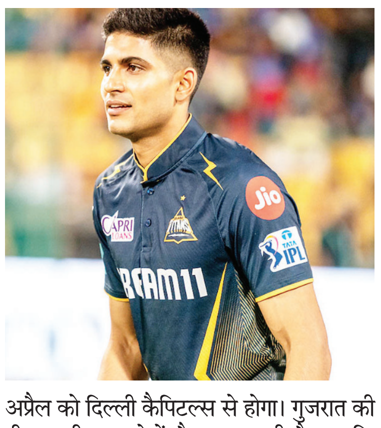

अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा। गुजरात की टीम अभी तक दोनों मैच हार चुकी है, जबकि दिल्ली ने अपने दोनों मैच जीते हैं। ऐसे में टीम को जीत की राह पर लौटने के लिए शुभमन की वापसी बेहद जरूरी मानी जा रही है।

गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मैच में बने कई रिकार्ड

\आईपीएल में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने है। इस मैच में गुजरात के युवा तेज गेंदाज अशोक शर्मा ने 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से इस सीजन की सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकार्ड बनाया। वहीं राजस्थान के रवि बिश्नोई ने टी-20 क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे किये। इसी के साथ ही ही वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ बन गये हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 25 साल 211 दिन की उम्र में हासिल की और इसी के साथ वह टी-20 में 200 विकेट लेने वाले सबसे युवा भारतीय गेंदबाज बन गए। टी-20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में 200 विकेट लेने का रिकॉर्ड राशिद खान के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 साल 119 दिन की उम्र में हासिल की थी।

दूसरी ओर गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 42 पारियों में अपना 15 वां अर्धशतक लगाया। अब केवल क्रिस गेल ही उनसे आगे हैं। गेल ने 41 पारियों में अर्धशतक लगाया था। वही शॉन मार्श ने 43 पारियों में अपने पचास रन पूरे किये थे।

वहीं इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने 30 छक्के पूरे किये। वैभव 19 से कम उम्र में सबसे तेजी से 30 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले ऋषभ पंत और ईशान किशन ने भी 30-30 छक्के अपने नाम किये थे।

वहीं अशोक शर्मा ने इस सत्र में अब तक की सबसे तेज गेंद फेंकी उन्होंने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी। इस सत्र में इससे पहले सबसे तेज गेंद का रिकॉर्ड एनरिक नॉर्त्या (150.9 किमी/घंटा) के नाम था। वहीं लीग में सबसे तेज गेंद का रिकॉर्ड अभी भी शॉन टैट के नाम है, जिन्होंने 2011 में 157.71 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। 4. बिश्नोई टी-20 में 200 विकेट लेने वाले सबसे युवा भारतीय बने.

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में समीर, बिश्नोई शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अब तक हुए मुकाबलों के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए दावेदार सामने आये हैं। आईपीएल में अबतक 9 मुकाबलों के बाद आरेंज कैप की दौड़ में दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजरी शीर्ष पर पहुच गये हैं। उनके पीछे ईशान किशन और रोहित शर्मा के अलावा आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी भी हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में रवि बिश्नोई पहले नंबर पर है उनके पीछे विजयकुमार वैशाक, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी, जयदेव उनादकट और प्रसिद्ध कृष्णा हैं।

पिछले सीजन के पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा ने इस बार भी बेहतर प्रदर्शन कर दौड़ में अपने को बरकरार रख हैं। इस बार समीर और आयुष जैसे नये खिलाड़ी भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। समीर ने 2 मैचों में 160 रन बनाए हैं, दोनों मुकाबलों में अर्धशतक लगाय है। वे जाहिर तौर पर ऑरेंज कैप के बड़े दावेदार दिख रहे हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के रोहित ने एक अर्धशतक सहित113 रन बनाए लिए हैं। वहीं केकेआर के अंगकृष रघुवंशी ने अब तक दोनों मैचों में अर्धशतक लगाते हुए कुल 103 रन बना लिए हैं। पंजाब किंग्स के कूपर कॉनोली ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी कर 108 रन बनाये हैं।

वहीं पर्पल कैप की बात करें तो रवि विश्नोई के पांच विकेट है और वह सबसे आगे हैं। प्रसिद्ध कृष्णा 4 विकेट के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।

रोहित ने धोनी को पीछे छोड़ा

किसी आईपीएल टीम के खिलाफ सबसे अधिक छक्के का रिकार्ड बनाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुम्बई इंडिया के बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में एक छक्का लगाते ही महेन्द्र सिंह धोनी का एक रिकार्ड तोड़ दिया। अब रोहित किसी आईपीएल टीम के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित ने दिल्ली के खिलाफ 26 गेंद खेलकर 35 रन बनाए। अब रोहित के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल में 51 छक्के हो गये हैं1 वहीं धोनी ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते हुए अब तक दिल्ली के खिलाफ 50 छक्के लगाये हैं। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खासे सफल रहे है। दिल्ली उन 2 टीमों में से एक है जिसके खिलाफ रोहित ने 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 38 मैचों में रोहित ने अब तक 1092 रन बनाये हैं। रोहित अब एक और खास रिकार्ड के करीब पहुंच गये हैं। उन्हें मुम्बई की ओर से 6000 रन पूरे करने के लिए अब केवल 11 रनों की जरुरत है।

आईएसएल फुटबॉल के शीर्ष चार में पहुंची बेंगलुरु

कोलकाता (ईएमएस)। बेंगलुरु एफ सी टीम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल 2026 सत्र में शीर्ष चार में पहुंच गयी है। बेंगलुरु ने एक मुकाबले में एफसी गोवा को 2-0 से हराकर 14 अंक हासिल करते हुए चौथे स्थान पर पहुंची है। वहीं एफसी गोवा 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर फिसल गई है। बेंगलुरु एफसी की ओर से मैच के तीसरे ही मिनट में कप्तान सुनील ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। एक गोल से पिछड़ने के बाद गोवा एफसी ने बराबर के प्रयास करते हुए कई हमले किये पर पहले हाफ में टीम सफल नहीं रही। वहीं दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने जमकर एक दूसरे के खिलाफ मूव बनाये। दूसरे हाफ के समाप्त होने के ठीक पहले लालरेमटलुआंगा फनाई के पास पर बेंगलुरु एफसी के नामग्याल भूटिया ने एक गोल कर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। इसके बाद गोवा ने काफी प्रसास किया पर वह इस गोल को बराबरी पर नहीं ला पायी। इस जीत के साथ बेंगलुरु एफसी शीर्ष-4 की दौड़ में शामिल होने के साथ ही मुंबई सिटी एफसी, मोहुन बागान और जमशेदपुर एफसी के बराबर अंकों पर पहुंच गई है।

अश्विन ने की बिश्नोई की जमकर प्रशंसा

चेन्नई (ईएमएस)। अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने राजस्थान रॉयल्स के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। बिश्नोई ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार विकेट लिए है जबकि पिछले सत्र मेंउनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इस बार बिश्नोई ने से अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं। अश्विन का मानना है कि इस स्पिनर को पिछली टीम लखनऊ सुपरजायंट्स ने सही से नहीं संभाला था। इस कारण उनका मूल्य घट गया था। अश्विन ने कहा, अब समय है कि उसे श्रेय दिया जाए। अश्विन ने कहा कि चेन्नई सुपरकिंग्स ने भी उसपर 7 करोड़ के बाद बोली लगाना बंद कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि राहुल चाहर और बिश्नोई में अधिक अंतर नहीं है। इसी का कारण उसे उतनी रकम नहीं मिली जितनी मिलनी चाहिये थी।गुजरात टाइटंस के खिलाफ बिश्नोई ने 4 ओवर में 41 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, वॉशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों को आउट किया। वह गुजरात टाइटंस के खिलाफ चार विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रुणाल पांड्या के नाम था, जिन्होंने 2024 में 3 विकेट लिए थे। वह इस समय पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हैं। उन्होंने दो मैचों में 5 विकेट लिए हैं और उनका औसत 11.40 का है।

समीर ने आईपीएल में लगातार दूसरा अर्धतक लगाया

नई दिल्ली (ईएममएस)। समीर रिजवी की आक्रामक पारी से दिल्ली कैपिटल्स को इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दूसरी जीत मिली है। दिल्ली ने एक रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से हराया। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे मुम्बई ने 18.1 ओवर में ही हासिल कर लिया. दिल्ली कैपिटल्स की ओर से समीर रिजवी ने 90 रनों की शानदार पारी खेली। समीर का इस सात्र में ये दूसरा अर्धशतक हैं। समीर ने 47 गेदों पर पांच छक्के और चार चौके लगाकर दिल्ली की जीत में अहम भूमिका निभाई है। समीर ने इससे पहले, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ भी नाबाद 70 रन बनाए थे, जिससे दिल्ली को लगातार दूसरी जीत मिली! रिज़वी दूसरे विकेट के गिरते ही इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतरे थे] उन्होंने इस अवसर का पूरा लाल उठाया और अपनी जीत को लगातार दूसरी जीत दिलायी इस सत्र में पहली हार मिली है। दूसरी ओर मुम्बई की टीम इस मैच में असफल रही और उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये।

तुषार की शानदार गेंदबाजी से राजस्थान रॉयलल्स ने दूसरा आईपीएल मैच भी जीता

अहमदाबाद (ईएमएस)। तुषार देशपांडे के शानदार प्रदर्शन से आईपीएल में रॉजस्थान रॉयलल्स ने गुजरात टाइटन्स को कड़े मुकाबले में हरा दिया। इस मुकाबले में गुजरात टाइटन्स को जीत के लिए लिए 211 रनों का लक्ष्य मिला था पर तुषार की अच्छी गेंदबाजी से रॉयल्स ने गुजरात से जीत छीन ली। अंतिम ओवर तक चले इस मुकाबले में गुजरात टाइटन्स को जीत के लिए 11 रन बनाने थे पर तुषार देशपांडे ने इस ओवर में केवल 4 रन देकर एक विकेट ले लिया। तुषार ने राशिद खान और कगिसो रबाडा को अंतिम ओवर में कोई अवसर नहीं दिया। राजस्थान रॉयल्स की इस सत्र में लगातार दूसरी जीत रही है। वहीं गुजरात टाइटन्स को दूसरे मैच में भी हार का सामना करना पड़ा है। उसे पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स ने तीन विकेट से हराया था। रॉयल्स ने अपने शुरुआती मुकाबले में सीएसके को हराया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए

गुजरात टाइटन्स की शुरुआत अच्छी रही। कुमार कुशाग्र और साई सुदर्शन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 78 रन बनाये। कुशाग्र ने 18 रन बनाए। वहीं सुदर्शन 44 गेंदों में 73 रन बनाकर आउट हुए। इससके बाद गुजरात का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। वहीं इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने ने 6 विकेट पर 210 रन बनाए थे। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने पहले विकेट के लिए 70 रन बनाये। यशस्वी ने 36 गेंदों पर 55 रन बनाए। वहीं कप्तान रियान पराग 8 रन, शिमरॉन हेटमायर 18 रन और डोनोवन फरेरा 1 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं ध्रुव जुरेल क्रीज ने 42 गेंदों पर 75 रन बनाए। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। वहीं राशिद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, अशोक शर्मा और मोहम्मद सिराज ने एक-एक विकेट लिया।

सीएसके में कप्तानी को लेकर बढ़ा दबाव, संजू सैमसन की एंट्री से गायकवाड़ पर नजरें

नई दिल्ली (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स में कप्तानी को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। एमएस धोनी जैसे दिग्गज कप्तान की विरासत संभालना हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है और अब रुतुराज गायकवाड़ पर यह जिम्मेदारी है। हालांकि, इस सीजन में सजू सैमसन के टीम में शामिल होने के बाद कप्तानी को लेकर प्रतिस्पर्धा और दबाव बढ़ गया है।

भले ही मौजूदा सीजन में गायकवाड़ ही टीम की कमान संभाल रहे हैं, लेकिन सैमसन की मौजूदगी ने माहौल बदल दिया है। क्रिकेट विशेषज्ञ माइकल वॉन और साइमन डूल का मानना है कि यह स्थिति गायकवाड़ के लिए मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। वॉन के अनुसार, सैमसन को फ्रेंचाइजी भविष्य के कप्तान और धोनी के विकल्प के रूप में देख रही है, जिससे गायकवाड़ को अपनी जगह को लेकर सतर्क रहना पड़ सकता है। वॉन ने कहा कि यह एक अलग तरह की परिस्थिति है, जहां एक युवा कप्तान को अपनी भूमिका निभाते हुए यह भी ध्यान रखना होगा कि टीम में एक अनुभवी और सफल कप्तान मौजूद है। उन्होंने यह भी कहा कि गायकवाड़ को कप्तानी जारी रखने के लिए कहा जा सकता है, लेकिन इस स्थिति का उन पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

वहीं साइमन डूल ने भी इस बात से सहमति जताई कि सैमसन का टीम में आना एक बड़ा बदलाव है। सैमसन इससे पहले राजस्थान रॉयल के कप्तान के रूप में सफल रहे हैं और उन्होंने 2022 में टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। उनकी कप्तानी और विकेटकीपिंग क्षमता उन्हें एक मजबूत विकल्प बनाती है। डूल का मानना है कि सैमसन के लिए भी यह स्थिति आसान नहीं होगी। टीम बदलने के बाद खुद को साबित करना और नई भूमिका में ढलना चुनौतीपूर्ण होता है।

हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाओं को खत्म करते हुए साफ कर दिया है कि वह अब दोबारा राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे। 34 वर्षीय क्लासेन ने यह फैसला अपने परिवार को प्राथमिकता देने के कारण लिया है। गौरतलब है कि केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बाद उन्होंने पिछले साल जून में क्रिकेट के सभी अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और तब से वह दुनियाभर की टी20 लीग में सक्रिय हैं।

हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े एक वीडियो में क्लासेन ने नीतिश कुमार रेड्डी के साथ बातचीत के दौरान अपने फैसले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वापसी को लेकर उन्होंने करीब दो हफ्तों तक गंभीरता से विचार किया, लेकिन अंततः यह तय किया कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटना सही नहीं होगा। क्लासेन ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप के दौरान अपने साथियों को अच्छा प्रदर्शन करते देख उनके मन में वापसी का विचार जरूर आया था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें महसूस हुआ कि वह टीम का हिस्सा क्यों नहीं हैं और उन्होंने दोबारा खेलने की इच्छा भी जताई थी। इस दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम से भी बातचीत की थी।

हालांकि, क्लासेन ने बताया कि बातचीत के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई और विश्व कप के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि उनकी वापसी की संभावना कम है। इसके चलते उन्होंने दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट न खेलने का अंतिम निर्णय ले लिया। बता दें कि क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब वह पूरी तरह से फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं। उनका यह फैसला दिखाता है कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ी अपने करियर और निजी जीवन के बीच संतुलन को कितना महत्व देने लगे हैं।

लंदन में यूनिवर्सिटी बोट रेस में ऑक्सफोर्ड की हेदी लॉग अपनी साथ खिलाड़ी के साथ ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती हुई।

थाईलैड में एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप मुकाबले में गेंद के लिए संघर्ष करती हुई चीनी और बांग्लादेशी खिलाड़ी।

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, हम 15 से 20 रन कम बना पाये

नई दिल्ली (ईएमएस)। सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस को आईपीएल के दूसरे ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जताया है। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के फिट नहीं होने के कारण सूर्या ने इस मैच में टीम की कप्तानी की थी। सूर्या के अनुसार इस मैच में उनकी टीम अगर 15 से 20 रन और बनाती तो परिणाम कुछ और होता। सूर्यकुमार ने कहा, जब आप पहले बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो कितना स्कोर पर्याप्त रहेगा। इस बारे में नहीं जान सकते हैं। आप बस बल्लेबाजी करते रहते हैं। बाद में अंदाजा आया कि 180 से 185 एक अच्छा स्कोर होता। हम 15 से 20 रन पीछे रह गए। जहां तक विकेट की बात है वह ठीक था। फिर भी बल्लेबाजी को देखें हम 15-20 रन पीछे रह गए। हालांकि गेंदबाजों से अपनी भूमिका ठीक से निभाई । सूर्यकुमार ने इस मैच में 51 रन बनाये पर इसके बाद भी उनकी टीम 6 विकेट पर 162 रन ही बना पायी। नमन ने भी 21 गेंदों में 28 रन बनाये। मुम्बई की बल्लेबाजी को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, मैं और नमन, हम दोनों गलत समय पर आउट हो गए, अगर ऐसे नहीं होते तो हम औसत से अधिक स्कोर बना देते। साथ ही कहा कि ऐसा भी होता है जब प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिलती । हम अब अगले मैच में अच्छी रणनीति से उतरते हुए वापसी करेंगे। इस मैच में 163 रनों के सामान्य लक्ष्य को समीर रिजवी की शानदार पारी से दिल्ली ने हासिल कर लिया।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अभी से वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पांड्या ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 विश्व कप का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से अपनी गेंदबाजी पर खास काम कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स की सबसे बड़ी शर्त यह है कि पांड्या वनडे क्रिकेट में जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि हर मैच में उनसे पूरा स्पेल नहीं कराया जाएगा, लेकिन टीम को जब जरूरत हो, तब वह यह जिम्मेदारी निभा सकें। यही कारण है कि पांड्या अपनी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

इस दिशा में उनकी प्रगति का संकेत विजय हजारे ट्रॉफी में देखने को मिला, जहां उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि वह लंबा स्पेल डालने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें इसी वजह से शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तब वह 10 ओवर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट नहीं माने गए थे। वर्ल्ड कप 2027 दक्षिण अफ्रीका में खेला

जाएगा, जहां की पिचें तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में हार्दिक पांड्या जैसे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर की भूमिका टीम के लिए बेहद अहम हो सकती है। हालांकि, चयनकर्ता उनकी फिटनेस को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि वह पहले भी चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रह चुके हैं।

पांड्या के बैकअप के तौर पर चयनकर्ताओं की नजर नितीश कुमार रेड्डी पर भी बनी हुई है। उन्होंने भी घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी पर काम किया है और वर्कलोड बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर पांड्या के पिछले रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्होंने 6 वनडे मैचों में 44 ओवर गेंदबाजी कर 4 विकेट लिए थे और उनका इकॉनमी रेट 4.90 रहा था। हालांकि बल्लेबाजी में वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। कुल मिलाकर, हार्दिक पांड्या का फोकस साफ है फिटनेस, निरंतरता और ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर वह 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

आईपीएल 2026: 'अब टी20 में फिनिशर जैसी कोई भूमिका नहीं', स्टीफन फ्लेमिंग का बड़ा बयान

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका अब पहले जैसी अहम नहीं रह गई है। उनका कहना है कि आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं, जिससे मैच का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि अब टी20 क्रिकेट में हर बल्लेबाज पहली ही गेंद से बड़े शॉट खेलने की कोशिश करता है। पहले जहां टीमें 15-16 ओवर तक पारी को संभालकर खेलती थीं और अंत में तेजी लाती थीं, अब

ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में शुरुआत से ही 10-12 रन प्रति ओवर की दर बनाए रखना जरूरी हो गया है, इसलिए टीमों को ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत है जो पूरे मैच में आक्रामक खेल सकें।

सीएसके की टीम संरचना पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने माना कि टीम में टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है, जिससे मिडिल और लोअर ऑर्डर में पारंपरिक फिनिशर की कमी महसूस हो सकती है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि टीम के पास पर्याप्त बल्लेबाजी ताकत मौजूद है। उन्होंने बताया कि डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण बाहर हैं, जबकि महेंद्र सिंह धोनी भी फिट नहीं हैं। इन दोनों की अनुपस्थिति टीम के संतुलन को प्रभावित कर रही है। फ्लेमिंग ने संजू सैमसन का भी समर्थन किया, जो शुरुआती मुकाबलों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि सैमसन नेट्स में अच्छा अभ्यास कर रहे हैं और जब वह फॉर्म में आते हैं तो मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए उनके खराब प्रदर्शन को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोच ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बल्लेबाजों के पक्ष में झुक गया है। उनका मानना है कि इस नियम ने मैच की गति और रणनीति दोनों को प्रभावित किया है, जिससे गेंदबाजों के लिए चुनौती बढ़ गई है। वहीं, पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की तेज पारी की भी चर्चा रही। इस पर उनके साथी शशांक सिंह ने कहा कि प्रियांश मानसिक रूप से बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कम उम्र में जिस तरह की परिपक्वता दिखाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। कुल मिलाकर, फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 क्रिकेट का नया दौर पूरी तरह आक्रामक बल्लेबाजी का है, जहां हर खिलाड़ी को शुरुआत से अंत तक तेज रन बनाने की जिम्मेदारी निभानी होती है।

आरबीआई मीटिंग में ब्याज दर में बदलाव की संभावना कमः एसबीआई रिसर्च-ग्लोबल अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतें इसका कारण

नई दिल्लीः भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक 6-8 अप्रैल को होने वाली है। बाजार को उम्मीद थी कि इस बार शायद ब्याज दरों में कुछ राहत मिले, लेकिन पश्चिम एशिया (वेस्ट एशिया) में बढ़ते तनाव ने समीकरण बदल दिए हैं। एसबीआई रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोबल अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को देखते हुए आरबीआई फिलहाल रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। इससे पहले फरवरी में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर में बदलाव नहीं हुआ था। अभी ब्याज दर 5.25% पर है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने पूरी दुनिया को संकट में डाल दिया है। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने जैसी स्थिति से ग्लोबल ऑयल मार्केट में 1973 के बाद का सबसे बड़ा व्यवधान पैदा हुआ है। युद्ध की शुरुआत के बाद यह पहली पॉलिसी समीक्षा है, इसलिए आरबीआई काफी फूंक-फूंक कर कदम उठाएगा।

भारत इस ग्लोबल संकट से अछूता नहीं है। कच्चे तेल की कीमतें $100 प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई हैं, जिससे भारत में 'इंपोर्टेड इन्फ्लेशन' (आयातित महंगाई) बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपया 93 के स्तर को पार कर गया है। इसके साथ ही 'सुपर अल नीनो' का खतरा भी बना हुआ है, जो आने वाले समय में महंगाई की स्थिति को और बिगाड़ सकता है।

अगले 3 क्वार्टर तक 4.5% से ऊपर रह सकती है महंगाई

घरेलू मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि आयातित महंगाई पहले ही 5.4% पर पहुंच चुकी है और इसके आगे भी बढ़ने के आसार हैं। अनुमान है कि अगले तीन तिमाहियों तक कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित महंगाई 4.5% से ऊपर बनी रह सकती है। ऐसे माहौल में आरबीआई के लिए ब्याज दरों में कटौती करना जोखिम भरा हो सकता है।

लिक्विडिटी मैनेजमेंट पर रहेगा फोकस, 'ऑपरेशन ट्विस्ट' की चर्चा

रिपोर्ट का सुझाव है कि आरबीआई अभी केवल ब्याज दरों पर ध्यान देने के बजाय मार्केट लिक्विडिटी और माइक्रोस्ट्रक्चर को सुधारने पर काम कर सकता है। सरकारी बॉन्ड की यील्ड को मैनेज करने के लिए केंद्रीय बैंक 'ऑपरेशन ट्विस्ट' (लंबे समय के बॉन्ड खरीदना और कम समय के बॉन्ड बेचना) जैसे कदम उठा सकता है। इसके अलावा, मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी रोकने के लिए हाल ही में उठाए गए कड़े कदमों से बैंकों के लिए कुछ ऑपरेशनल चुनौतियां भी आ सकती हैं।

आरबीआई नीति और वैश्विक तनाव तय करेंगे बाजार की दिशा

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट का दौर रहा, जिससे निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। नए वित्त वर्ष की शुरुआत में यह सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है। घरेलू आर्थिक संकेतों के साथ-साथ वैश्विक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की सोच में असमंजस पैदा कर दिया है। इस हफ्ते कई ऐसे प्रमुख कारक हैं, जो बाजार की चाल पर निर्णायक असर डाल सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 6 से 8 अप्रैल तक होगी। इस बैठक में ब्याज दर, महंगाई और लिक्विडिटी जैसे अहम मुद्दों पर फैसला लिया जाएगा। निवेशकों की निगाह इस पर है कि आरबीआई महंगाई और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच किस तरह की नीति अपनाता है। यदि ब्याज दर बढ़ाई जाती है, तो बैंकिंग और रियल एस्टेट सेक्टर पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, उदार नीति से उपभोक्ता खर्च और कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ावा मिल सकता है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इसी बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भारत जैसे आयातक देश के लिए दबाव बढ़ा दिया है। महंगे तेल का असर चालू खाता घाटे और महंगाई पर पड़ सकता है। इसके अलावा, कंपनियों की लागत बढ़ने और उपभोक्ताओं की जेब पर असर डालने से बाजार की नकारात्मक भावना को बढ़ावा मिल सकता है।

मार्च में भारतीय आईपीओ बाजार में तेज़ी, 38 कंपनियों ने दस्तावेज़ दाखिल किए

- बढ़ते भरोसे और नियामकीय समयसीमा ने कंपनियों को आईपीओ के लिए प्रेरित किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय आईपीओ बाजार मार्च 2026 में तेज़ी के साथ सक्रिय रहा। 38 कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ दस्तावेज़ दाखिल किए, जो पिछले वर्षों के मुकाबले स्पष्ट बढ़ोतरी है। वित्तीय और नियामकीय दृष्टि से यह संकेत है कि कंपनियों का सार्वजनिक निर्गम में भरोसा बढ़ रहा है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 में केवल 22 और मार्च 2024 में 16 कंपनियों ने आईपीओ दस्तावेज़ दाखिल किए थे। इस बढ़ोतरी का कारण केवल नियामकीय समयसीमा नहीं है, बल्कि कंपनियों का बेहतर भरोसा और अनुपालन भी इसे प्रभावित कर रहा है। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों का कहना है कि यह रफ्तार आने वाले महीनों में भी जारी रहने की संभावना है। बड़ी कंपनियों जैसे कि एनएसई और रिलायंस जियो की दूरसंचार इकाई भी दस्तावेज़ दायर करने की तैयारी में हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियां जैसे सिंगापुर की सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज, स्वीडन के मॉडर्न टाइम्स समूह, टीपीजी समर्थित फाइब और टाइगर ग्लोबल समर्थित बैटरीस्मार्ट भी जल्द ही भारतीय आईपीओ बाजार में कदम रख सकती हैं। 38 कंपनियों में से नौ ने गोपनीय तरीके से दस्तावेज़ दाखिल किए हैं, जिनमें जेटवर्क, एसएनवीए ट्रैवलटेक और रेडिफ.कॉम इंडिया शामिल हैं। वहीं, कुल 64 कंपनियां सेबी के पास दस्तावेज़ दाखिल कर मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जबकि 124 कंपनियों को पहले ही अनुमति मिल चुकी है। फाइनेंशियल विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च में दाखिल दस्तावेज़ों की संख्या बढ़ने का कारण सिर्फ समयसीमा नहीं है, बल्कि कंपनियों का भरोसा और नियामकीय अनुपालन भी इसकी प्रमुख वजह है। उदाहरण के लिए, डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे ने भूराजनीतिक स्थिति के कारण आईपीओ स्थगित किया, लेकिन भारत में सूचीबद्धता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। मार्च 2026 में आठ कंपनियों के आईपीओ सूचीबद्ध हुए, जो संकेत हैं कि 2026 में भारतीय आईपीओ बाजार सक्रिय और भरोसेमंद बना रहेगा।

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंपनियों का का बाजार पूंजीकरण 64,734 करोड़ घटा

- शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाले में सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 64,734.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,993.07 रुपये करोड़ घटकर 10,20,420.26 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 12,845.81 करोड़ रुपये घटकर 8,70,705.49 करोड़ रुपये रह गई।बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 11,169.36 करोड़ रुपये कम होकर 5,14,226.12 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,822.79 करोड़ रुपये घटकर 11,56,195.90 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 2,349.59 करोड़ रुपये घटकर 4,85,190.60 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 553.84 करोड़ रुपये घटकर 9,41,015.31 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 22,359.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,028.43 करोड़ रुपये हो गया।इंफोसिस का पूंजीकरण 12,374.76 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,409.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 6,575.43 करोड़ रुपये बढ़कर 4,97,111.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,518.45 करोड़ रुपये बढ़कर 18,28,034.07 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

एफएमसीजी कंपनियों की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। रोजमर्रा के उपभोग के सामान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों की वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही। हालांकि, पश्चिम एशिया के बाजारों में जारी भू-राजनीतिक तनाव चिंता का विषय बना हुआ है। मैरिको, डाबर और एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस (पूर्व में अदाणी विल्मर) जैसी कंपनियों ने मात्रा और मूल्य दोनों में वृद्धि दर्ज की है। यह बढ़ोतरी मूल्य निर्धारण में बदलाव, विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में गति, मजबूत घरेलू खपत और संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि के कारण संभव हुई है। कंपनियों को उम्मीद है कि महंगाई में कमी आने से मार्जिन में सुधार होगा। हालांकि वे आने वाली तिमाहियों को लेकर सतर्कता के साथ आशावादी बनी हुई हैं। उनका मानना है कि स्थिर आर्थिक परिस्थितियों और बेहतर खपत रुझानों के कारण घरेलू मांग में सुधार जारी रहेगा। घरेलू कंपनी मैरिको ने अपनी की तिमाही की जानकारी में बताया कि इस अवधि में उसकी एकीकृत आय में सालाना आधार पर करीब 20 प्रतिशत के आसपास वृद्धि हुई है।

युद्ध का सीधा असर भारत पर ! मूडीज ने घटाई जीडीपी ग्रोथ, 6% पर पहुंचा अनुमान

रेटिंग एजेंसी मूडीज (मूडीज) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह अनुमान 6.8 प्रतिशत था। एजेंसी का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है, जिससे विकास की रफ्तार धीमी हो सकती है और महंगाई बढ़ने का खतरा है। मूडीज की रिपोर्ट के अनुसार, अगर यह तनाव लंबा खिंचता है तो खासतौर पर एलपीजी की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इससे घरों में गैस की कमी, ईंधन और परिवहन खर्च में बढ़ोतरी हो सकती है। इसका असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर भी पड़ेगा, क्योंकि भारत उर्वरकों के लिए आयात पर काफी निर्भर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपनी जरूरत का करीब 55 प्रतिशत कच्चा तेल और 90 प्रतिशत से ज्यादा एलपीजी पश्चिम एशिया से आयात करता है। ऐसे में वहां की स्थिति का सीधा असर देश पर पड़ता है। मूडीज ने यह भी कहा कि फिलहाल महंगाई काबू में है, लेकिन वैश्विक हालात के कारण इसमें बढ़ोतरी का जोखिम बढ़ गया है। एजेंसी ने अनुमान जताया है कि वित्त वर्ष 2027 में औसत महंगाई दर 4.8 प्रतिशत रह सकती है, जो 2026 में 2.4 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर महंगाई बढ़ती है और अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहती है तो आने वाले समय में ब्याज दरों को स्थिर रखा जा सकता है या जरूरत पड़ने पर धीरे-धीरे बढ़ाया भी जा सकता है। यह फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि वैश्विक तनाव कितने समय तक बना रहता है और उसका असर ईंधन व खाद्य कीमतों पर कितना पड़ता है। मध्य पूर्व में जारी सैन्य तनाव का असर भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता दिख रहा है। अलग अलग रिपोर्ट्स में अनुमान लगाया गया है कि आने वाले समय में देश की आर्थिक वृद्धि दर कुछ धीमी हो सकती है।

मूडीज की 31 मार्च की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत से घटकर करीब 6 प्रतिशत रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई और बढ़ती लागत के कारण निजी खपत कमजोर हो सकती है। इसके साथ ही औद्योगिक गतिविधियों में नरमी और निवेश की रफ्तार में भी कमी देखने को मिल सकती है। EY की इकोनॉमी वॉच रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर पश्चिम एशिया का तनाव लंबे समय तक जारी रहता है, तो वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की वृद्धि दर में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। साथ ही खुदरा महंगाई दर में करीब 1.5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। घरेलू रेटिंग एजेंसी ICRA का भी मानना है कि महंगे ऊर्जा दाम और सप्लाई को लेकर चिंता के चलते FY27 में विकास दर घटकर करीब 6.5 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि, रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार जोर और व्यापार से जुड़ी बाधाओं में धीरे धीरे ढील निवेश को कुछ हद तक सहारा देती रहेगी।

भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़ी ताजा रिपोर्ट में अच्छी और चुनौतीपूर्ण दोनों तरह की तस्वीर सामने आई है।

दैनिक पंचांग

6 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

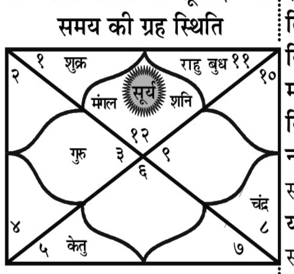

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.16 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.56 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.54 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.08 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.24 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.36 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.47 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.01 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.17 बजे से
राहुकाल		मकर	01.22 बजे से
7.30 से 9.00		कुंभ	03.09 बजे से
बजे तक		मीन	04.42 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 96 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 14.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 15.25 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.11 बजे तदनन्तर कौलव 03.22 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 17.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872671
जूलियन दिन 2461136.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7968

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	■	20		21	■	■	
22	23	■		■		■	24	
■	25			■	26			■

बाएँ से दाएँ
1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे
1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -7967 का हल

■	कु	ली	न	■	■	ह	■	श
शा	■	प	■	क	म	ल	■	र
दी	न	ई	मा	न	■	क	स	म
■	■	य	■	क	ल	■	हा	■
क	ल	र	व	■	त	क	रा	र
■	की	■	ध	न	■	मा	■	■
भ	र	म	■	क	हा	नी	का	र
ला	■	का	ज	ल	■	दा	■	ण
ई	■	न	■	■	का	र	ण	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7509

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	15	14	26	16	22	■	30	21	■
27	8		2		5	■ 4	9		11
32		5		7		■ 3		2	10
■ 73	■ 4	■	2		7		3		34
14		5		■ 2		7		5	25
22	6		3		■ 4		2		12
36		3		7		8	■	■	■
13	5		■ 6		6		7		28
11		6	■ 7	3		7		5	25
■	24	29	■	20	16	44	15	8	■

अंकजाल 7508 का हल

■	15	22	40	43	■	■	15	21	■
26	8	5	6	7	■ 3	6	4	5	15
22	4	9	2	7	■ 5	8	7	5	20
■	3	8	2	7	3	4	2	6	35
■	■	■	7	9	3	7	2	5	33
38	7	2	5	7	8	9	■ 2	■ 3	■
40	5	2	5	6	3	4	7	8	■ 8
19	5	8	6	■ 4	6	8	7	3	24
18	5	6	7	■	3	2	7	5	17
■	22	18	■	■	26	48	21	16	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6453

2		3		4		
1	26		41		38	6
7	1		6	5		3
	34	5	33		25	
		2	3	7		1
5	32	6	29		34	4
3				2		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6452 का हल

2	1	3	6	4	7	5
1	22	7	34	6	43	6
3	4	1	5	2	6	7
4	30	5	26	1	30	2
6	5	2	3	7	4	1
5	36	6	36	3	29	4
7	1	4	6	5	2	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1890 विमान डिजाइनर एंथनी फोकर का जन्म .
1897 जंजीबार के सुल्तान ने दास प्रथा समाप्त करने का हुक्म दिया.
1917 अमेरिका ने जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1919 रोलट एक्ट के खिलाफ गांधीजी ने अखिल भारतीय हड़ताल का आहवान किया.
1930 गांधीजी को नमक कानून तोड़ने के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया.
1942 जापानी विमानों ने भारत पर पहली बार बमबारी की.
1948 ईस्ट अफ्रीका की संसद की पहली बैठक नैरोबी में हुई.
1966 प्रसिद्ध तैराक मिहिर सेन ने पाक जलडमरु मध्य तैरकर पार किया.
1988 मुस्लिम छापामारों ने काबुल तथा तीन और शहरों पर प्रक्षेपास्त्रों और राकेट से हमले किए.
1990 अमेरिका के खोजी राबर्ट ई. पियरी उत्तरी ध्रुव पहुंचे.
2001 पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल का निधन.

गणित पहेली - 5814

50		30		50		20	=	10
	■		■		■		■	
20		4		45		20	=	30
	■		■		■		■	
40		20		2		2	=	20
	■		■		■		■	
30		1		20		10	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
40		14		27		20	=	40 / 33

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5813

60	-	30	+	20	-	25	=	25
-	■	+	■	x	■	÷	■	-
50	÷	2	-	5	x	1	=	20
+	■	-	■	÷	■	+	■	+
18	+	14	÷	4	x	4	=	32
+	■	-	■	-	■	-	■	-
30	-	10	x	2	÷	8	=	5
=	■	=	■	=	■	=	■	=
58	+	8	-	23	-	21	=	32 / 14

शब्दजाल- 7500

भा	क	ल	व	ग	ब	ना	क	प	ल	क
र	वि	ल	न	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
त	स	र्म	ल	र्म	छ	पु	रा	रा	ख	क
क	ज	ज	य	पु	र	न	प	न	ल्ली	क
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	क
जी	क	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण	घ	को
ती	आ	स्ट्रे	लि	या	प	ल	श	र	ला	ल
क	ता	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	पा
ने	बा	चे	न्न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	कि
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	स्ता
क	क	ल	प	ची	न	रा	बा	द	प	न

शब्द जाल में 10 विभिन्न देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए देशों के नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

इटली, भारत, चीन, ब्राजील, जर्मन, नेपाल, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया, श्रीलंका, इरान.

शब्दजाल - 7499 का हल

यु	क	दो	यु	ला	प	र	तू	ग	झ	क
ज	ग	ल	प	ह	रिं	पू	ना	दि	शा	को
अं	इ	पु	म	सं	दा	ल	श	र	ला	ल
क	कु	दा	रु	धा	ब	क	प	रि	श	र
क	ति	श	न्न	ष	क	र	री	ग	वी	ता
द	रं	ल	प	व	गा	र्त	ऐ	ती	प	रु
ती	गा	ल	श	अं	प	म	क्रां	कौ	ला	व
क	बा	अ	ब	त	क	छ	प्प	न	श	जू
क	स	थो	तें	व	न	ज	द	शा	जू	द
द	र	ल	प	ति	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	ड़	सा	रु	मा	नी	हो	जा	एं	प	क

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

भाजपा का स्थापना दिवस छह अप्रैल को, बड़ी संख्या में नये सदस्य पार्टी से जुड़े, बाबूलाल ने किया स्वागत

रांचीः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आज रविवार को सैकड़ों युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, विधायक नवीन जायसवाल, योगेंद्र प्रताप और नरेंद्र सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने नये सदस्यों का स्वागत किया. उन्होंने कहा कि युवाओं के जुड़ने से पार्टी और मजबूत होगी. उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल, सोमवार को भाजपा का स्थापना दिवस है. उससे पहले इतनी बड़ी संख्या में लोगों का पार्टी से जुड़ना सकारात्मक संकेत है. मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में विकास कार्य प्रभावित हैं. किसान, युवा वर्ग, सहित महिलाएं परेशान हैं. उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने की अपील की. बाबूलाल मरांडी राज्य में खनिज संसाधनों की लूट और कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल उठाये. प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित पार्टी है और इसका लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है. उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं. उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है. उन्होंने विपक्षी दलों पर वंशवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि वे आम लोगों की समस्याओं को नहीं समझते. साथ ही राज्य सरकार पर भी तंज कसते हुए कहा कि बिना पैसे के सरकारी कार्यालयों में काम नहीं होता. उन्होंने युवाओं से पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने की अपील की.

रिम्स में शुरू होगी नयी वीआईपी क्लीनिक व्यवस्था, मरीजों को लंबी कतार से अलग सुविधा मिलेगी

रांचीः राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में मरीजों को बेहतर और जल्द इलाज मुहैया कराने के लिए नयी व्यवस्था लागू की जा रही है. अस्पताल में जल्द ही वीआईपी क्लीनिक शुरू किया जाएगा, जहां सामान्य ओपीडी की भीड़ और लंबी कतार से अलग सुविधा मिलेगी. यह क्लीनिक देश के बड़े संस्थानों जैसे एम्स, सीएमसी और एसजीपीजीआई की तर्ज पर संचालित होगा. यहां मरीजों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श और जरूरी जांच की सुविधा मिलेगी. अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि इससे ओपीडी पर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद मिलेगी और मरीजों को बेहतर विकल्प मिलेगा. शुरुआत में फिजिशियन, हृदय रोग विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजिस्ट और हड्डी रोग विशेषज्ञ की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी. फिलहाल रोजाना 10 से 15 मरीजों को ही इस क्लीनिक में देखा जाएगा. आगे मरीजों की प्रतिक्रिया के आधार पर सेवाओं का विस्तार किया जाएगा. नाम भले ही वीआईपी क्लीनिक रखा गया है, लेकिन यह सुविधा केवल खास लोगों के लिए नहीं होगी.कोई भी मरीज निर्धारित शुल्क देकर यहां इलाज करा सकेगा. रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार के अनुसार अस्पताल में अक्सर वीआईपी मरीजों की वजह से सामान्य मरीजों को परेशानी होती है. नई व्यवस्था से दोनों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की जा रही है. इस क्लीनिक की एक खास बात यह होगी कि मरीजों को जांच के लिए अलग-अलग जगह नहीं जाना पड़ेगा. एक्स-रे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड और ब्लड टेस्ट जैसी सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी. इससे मरीजों का समय बचेगा और इलाज की प्रक्रिया तेज होगी. वीआईपी क्लीनिक रिम्स के पेइंग वार्ड के ग्राउंड फ्लोर पर शुरू किया जाएगा. इसके लिए उस स्थान को चुना गया है, जहां पहले कैंटीन संचालित होती थी. क्लीनिक के लिए जरूरी उपकरण कोल इंडिया के सीएसआर फंड से उपलब्ध कराए जाएंगे. मशीनों के आने और इंस्टॉलेशन के बाद सेवा शुरू हो जाएगी. फिलहाल इस क्लीनिक का शुल्क तय नहीं किया गया है, लेकिन संभावना है कि मरीजों को 100 से 150 रुपये तक फीस देनी होगी. यह सामान्य ओपीडी से अधिक होगा, लेकिन इसके बदले मरीजों को जल्दी और बेहतर सुविधा मिलेगी.

धनबादः प्लांट ब्लास्ट के बाद जहरीली गैस रिसाव, सीआईएसफ जवान समेत पांच की बिगड़ी तबीयत

धनबादः जिले के पुटकी थाना क्षेत्र स्थित कपाल घाट में देर रात हुए जहरीली गैस रिसाव ने बड़ा खतरा पैदा कर दिया. इस घटना में सीआईएसफ के जवान, एक अधिकारी और बीसीसीएल कर्मचारी समेत कुल पांच लोग चपेट में आ गए, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं, पास के बंद पड़े प्लांट में हुए सिलेंडर ब्लास्ट से इस गैस रिसाव का कनेक्शन भी सामने आ रहा है. कपाल घाट में जहरीली गैस रिसाव की घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई. गैस की चपेट में आने से सीआईएसएफ के दो जवान, एक अधिकारी और बीसीसीएल के दो कर्मचारी की तबीयत बिगड़ गई। सभी को तत्काल इलाज के लिए सरायढेला स्थित बीसीसीएल के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया. सीआईएसएफ अधिकारी दर्शन सिंह, जवान ज्ञान सिंह और बीसीसीएल कर्मचारी दुनियालाल सिंह का इलाज मेल मेडिकल वार्ड में चल रहा है, जबकि सीआईएसएफ कांस्टेबल बिपिन कुमार और कर्मचारी पूना बाउरी को आईसीयू रिकवरी वार्ड में रखा गया है. घटना के संबंध में इलाजरत दुनियालाल सिंह ने बताया कि वह पुटकी दामोदर नदी के किनारे स्थित कपाल घाट पर ड्यूटी पर थे, जहां से पानी की सप्लाई की जाती है. रात करीब साढ़े 11 बजे अचानक गले में जलन और उल्टियां शुरू हो गईं, साथ ही सांस लेने में परेशानी होने लगी. वहीं, सीआईएसफ जवान ज्ञान सिंह ने बताया कि वह कैंप में सो रहे थे, तभी उन्हें बाहर बुलाया गया. बाहर निकलते ही गैस के संपर्क में आने से गले में जलन और उल्टी शुरू हो गई. सूचना मिलते ही क्यूआरटी मौके पर पहुंची और सभी को अस्पताल पहुंचाया गया. इस घटना की जांच में एक अहम कड़ी सामने आई है. जिस स्थान पर गैस रिसाव हुआ, उसके पास ही बंद पड़ा एक सीपीपी प्लांट है. इसी प्लांट में देर रात कुछ युवक चोरी के इरादे से घुसे थे, जहां लोहे की कटिंग के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट हो गया. इस हादसे में तीन युवकों - आनंद, संजय यादव और अजहरुद्दीन की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हैं. बताया जा रहा है कि यह एक सीपीपी (कैप्टिव पावर प्लांट) था, जहां रिजेक्शन कोल से बिजली बनाई जाती थी और पिछले कुछ वर्षों से बंद पड़ा है. विशेषज्ञों के अनुसार, प्लांट के पाइपों में मिथेन और अन्य जहरीली गैसें जमा हो सकती हैं. आशंका जताई जा रही है कि कटिंग और ब्लास्ट के कारण पाइप क्षतिग्रस्त हुए, जिससे गैस का रिसाव शुरू हुआ और आसपास के लोग इसकी चपेट में आ गए. इस पूरे मामले में बीसीसीएल और पुलिस की टीम जांच में जुटी हुई है. बीसीसीएल के जीएम अरिंदम मुस्तफी ने कहा कि गैस रिसाव और सिलेंडर ब्लास्ट दोनों घटनाओं की जांच की जा रही है. उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्लास्ट की घटना अलग है, लेकिन सभी पहलुओं को जोड़कर जांच की जा रही है.

धनबाद में गैस कटर सिलेंडर फटने से 3 की मौत, दो घायल

झारखंड में दर्दनाक हादसों का सिलसिलाः ब्लास्ट, सर्पदंश और डूबने से सात की मौत

रांचीः झारखंड के विभिन्न जिलों में शनिवार–रविवार को हुए अलग-अलग हादसों में कुल सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। इन घटनाओं ने एक बार फिर अवैध गतिविधियों, लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को उजागर कर दिया है। राजधानी रांची से लेकर कोयलांचल और ग्रामीण इलाकों तक हुई इन घटनाओं से पूरे राज्य में शोक का माहौल है।

सबसे गंभीर हादसा धनबाद जिले के पुटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत मुनीडीह इलाके में देर रात हुआ, जहां गैस कटर सिलेंडर फटने से तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह हादसा कथित तौर पर अवैध रूप से लोहा कटिंग के दौरान हुआ। मृतकों की पहचान आनंद कुमार, संजय यादव और अजहरुद्दीन के रूप में की गई है।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि यह काम भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) क्षेत्र में रात के अंधेरे में कराया जा रहा था। मृतक आनंद कुमार की मां कंचन देवी ने मुख्तार अंसारी नामक व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह भोले-भाले युवकों को पैसों का लालच देकर जोखिम भरे काम में लगाता था। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस तरह की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाती, तो शायद यह हादसा टल सकता था।

संजय यादव हादसे के बाद गंभीर रूप से झुलसी अवस्था में किसी तरह घर पहुंचा था और उसने परिजनों को गैस से जलने की बात बताई। परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी हालत बिगड़ गई और इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। तीसरे मृतक अजहरुद्दीन का शव अभी अस्पताल के वार्ड में रखा गया है, जबकि आनंद और संजय के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

घायलों में एमडी इमामुद्दीन की हालत नाजुक बनी हुई है, जिसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर किया गया है। वहीं एक अन्य घायल इलाज के दौरान अस्पताल से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और अवैध लोहा कटिंग के नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कोडरमाः खेत में काम के दौरान महिला की सर्पदंश से मौत

कोडरमा थाना क्षेत्र के लोचनपुर गांव में 42 वर्षीय सुनीता देवी की सर्पदंश से मौत हो गई। वह रविवार सुबह अपने खेत में गेहूं की फसल उठाने गई थीं, तभी फसल के बीच छिपे सांप ने उन्हें काट लिया। परिजन तत्काल उन्हें सदर अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

लातेहारः डैम में डूबने से दो युवकों की मौत

लातेहार जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र स्थित गम्हरिया डैम में नहाने के दौरान दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान मनोज परहिया (30) और विशाल परहिया (20) के रूप में हुई है, जो आदिम जनजाति समुदाय से थे। शनिवार शाम दोनों डैम में नहाने गए थे, लेकिन पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाने के कारण दोनों गहरे पानी में चले गए। रविवार को स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से शवों को बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। थाना प्रभारी यकीन अंसारी ने बताया कि यह हादसा पूरी तरह से असावधानी के कारण हुआ। इन सभी घटनाओं ने राज्य में सुरक्षा, निगरानी और जन-जागरूकता की आवश्यकता को एक बार फिर रेखांकित कर दिया है।

मंईयां सम्मान योजनाः रांची की 3.89 लाख महिलाओं को 97.32 करोड़ रु की सहायता

रांचीः झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत रांची जिले की 3 लाख 89 हजार 296 महिलाओं के बैंक खातों में मार्च माह की सम्मान राशि सफलतापूर्वक भेज दी गई है। आधार आधारित डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से प्रति लाभुक 2500 रुपये की दर से कुल 97 करोड़ 32 लाख 40 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए हैं।

यह भुगतान पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया से किया गया, जिससे राशि सीधे लाभुकों तक पहुंची। जिला प्रशासन ने समयबद्ध तरीके से भुगतान सुनिश्चित कर प्रभावी क्रियान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस संबंध में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि सभी पात्र महिलाओं को समय पर लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी समस्या के समाधान के लिए "अबुआ साथी" व्हाट्सएप नंबर 9430328080 जारी किया गया है।

यह योजना महिलाओं को आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत आधार प्रदान कर रही है।

पश्चिम बंगाल चुनावः बंगाल के रण में अर्जुन मुंडा की एंट्री

झारग्राम में धर्मेंद्र प्रधान संग बनाई 'विजयरथ' की रणनीति

पश्चिम बंगालः पश्चिम बंगाल में चल विधानसभा चुनावों (23 और 29 अप्रैल 2026) को लेकर राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर है, जहां झारखंड भाजपा के दिग्गज नेता भी पूरी तत्परता के साथ सक्रिय नजर आ रहे हैं. विशेष रूप से झारखंड से सटे बंगाल के सीमावर्ती जिलों में चुनावी बिसात बिछाने के लिए बैठकों का दौर तेज हो गया है. इसी कड़ी में, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने झारग्राम में आयोजित एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक में शिरकत की. इस उच्चस्तरीय बैठक में उनके साथ केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी सहित कई कद्दावर नेता और सांगठनिक पदाधिकारी उपस्थित रहे.

बूथ स्तर पर 'अभेद्य दुर्ग' बनाने की रणनीतिः बैठक के दौरान झारग्राम और आसपास के विधानसभा क्षेत्रों के लिए व्यापक चुनावी खाका तैयार किया गया. नेताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बंगाल की सत्ता की राह 'बूथ' से होकर गुजरती है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी और बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती ही विजय की असली कुंजी होगी. अर्जुन मुंडा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकजुटता, अनुशासन और समर्पण है. उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए आह्वान किया कि यदि वे संगठित होकर चुनाव लड़ें, तो बंगाल में परिवर्तन सुनिश्चित है.

केंद्र की योजनाओं का 'घर-घर' प्रचार करने का निर्देशः बैठक में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का गुरुमंत्र दिया. धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जनता के साथ निरंतर संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान करना ही पार्टी की प्राथमिकता होनी चाहिए. नेताओं ने विश्वास जताया कि जिस प्रकार से सीमावर्ती क्षेत्रों में संगठन का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए भाजपा को इस बार जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिलेगा.

सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष नजरः झारग्राम, पुरुलिया और मिदनापुर जैसे क्षेत्र झारखंड की भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमा से सटे हुए हैं, जहां अर्जुन मुंडा और दिनेशानंद गोस्वामी जैसे नेताओं का व्यक्तिगत प्रभाव काफी अधिक है. यही कारण है कि भाजपा आलाकमान ने इन क्षेत्रों की जिम्मेदारी झारखंड के अनुभवी नेताओं को सौंपी है. बैठक के बाद कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है, जो बंगाल के चुनावी रण में एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार दिख रहे हैं.

नेतरहाट तक बनेगा 4 लेन टूरिस्ट कॉरिडोर

घाघरा-नेतरहाट मार्ग का होगा विकास

रांचीः झारखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में पथ निर्माण विभाग ने बड़ी पहल की है. विभाग ने घाघरा से नेतरहाट तक जाने वाले प्रमुख मार्ग को 4 लेन टूरिस्ट कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है. इसके लिए डीपीआर तैयार कराने के लिए कंसल्टेंसी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और टेंडर जारी कर दी गई है.

प्रस्तावित योजना के तहत सड़क को आधुनिक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा. खासकर पहाड़ी इलाकों में टनल निर्माण की भी संभावना पर विचार किया जा रहा है, ताकि दूरी कम हो और सफर सुरक्षित बनाया जा सके. एजेंसी को सड़क की मौजूदा स्थिति, ट्रैफिक दबाव, वैकल्पिक मार्ग, भू-तकनीकी पहलुओं और आवश्यक भूमि सहित सभी बिंदुओं का विस्तृत अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करनी होगी. घाघरा से नेतरहाट तक की मौजूदा सड़क कई जगहों पर संकरी और घुमावदार है. यह मार्ग गुमला, लातेहार और नेतरहाट को जोड़ता है, जिस पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है. विशेष रूप से पहाड़ी चढ़ाई वाले हिस्सों में बड़े वाहनों की आवाजाही कठिन होती है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है.

इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सड़क चौड़ीकरण के साथ सुरक्षित मोड़ और टनल जैसे विकल्पों पर काम किया जाएगा. निविदा के अनुसार चयनित एजेंसी को 90 दिनों के भीतर फिजिबिलिटी रिपोर्ट के साथ डीपीआर तैयार कर विभाग को सौंपना होगा.

सरकार इस परियोजना को नेतरहाट क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण मान रही है. सड़क बेहतर होने से पर्यटन गतिविधियों को गति मिलेगी और आसपास के इलाकों में व्यापार तथा रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे. रिपोर्ट के आधार पर आगे तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा.

राजधानी रांची समेत झारखंड के विभिन्न जिलों में मध्यम बारिश,ओलावृष्टि-वज्रपात का अलर्ट

रांचीः झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक 21 मिलीमीटर बारिश रामगढ़ में रिकॉर्ड की गई, जबकि रांची में 18.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। राज्य के अन्य इलाकों में भी हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। इनमें बरही में 12.4 मिमी, चाकुलिया में 8.6 मिमी, बुढ़मू में 7.8 मिमी, बोकारो थर्मल में 6.8 मिमी, मांडर में 6.6 मिमी, चाईबासा में 6.1 मिमी, मुरहू में 6 मिमी और कोडरमा डीवीसी में 5.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग के अनुसार 6, 7 और 8 अप्रैल को राज्य के कई जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश, वज्रपात और ओलावृष्टि की संभावना है। इस दौरान 50 से 60 किलमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने का भी अनुमान है। इसे देखते हुए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं 9 अप्रैल तक कुछ इलाकों में हल्की बारिश, वज्रपात और ओलावृष्टि को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान जमशेदपुर में 39.5 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 16.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

रविवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से बादल छाए रहे, हालांकि दोपहर में आसमान साफ हो गया और तेज धूप निकल आई। तड़के हुई बारिश के कारण लोगों को ठंडक का एहसास हुआ।

तापमान की बात करें, तो रांची में अधिकतम 34.8 डिग्री और न्यूनतम 18.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 39.5 और न्यूनतम 21.5 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 37.8 और न्यूनतम 21.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 36.5 और न्यूनतम 20.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 38 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

जेएससीए के आजीवन सदस्य एस.बी सिंह ने लिखा पत्र, षड्यंत्र की जताई आशंका

रांचीः झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (JSCA) में मिसकंडक्ट के आरोप का सामना कर रहे आजीवन सदस्य सह पिच क्यूरेटर एस.बी सिंह ने जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शहदेव व सचिव सौरभ तिवारी और कमिटी ऑफ मैनेजमेंट (CoM) के सदस्यों को पत्र लिखा है. पत्र लिखकर एस.बी सिंह ने जानमाल, सदस्यता जाने, पीआईएल को प्रभावित करने और उपरोक्त कार्यों के लिए षड्यंत्र किए जाने की आशंका जताई है.

पूर्व उपाध्यक्ष व पश्चिम सिंहभूम जिला संघ के सचिव असीम कुमार सिंह, सीओएम के सदस्य श्रीराम पुरी (आवेदन मां इन्हें सिमडेगा जिला क्रिकेट संघ का सचिव बताया गया है, जो गलत है) और सीओएम के कुछ पदाधिकारियों पर साजिश रचने का भी आरोप लगाया है.

शिकायत पत्र की प्रति झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, झारखंड मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष, डीजीपी, चाईबासा और सिमडेगा के एसपी के अलावा धुर्वा थाने को भी आगे की कार्रवाई के लिए भेजी गई है. आवेदन के साथ अखबारों की कटिंग और व्हाट्सएप ग्रुप के कुछ स्क्रीनशॉट भी संलग्न किए गए हैं.

पता हो कि एस.बी सिंह मई 2025 में हुए चुनाव में आईपीएस अखिलेश झा ग्रुप की ओर से सचिव पद का चुनाव लड़ चुके हैं. चुनाव के बाद एस.बी सिंह को संस्था विरोधी गतिविधियों के आरोप में शो कॉज जारी किया गया है.

खूंटी के गम्हरिया में 168 साल पुराना मंडा भगतिया महोत्सव संपन्न,भगतिया झूलन बना आकर्षण का केंद्र

खूंटीः खूंटी जिले के मुरहू प्रखंड अंतर्गत ग्राम गम्हरिया में पिछले 168 वर्षों से आयोजित हो रहा पारंपरिक मंडा भगतिया महोत्सव रविवार को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में भगतिया झूलन के साथ संपन्न हो गया। इस ऐतिहासिक और धार्मिक महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

महोत्सव के दौरान श्रद्धालु एक सप्ताह तक कठिन उपवास रखकर भगवान भोले बाबा और भैरवनाथ की आराधना करते हैं। इस दौरान वे पूजा-अर्चना कर अपनी गहरी आस्था प्रकट करते हैं और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

समापन अवसर पर आयोजित भगतिया झूलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर समाजसेवी विजय राम महोत्सव में शामिल हुए।

मुख्य अतिथि काशीनाथ महतो ने अपने संबोधन में कहा कि इस महोत्सव की सटीक शुरुआत का इतिहास स्पष्ट नहीं है, लेकिन गांव के बुजुर्गों के अनुसार इसकी शुरुआत तत्कालीन जमींदार परिवार द्वारा वर्ष 1858-1859 के आसपास की गई थी। उन्होंने बताया कि बाबा भोलेनाथ की कृपा से यह परंपरा पिछले 168 वर्षों से निरंतर जारी है और भविष्य में भी इसी तरह चलती रहेगी। महोत्सव के दौरान शनिवार रात को भव्य छऊ नृत्य का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से पूरी रात दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर उपेंद्र कश्यप, जगदीश नाथ, तेतरू महतो, देवेंद्र महतो सहित कई गणमान्य लोग और ग्रामीण उपस्थित रहे। यह महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

दहकते अंगारों में नंगे पांव चलकर भक्तों ने दी भक्ति की परीक्षा

खूंटीः भोक्ता झूलन के साथ साथ पिछले नौ दिनों से चल रहा शिवोपासना का ऐतिहासिक तोरपा मंडा रविवार को सम्पन्न हो गया। इसके पूर्व भोक्ताओं ने दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर भक्ति और निष्ठा का परिचय दिया। इस वार्षिक धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत चैत्र शुक्ल नवमी से हुई थी। इस नौ दिनों के दौरान शिव भक्त अपना घर परिवार का त्याग कर मंदिर में रहकर भगवान भोलेनाथ की आराधना में लीं रहे। जिस समय भोक्ता नंगे पांव आग में चल रहे थे, जिसे फूलखुंदी कहते हैं, उस समय परिवार की महिलाएं सिर पर आम के पल्लव और पवित्र जल से भरा लोटा लेकर खड़ी थीं। फूलखुंदी के बाद भक्तों ने 24 घंटे के निर्जला उपवास का समापन किया। फूलखुंदीकौर झूलन को देखने के लिए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। झूलन के दौरान भागतीयों ने दर्शकों पर फूल वर्षा कर लोगों के मंगल कामना की। मंडा महोत्सव का आयोजन तोरपा के पूर्व जमींदार विजय बड़ाइक के परिवार की ओर से किया जाता है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।